ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा ने बैठक कर लोकसभा चुनाव की समीक्षा की @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 12 मई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-132

इस्लाम और सेकुलर राजनीति का परस्पर विरोधी चरित्र

लाभ के लोभ में लुप्त हो गए सारे सिद्धांत

इस बार लोकसभा चुनाव में तीन मसले चर्चा में रहे... मुस्लिमों को आरक्षण, हिंदुओं की विरासत पर टैक्स और पाकिस्तान की दलाली। अवसरवादी, अनैतिक और विरोधाभासी चरित्र के कांग्रेसी नेता और उनके साथ मिलीभगत कर चल रहे कुछ भ्रष्ट विपक्षी नेता वोट के लिए देश के व्यापक हित की ऐसी-तैसी कर रहे हैं। भारत के लोग इसे समझ भी रहे हैं और नहीं भी समझ रहे हैं। समझदारी या कहें जागरूकता की ये दो स्थितियां संकुचन और व्यापकता के दो अलग-अलग फ्रेम में बंटी हैं। भारतवर्ष के व्यापक हित की रक्षा के लिए देश के लोगों को इस अलग-अलग वाले फ्रेम को तोड़ना होगा।

देश में बड़ी विचित्र स्थितियां हैं। इस्लाम और तथाकथित सेकुलर राजनीति का परस्पर विरोधी चरित्र देखिए। इस्लाम कभी इंसानों में मजहबी भेदभाव से परे नहीं हो सकता और मजहब से दूर होने का दम भरने वाली कथित सेकुलर स्वार्थी राजनीति एक खास मजहब से मुंह नहीं मोड़ सकती। भारत के कट्टार इस्लामिस्ट भारत को अपना देश समझने के बजाय पाकिस्तान को अपना ठिकाना समझते रहेंगे और उन्हें खुश रखने के लिए तथाकथित सेकुलर पार्टियां और उसके नासमझ नेता पाकिस्तान-पाकिस्तान की रट लगाते रहेंगे। यह भितरघाती चरित्र सेकुलर राजनीति के प्रति व्यापक जन-घृणा का कारण बन रहा है, लेकिन इसके वाहक नेताओं को यह समझ में नहीं आ रहा है। जो राजनीति खुद को सेकुलर बखान करती है, उसकी असली सच्चाई यह है कि वह मुस्लिम तुष्टिकरण के बिना चल ही नहीं सकती। तुष्टिकरण हटा, सेकुलरिज्म का छद्म समाप्त।

निष्पक्ष समीक्षा के लिए हमें कुछ खास पहलुओं को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए। भारतवर्ष में जब इस्लाम आया तो तलवार के बल पर इस तर्क का प्रसार करते हुए फैला कि इस्लाम में ऊंच-नीच का भेद नहीं है, हिंदुओं की तरह जातियों का भेद नहीं है। इस्लाम मुफ्त में और कृपा पर दी गई कोई भेंट या सुविधा स्वीकार नहीं करता। लेकिन ये सारे सिद्धांत

शुभ-लाभ सरोकार

समय के साथ फर्जी और बेमानी साबित होते चले गए। जब मुफ्त अनाज की योजना लागू हुई तो भाजपा का विरोध करने वाले मुसलमान सबसे पहले लाइन में जाकर खड़े हो गए। इस्लाम के नाम पर भारत को तोड़ कर उसे कथित तौर पर स्वतंत्र किया गया तो स्वतंत्र भारत के संविधान निर्माताओं ने उन जातियों के उत्थान के लिए विशेष व्यवस्था की, जिनके प्रति भेदभाव करने या अछूत का भाव रखने के आक्षेप लगते थे। तभी देश के समक्ष आरक्षण का महत्वपूर्ण विषय सामने आया। आरक्षण वह मुद्दा था जहां जातियों को मिलने वाले लाभ के लालच में इस्लामी सूरमा भी सारे इस्लामिक सिद्धांत ताक पर रख कर लार टपकाने लगे। वही इस्लामिक सिद्धांतों के पैरोकार, जो इस्लाम को जातियों से मुक्त व्यवस्था बताते नहीं थकते थे। इसके साथ ही वंचित जातियों के हितों पर घात लगाने के खेल में वह राजनीति भी शामिल हो गई जो इस्लामिक हुजूम को अपने एकमुश्त वोटबैंक के रूप में देखती थी। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगाना, तमिलनाडु सहित कई राज्यों में मुस्लिमों को ओबीसी कोटा देकर देश के पिछड़े वर्ग की अनदेखी की गई। अभी ओबीसी को जो आरक्षण मिला है, उस पूरे आरक्षण पर यह गिद्ध दृष्टि लगी है।

छद्म सेकुलर राजनीति भी पिछड़ी जातियों का हिस्सा खाने की इस मजहबी चाल को चुपचाप बढ़ावा देती रही। चाहे अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) हो या जामिया मिल्लिया इस्लामिया, यहां अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण रखा गया था, लेकिन उसे भीतर ही भीतर मुसलमान खा गए और बाहर आवाज तक नहीं आने दी। सब हुआ किन्तु राजनीतिक हलकों में इस पर चर्चा तो दूर, सुगबुगाहट तक नहीं हुई। विडंबना यह रही कि इन विश्वविद्यालयों की स्थापना भारत के संसदीय कानून के अंतर्गत हुई थी। लेकिन इस पर छद्मी संविधान प्रेमियों ने जानबूझ कर अपनी आंखें और बोली बंद रखी।

संविधान के अनुच्छेद-8 के अनुसार, एएमयू सभी लिंग, जाति, वर्ण और वर्ग के लिए है।

कांग्रेस नेता के परमाणु बम वाले बयान पर पीएम का प्रहार

बम बेचने के लिए खरीदार तलाश रहा पाकिस्तान

भुवनेश्वर, 11 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओड़ीशा के कंधमाल में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और उसके नेता मणिशंकर अय्यर पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने पोखरण के परमाणु परीक्षण का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि 26 साल पहले आज ही के दिन अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था और हमने ये दिखा दिया था कि देशभक्ति से ओत-प्रोत सरकार देशहित के लिए, देश की सुरक्षा के लिए, देश के लोगों को आशा-अपेक्षा के लिए कैसे काम करती है। एक वो दिन था, जब भारत ने दुनिया को अपने सामर्थ्य से परिचित कराया था। दूसरी तरफ कांग्रेस बार-बार अपने ही देश को डराने की कोशिश करती है। पीएम मोदी ने मणिशंकर की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा, वो कहते हैं कि संभल कर चलो, पाकिस्तान के पास एटम बम है। ये मरे पड़े लोग, देश के आदमी को भी मार रहे हैं। वे पाकिस्तान के बम के बारे में बात करते हैं, लेकिन पाकिस्तान की हालत ऐसी है कि उन्हें नहीं पता कि इसे कैसे रखा जाए और वे अपने बम बेचने के लिए खरीदार की तलाश कर रहे हैं, लेकिन कोई भी उन्हें खरीदना नहीं चाहता, क्योंकि लोग उनकी गुणवत्ता के बारे में जानते हैं। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा था कि पाकिस्तान के साथ इज्जत से पेश आना चाहिए, क्योंकि उसके पास एटम बम है।

दुनिया पाकिस्तानी बम की गुणवत्ता के बारे में जानती है

पोखरण का परमाणु परीक्षण राष्ट्रभक्ति का इम्तिहान था

अय्यर के बाद रेवंत की भी निकली पाकिस्तान-परस्त बोली

हैदराबाद, 11 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के पाकिस्तान-प्रलाप के बाद अब तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी पाकिस्तान के प्रवक्ता की तरह भाजपा से सवाल पूछने लगे। रेवंत रेड्डी ने साल 2019 में पुलवामा आतंकी हमले और पाकिस्तान के अंदर बालाकोट में आतंकवादी ठिकाने पर जवाबी हवाई हमले पर संदेहभरे सवाल उठाए और प्रधानमंत्री को आड़े हाथ लिया। रेड्डी ने कहा कि 40 जवानों की मौत का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कहा, मोदी के लिए सब कुछ राजनीति है। सब कुछ चुनाव जीतने के लिए है। उनके सोचने का तरीका देश के लिए अच्छा नहीं है। आप उनसे कुछ भी पूछिए वे जवाब में कहेंगे जय श्री राम।

केवल कांग्रेस ही नहीं, केजरीवाल भी हैं पाकिस्तान की पसंद

जमानत मिली तो खुशी में पगला गए पाकिस्तानी नेता

फवाद ने फिर निकाला मवाद

इस्लामाबाद, 11 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रशंसा के कसीदे काढ़ने वाले पाकिस्तान के पूर्व सूचना एवं प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी को केजरीवाल भी उतने ही पसंद हैं। केजरीवाल के जेल से जमानत पर छूटते ही फवाद चौधरी इतने खुश हो गए कि उनके मुंह से निकल पड़ा, केजरीवाल की रिहाई नरमपंथी भारत के लिए बहुत अच्छी खबर है। केजरीवाल की रिहाई से केवल आपा कार्यकर्ता ही खुश नहीं थे, बल्कि पाकिस्तान के नेता भी इससे खासे खुश हैं। फवाद चौधरी ने कहा, नरेंद्र मोदी एक और लड़ाई हार गए। केजरीवाल रिहा हो गए हैं और यह नरमपंथी भारत के लिए एक अच्छी खबर है। पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी भारत के चुनाव और आंतरिक राजनीति पर लगातार टिप्पणियां कर रहे हैं। इससे पहले भी उन्होंने भारत के अंदरूनी मामलों में बेतुकी टिप्पणियां की थीं। अभी बीते दिनों ही फवाद चौधरी ने राहुल गांधी का एक वीडियो साझा किया था, जिसमें राहुल गांधी हिंदू विरासत पर टैक्स की बात कर रहे थे।

भ्रष्टाचार से लड़ना है तो केजरीवाल से सीखो : केजरीवाल

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। शराब नीति घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे संगीन मामले में गिरफ्तार हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 20 दिन के लिए जमानत पर छूटते ही बोलने लगे, भ्रष्टाचार से लड़ाई लड़नी है तो केजरीवाल से सीखो।

केजरीवाल ने कहा, मैंने अपने नेता को भ्रष्टाचार के खिलाफ सीबीआई को सौंप दिया था। केजरीवाल ने कहा कि मैं 140 करोड़ लोगों का साथ चाहता हूं। इस देश को बचाना है। मैं लोकतंत्र को बचाना चाहता हूं। मैं मंत्री, मुख्यमंत्री बनने नहीं आया नौकरी छोड़कर यहां आया हूं। मेरा देश के लिए सब कुछ कुर्बान है। मेरे खून का एक-एक कतरा देश के लिए है।

रक्षा क्षेत्र में यूपी का औद्योगिक क्षेत्र हासिल कर रहा नई उपलब्धियां

एक दिन में 3600 करोड़ की छह रक्षा इकाइयों को जमीन

लखनऊ, 11 मई (एजेंसियां)। यूपी के औद्योगिक विकास और डिफेंस सेक्टर का गढ़ बनने का रास्ता और मजबूत हो गया है। छह उद्योग समूहों का लैंड पार्सल ब्लॉक कर दिया गया। ये इकाइयां झांसी, लखनऊ और कानपुर में स्थापित होंगी। पहले चरण में ही करीब 3600 करोड़ का निवेश होगा और 10 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। बृहस्पतिवार को डिफेंस से जुड़े छह समूहों के निवेश का रास्ता साफ हो गया। पिकप भवन में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह से ग्लोबल इंजीनियर्स के एमडी डॉ. जीएम गुप्ता, सेरेटेरो इंडिया के एमडी पराग खंडेलवाल, रिक्की स्याल, मनिंदर सिंह सहित छह उद्यमियों ने मुलाकात की।

तेलंगाना में बोले गृह मंत्री अमित शाह

हैदराबाद, 11 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को तेलंगाना में हुंकार भरी। यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है, इसके डर से कांग्रेस पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर भारत का अधिकार छोड़ना चाहती है। तेलंगाना में रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को घेरा। भाजपा नेता ने सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर रेवंत रेड्डी की टिप्पणी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक की और आतंकवादियों को खत्म किया।रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान पर पलटवार किया।

पाकिस्तान की गोलियों का जवाब तोप से देंगे

मोदी हमारी नेतृत्व-शक्ति हैं, वे बने रहेंगे

75 साल का रिटायरमेंट पीएम मोदी के लिए नहीं, वे नेतृत्व करते रहेंगे

हैदराबाद, 11 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हैदराबाद में प्रेस कांफ्रेंस कर दावा किया कि तीन चरण में बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए के सभी साथी दल 200 सीटों के आंकड़े के करीब पहुंच गए हैं। चौथे चरण में एनडीए को सबसे ज्यादा सफलता मिलेगी। शाह ने कहा कि एनडीए 400 पार से और आगे बढ़ेंगे। चौथे चरण में आंध्र और तेलंगाना में एनडीए कंप्लीट स्वीप करने जा रही है। 4 जून को लोकसभा चुनाव के परिणाम आएंगे तो दक्षिण भारत में कर्नाटक, आंध्र , तलंगाना, तमिलनाडु और केरल में सबसे बड़ा दल बीजेपी बनकर उभरेगा। सबसे ज्यादा सीट बीजेपी को मिलेगी।

तेलंगाना नें 10 से ज्यादा सीट मिलेगी। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के बयान पर अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी ही देश का नेतृत्व करेंगे। गृह मंत्री ने कहा कि 75 साल का रिटायरमेंट पीएम मोदी के लिए नहीं है। केजरीवाल सिर्फ 1 जून तक प्रचार के लिए बाहर हैं। मैं अरविंद एंड कंपनी और पूरे इंडी अलायंस को कहना चाहता हूं कि पीएम मोदी 75 साल के हो जाए इससे आपको आनंदित होने की जरूरत नहीं है। ये बीजेपी के सविधान में कहीं नहीं लिखा है 75 साल के बाद प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। पीएम मोदी ही आगे देश का नेतृत्व करते रहेंगे। इसमें कोई शंका नहीं है। बता दें कि केजरीवाल ने दावा किया था कि पीएम मोदी अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं।

कार्टून कॉर्नर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 75,270/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 86,280/-
(प्रति किलोग्राम)

घाटी में न कोई बहिष्कार की कॉल, न कोई पत्थर न कोई बंद

ऐतिहासिक लाल चौक पर गूंज रहे चुनावी नारे

श्रीनगर, 11 मई (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी में पहले जब भी चुनावों की घोषणा होती थी तो अलगाववादियों की ओर से बहिष्कार की कॉल दी जाती थी, जिसका असर काफी हद तक देखने को मिलता था। लेकिन अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार लोकसभा चुनाव बिना किसी बहिष्कार की कॉल के होने जा रहे हैं। इस बदलाव को समाज के सभी वर्ग एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देख रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, उनका हक है अपने नुमाइंदे चुनने का, जो पिछले करीब तीस वर्षों तक दबाव के चलते छिन गया था।कश्मीर में पत्थरबाजी अब इतिहास बन चुकी है।

कश्मीरी पंडितों के 52 हजार वोट बनेंगे निर्णायक

जम्मू, 11 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर की महत्वपूर्ण सीटों में से एक श्रीनगर में इस बार कड़ा मुकाबला है। परंपरागत सीट पर अब्दुल्ला परिवार का कोई नुमाइंदा तो नहीं है, लेकिन उनकी पार्टी नेकां, पीडीपी और अपनी पार्टी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला दिख रहा है। डीपीएपी की ओर से इसे चतुष्कोणीय बनाए जाने के लिए पार्टी प्रमुख गुलाम नबी आजाद की ओर से पुरजोर कोशिश की जा रही है।यहां से लगभग 52 हजार कश्मीरी विस्थापितों के वोट निर्णायक होंगे। चुनाव प्रचार शनिवार को बंद होने से पहले हर पार्टी की ओर से पूरा दमखम लगाया जा रहा है।

सेना को 18 जून को मिलेगा पहला हर्मीस-900 स्टारलाइनर ड्रोन

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना को पहला हर्मीस-900 स्टारलाइनर ड्रोन 18 जून को मिलेगा। इससे पाकिस्तान सीमा पर निगरानी क्षमता में इजाफा होगा। हर्मीस-900 को दृष्टि 10 ड्रोन नाम दिया गया है।

अदाणी डिफेंस सिस्टम्स इसकी आपूर्ति सेना, नौसेना समेत भारतीय सेनाओं को कर रहा है। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना के हासिल किए जाने वाले दो ड्रोनों में से पहला ड्रोन 18 जून को हैदराबाद में सौंपा जाएगा। यह आपूर्ति रक्षा मंत्रालय की ओर से बलों को दी गई आपातकालीन शक्तियों के तहत हस्ताक्षरित सौदे का हिस्सा है। सेना अपने भटिंडा बेस पर ड्रोन की तैनात करेगी जहां से वह पाकिस्तान के साथ लगती पूरी पश्चिमी सीमा पर नजर रख सकेगी।

अधिकारियों ने बताया कि पहला हर्मीस-900 इस साल जनवरी में भारतीय नौसेना को सौंपा गया था। दूसरा ड्रोन सेना ले रही है। इसके अलावा, तीसरा अब नौसेना को आपूर्ति किया जाएगा और चौथा सेना को दिया जाएगा। भारतीय सेना ने आपातकालीन प्रावधानों के तहत फर्म से इनमें से दो ड्रोन के लिए ऑर्डर दिए हैं। इन प्रावधानों के अनुसार विक्रेताओं की ओर से आपूर्ति की जाने वाली प्रणालियां 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी होनी चाहिए और मेक इन इंडिया के तहत होनी चाहिए। भारतीय सेना पहले से ही हेरॉन मार्क 1 और मार्क 2 ड्रोन का इस्तेमाल कर रही है। साथ ही उसने दृष्टि-10 या हर्मीस-900 ड्रोन के लिए भी ऑर्डर दिए गए हैं।

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 33°
न्यूनतम : 20°

ऑनलाइन निबंध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ एवं केकेजी जोन के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा ऑनलाइन निबंध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता में निबंध विषय जल संकट, फॉसिल फ्यूल उपयोग, प्राकृतिक बदलाव, महिलाओं में फाइनेंशियल लिटरेसी और वाद-विवाद विषय आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, ह्यूमन इंटेलिजेंस, ऑनलाइन या ऑफ लाइन शॉपिंग, डिजिटल या वैदिक दुनिया, जैन धर्म या विज्ञान, स्वाग या संस्कार पर थिंक-इंक-लिंक जोनल स्तर पर आयोजित की गई। जिसमें देश भर से लगभग 80 सदस्यों ने भाग लिया। परिणाम धोषणा से पूर्व निर्णायक उद्यमी, प्रशिक्षक, कोच हितेश गिरिया ने प्रतियोगिता संबंधी विचार रखते हुए कहा कि कलम की ताकत का अंदाजा इसी बात पर लगाया जा सकता है कि महिलाएँ किसी भी विषय में विचारों को प्रस्तुत करने सक्षम है। कुछ बारीकियाँ बताते हुए कहा कि लेखन के पूर्व विषय पर

विचार कर, भाषा सरल और स्पष्ट रखनी चाहिए। उनको क्रमबद्ध रूप से स्पष्ट करें ताकि पुनरावृत्ति से बचा जा सके। जरुरी बात पर ध्यान देते हुए कहा कि लिखने के बाद पढ़कर आवश्यक सुधार से भाषा संबंधी त्रुटियां दूर होती है। निर्णायक मोटिवेशनल स्पीकर मधु जैन ने निबंध की भाषा सरल होने की अनिवार्यता एव विषय की जितनी हो सके उतनी जानकारी संबंधित बात रखी। निर्णायक गणित एवं विज्ञान विषय विशेषज्ञ तनुजा मेहता ने वाद-विवाद संबंधित प्रतियोगियों को बोलने और सोचने के अभ्यास पर जोर दिया। उन्होंने वाद-विवाद में भाग लेने वाले को उनकी पहल और नेतृत्व पर बधाई देते हुए कहा कि विषय के शोध से दिमाग का विस्तार होता है और महत्वपूर्ण मुद्दों के कई पक्षों के बारे में समझ बढ़ती है। इसलिए समय-समय पर प्रतियोगिता में भाग लेना चाहिए। विचारों की प्रस्तुति श्रृंखला में जीतो चैप्टर चेयरमेन इंदरचंद बोहरा ने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया। केकेजी जोन के कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन ने जोन की ओर से सभी का स्वागत किया। केकेजी महामंत्री दिलीप जैन ने कहा कि मोबाइल के इस तकनीकी युग में हम लेखन कला को भूलने लगे है। ऐसे में केकेजी जोन और जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा यह ऑनलाइन प्रतियोगिता सभी में आत्मविश्वास, स्वतंत्रता, और सोचने की क्षमता को आगे बढ़ाएगी। जीतो महिला विंग राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता लल-वानी, महामंत्री शीतल दूगड़, डायरेक्टर इंचार्ज सुनीता बोहरा, स्किल डेवलपमेंट की संयोजिका रितु चोरड़िया, केकेजी जोन अध्यक्ष अशोक सालेचा, जेएलडब् संयोजिका यश्मा जैन ने शुभकामनाएँ संप्रेषित किया। निर्णायकों का परिचय क्रमश संयोजिका मनीषा डोशी, सह-संयोजिका अलका लोढ़ा ने दिया। निबंध में प्रथम डॉ अंजना बागरवाडी-बेलगाम, द्वितीय नेगी मेहता बेंगलूरु, तृतीय शशी जैन बेंगलूरु रहे। वाद-विवाद में प्रथम शालिनी चोगुले बेलगाम, द्वितीय सोनिया नंगावत बेंगलूरु, तृतीय विजेता जैन रहे। सभी को पुरस्कार राशि एवं ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। नवकार मंत्र से ऑनलाइन प्रतियोगिता परिणाम कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। महिला विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने तकनीकी भार सँभाला। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने संचालन किया।

महाश्रमणोत्सु मंगलम बेंगलूरु स्तरीय कार्यशाला का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार महाश्रमणोत्सु मंगलम बेंगलूरु स्तरीय कार्यशाला का भव्य आयोजन सभी शाखा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में राजाजीनगर में शनिवार को साध्वी सिद्धप्रभाजी, साध्वी उदितयशाजी के सानिध्य में हुआ। साध्वी के मंगल मंत्रोचार एवं नमस्कार महामंत्र से कार्यशाला की शुरुआत हुई। सभी क्षेत्रों से पधारी हुई 50 से अधिक बहनों एवं कन्यामंडल ने महाश्रमण अष्टकम से गुरुदेव को अभिवंदना अर्पित किया। राजाजीनगर महिला मंडल की बहनों ने आचार्य महाश्रमणजी को समर्पित गीतिका का संगान किया। साध्वी सिद्धप्रभा जी ने अनेक उदाहरणों से गुरुदेव के संस्मरणों को श्रावक समाज के सामने प्रस्तुत किया।

उन्होंने आचार्य की करुणामई चेतना तथा उनके दृष्टि संयम को बताते हुए कुछ संस्मरण प्रस्तुत किए। साध्वी उदितयशाजी ने आचार्य महाश्रमण जी की दीक्षा पर्याय की स्वर्णिम 50 वर्ष की पूर्णता दीक्षा कल्याण महोत्सव के अवसर पर फरमाया कि मंगल बनने के लिए संयम की चेतना

को उजागर करना होगा। दृढ़ संकल्प आचार्य के जीवित उदाहरण से सबको प्रेरणा दी तथा कहा कि गुरुदेव की अष्टगनी संपदा को सुशोभित करते हुए अपनी संयम साधना की प्रवर ज्योतिर्मय रश्मियों से समूची मानवता को अनवरत आलोकित कर रहे हैं। हमें भी गुरुदेव के संयममय जीवन से प्रेरणा लेते हुए प्रत्येक श्रावक को संकल्प करने की कोशिश करनी चाहिए।

कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए साध्वी संगीतप्रभा जी ने सुंदर तरीके से आचार्य श्री की विशेषताओं को बताते हुए उसे संकल्प के माध्यम से प्रत्येक श्रावक श्राविका को इससे जुड़ने की प्रेरणा दी। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की कर्नाटक प्रभारी मधु कटारिया ने अपने विचार व्यक्त किए। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय परामर्शिका लता जैन, तेरापंथ सभा, तेयूप राजाजीनगर, गांधीनगर, राजराजेश्वरी नगर, यशवंतपुर, हनुमंतनगर, टी दासरहल्ली की पदाधिकारी, कार्यकारिणी एवं सकल श्रावक श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही। सभी का स्वागत एवं आभार राज-ाजीनगर महिला मंडल की अध्यक्षा उषा चौधरी ने व्यक्त किया।

लोकसभा चुनाव 2024

हार के डर से भावनात्मक बयान दे रहे हैं पीएम मोदी: सीएम सिद्धरामैया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आगामी चुनाव में हार का डर सता रहा है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मोदी में वह आत्मविश्वास नहीं है जो चुनाव शुरू होने से पहले था और इसलिए वह हताश हैं और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए भावनात्मक बयान दे रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के इस बयान पर कि विपक्षी पार्टियां उन्हें दफनाने की कोशिश कर रही हैं, प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कोई किसी को दफन नहीं कर सकता। विपक्षी पार्टियां सिर्फ उनका विरोध करती हैं।

उन्हें राजनीतिक तौर पर हराना चाहती हैं। नरेंद्र मोदी दस साल तक पीएम रहे। ऐसा आरोप है कि उन्होंने गरीबों के हित में कुछ नहीं किया है और वह झूठ बोलने में माहिर हैं। उन्होंने लोगों से किया कोई भी वादा पूरा नहीं किया है। उन्होंने कहा देश का विकास नहीं हुआ है।

गरीब समृद्ध नहीं हुए हैं। यह उजागर हो गया है और लोगों को एहसास हो गया है कि वह झूठ बोल रहे हैं और अपनी भावनात्मक बातों से उनका शोषण करने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए लोग दोबारा वोट नहीं देंगे, जो जाएंगे ऊपर नीचे आना होगा।

वह शनिवार को मैसूरु में अपने आवास के पास मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा की कृषि ऋण माफ करने की मांग पर उन्होंने कहा जब येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने इसकी मांग की थी। तब उन्होंने कहा था कि उनके पास इसके लिए कोई प्रिंटिंग मशीन नहीं है। अब उन्हें इसकी मांग करने का क्या नैतिक अधिकार है। सीएम ने कहा केंद्र में कांग्रेस की सरकार सत्ता में आएगी तो वे कृषि ऋण माफ करेंगे। इससे पहले सीएम मैसूरु में राजनेता श्रीनिवास प्रसाद के श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए और अपने दिवंगत मित्र को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर बौद्ध धर्मगुरु बंटेजी स्वामीजी, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

विश्वगुरु बसवन्ना की जयंती मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के राजाजीनगर में शुक्रवार को वीरशैव लिंगायत महासमिति का उद्घाटन समारोह और कर्नाटक सांस्कृतिक नेता, विश्वगुरु बसवन्ना की जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे धनराज तलमपल्ली ने बसव तत्व के बारे में बताया। अतिथि के रूप में पहुंचे नीलकंठप्पा ने बसवन्ना के कथन की व्याख्या की। कार्यक्रम में जगदीशा, अश्वथ नारायण, नरसा रेड्डी, चन्द्रशेखर टी. एम, वीराशेट्टी मीनाकेरे, हर्षा एनएस, सरवन और अन्य समुदाय के नेता उपस्थित थे।

प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों के बीच

येदियुरप्पा ने जेडीएस गठबंधन को बरकरार रहने का दिया आश्वासन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने कहा कि जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ लगे यौन शोषण के आरोपों का राज्य में भाजपा-जद (एस) गठबंधन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इसे विधान परिषद चुनावों के लिए भी जारी रखा जाएगा।

जद (एस) को दो सीटें देने और भाजपा के लिए चार सीटें रखने का पहले ही निर्णय लिया जा चुका है। उम्मीदवारों की घोषणा जल्द ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा की जाएगी। उन्होंने शनिवार को मैसूरु में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कई लोगों की राय के मुताबिक पारदर्शी जांच के लिए प्रज्वल रेवन्ना का मामला सीबीआई को सौंपा जाना चाहिए। उन्होंने कहा भाजपा राज्य की 24 से 25 सीटों सहित 400 से अधिक लोकसभा सीटें जीतेगी। लोकसभा चुनावों में, लोग पीएम उम्मीदवार पर नजर रखते हैं।

चूंकि कांग्रेस के पास प्रधानमंत्री बनने के लिए उस क्षमता का कोई उम्मीदवार नहीं है। इसलिए नरेंद्र मोदी फिर से पीएम बनेंगे। येदियुरप्पा ने यह भी कहा कि राज्य को गंभीर सूखे का सामना करना पड़ा है और झीलें सूख गई हैं, इसलिए राज्य सरकार को कृषि ऋण माफ करना चाहिए और किसानों को बुआई के लिए अपनी जमीन तैयार करने में सहायता करनी चाहिए।

यौन उत्पीड़न के आरोपों के बीच बीजेपी नेता देवराजे गौड़ा को पुलिस होलेनरसीपुर ले पहुंची

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा नेता जी देवराज गौड़ा को पुलिस ने शुक्रवार शाम चित्रदुर्ग जिले में गिरफ्तार कर लिया और शनिवार को उन्हें हासन जिले के होलेनरसीपुर पुलिस स्टेशन ले जाया गया। उन्हें होलेनरसीपुर टाउन पुलिस में दर्ज यौन उत्पीड़न के मामले में गिरफ्तार किया गया था। भाजपा नेता देवराज गौड़ा पर होलेनरसीपुर में यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया है। हासन से पुलिस अधिकारियों की एक टीम शनिवार सुबह तक गिरफ्तार लोगों को होलेनरसीपुर ले आई। हासन के एसपी मोहम्मद सुजीता, अतिरिक्त एसपी वेंकटेश नायडू और अन्य वरिष्ठ अधिकारी होलेनरसीपुर पहुंचे। थाने के बाहर काफी लोग जमा हो गए। उम्मीद है कि पुलिस जल्द उसे जज के सामने पेश

करेगी। 49 वर्षीय देवराज गौड़ा ने 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा के टिकट पर होलेनरसीपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था। उन्होंने दावा किया है कि उनके पास लोकसभा सदस्य प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े अश्लील वीडियो और तस्वीरें हैं। हालाँकि, मैसेजिंग एप्लिकेशन के माध्यम से सामग्री वायरल होने के बाद, उन्होंने आरोप लगाया कि सामग्री कांग्रेस नेताओं द्वारा लीक की गई थी।

पेन ड्राइव मामला जांच के लिए सीबीआई को क्यों सौंपा जाना चाहिए: पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि ऑडियो साक्ष्य उपलब्ध हैं जिसमें गिरफ्तार भाजपा नेता देवराज गौड़ा ने दावा किया है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पेन ड्राइव मामले में निर्देश दिए थे। उन्होंने सवाल उठाया है कि क्या मामले को रफा-दफा करने के लिए जबरन सीबीआई जांच कराई जा रही है। अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हासन की पेन ड्राइव का मामला जांच के लिए एसआईटी को सौंपा जा चुका है। हमारे राज्य के अधिकारी सक्षम हैं। हमें जांच पूरी होने तक इंतजार करना होगा। सीबीआई भाजपा की वॉशिंग मशीन की तरह है। आरोपियों को वहां बिठाना और तैयार करना भाजपा की महत्वाकांक्षा है। उन्होंने कहा,

इसीलिए वे पेन ड्राइव मामले को सीबीआई को सौंपने के लिए कह रहे हैं। प्रज्वल रेवन्ना को आत्म समर्पण कर देना चाहिए। लुकआउट नोटिस पहले ही जारी किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि जो लोग विदेशों में छुपे हुए हैं, उन्हें लाने के लिए राज्य सरकार कार्रवाई करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीएस नेता कुमारस्वामी की यह राय कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद राज्य की कांग्रेस सरकार गिर जाएगी, राजनीति से प्रेरित बयान है। उन्होंने कहा कि यह असंभव है। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी ने 2.3 प्रतिशत विधायक जीतकर सरकार गिरा दी। लेकिन कर्नाटक में ऐसा कोई माहौल नहीं है। यहां कांग्रेस सरकार को हटाने के लिए 65 विधायकों को लाना होगा। अगर भाजपा 2 से 4 कांग्रेस विधायकों को अपनी ओर खींचने की कोशिश करती है तो संभावना है कि भाजपा और जेडीएस से कई लोग कांग्रेस में आ जाएंगे। भाजपा के कई लोग हमारे संपर्क में हैं, अब जेडीएस एक डूबता हुआ जहाज है। इस पार के विधायकों के उस पार जाने की संभावना कम है। लेकिन उन्होंने बताया कि उस तरफ से आने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने जद(एस) के साथ गठबंधन किया था, जिससे पार्टी के कई लोग नाराज हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि जेडीएस में अल्पसंख्यकों सहित कई नेता हमारी पार्टी में आने और हमारे उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने के लिए तैयार थे, भले ही हमने उन्हें आमंत्रित नहीं किया था। राज्य सरकार राज्य में सूखे से राहत के लिए केंद्र से अधिक मुआवजा पाने के लिए कानूनी लड़ाई जारी रखेगी। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ नियम के तहत मुआवजे की राशि नगण्य है। ऐसे में अगर राज्य सरकार 18 हजार करोड़ मांगती है तो कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद केंद्र सरकार से साढ़े तीन हजार करोड़ मिले। इसे किसानों के खाते में डालने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि पूरा मुआवजा पाने के लिए कानूनी लड़ाई जारी रहेगी।

भाजपा ने बैठक कर लोकसभा चुनाव की समीक्षा की

गठबंधन को 20 से 22 सीटें मिलने की उम्मीद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में शनिवार को लोकसभा चुनाव की समीक्षा बैठक हुई। प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र के नेतृत्व में यह बैठक हुई। बैठक में विपक्ष के नेता आर. अशोक, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, डी. वी. सदानंद गौड़ा, जगदीश शेट्टर, तत्काल पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मंत्री सीटी रवि, पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंद करजोल, राज्य महासचिव और चुनाव प्रबंधन समिति के राज्य समन्वयक वी. सुनील कुमार एवं आमंत्रित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। राज्य में दो चरणों में हुए लोकसभा चुनाव पर चर्चा की गई। राज्य में लोकसभा चुनाव के लिए दो चरण के मतदान के बाद राज्य के भाजपा नेता चुनाव के संचालन की समीक्षा कर रहे हैं, लक्ष्य तक पहुंच की समीक्षा कर रहे और पार्टी आलाकमान को एक रिपोर्ट सौंपेंगे।

इसमें संदेह है कि पिछली बार अकेले 25 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार उतनी सीटें बरकरार रखेगी। जेडीएस से गठबंधन के बावजूद पिछली बार की सभी सीटें बरकरार रखना मुश्किल है। हालांकि, प्रदेश भाजपा नेताओं ने इस बात की समीक्षा करने का फैसला किया है कि कितनी सीटें मिलेंगी और कहां झटका लगने की संभावना है। बैठक में सभी 28 लोकसभा क्षेत्रों पर चर्चा हुई। भाजपा ने 25 निर्वाचन क्षेत्रों में और जेडीएस ने 3 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ा। सभी निर्वाचन क्षेत्रों में आयोजित संपूर्ण चुनाव प्रचार प्रक्रिया की समीक्षा की गई।

चुनाव प्रबंधन समिति के नेतृत्व में व्यवस्थित ढंग से चुनाव प्रचार किया गया है। इस बात पर चर्चा हुई कि क्या अभियान उम्मीद के मुताबिक चला है या कोई झटका लगा है। बूथ स्तर से ही चुनाव प्रबंधन किया जाता है और पूरी रिपोर्ट ली जाती है। दक्षिण कर्नाटक में 14 सीटों पर हुए चुनाव के पहले चरण में भाजपा ने 11 और जेडीएस ने 3 सीटों पर चुनाव लड़ा, बेंगलूरु उत्तर, चामराज नगर और बेंगलूरु देहात में कई घटनाओं से पार्टी को झटका लगने की संभावना को लेकर चर्चा चली।

जिससे पार्टी को झटका लगेगा। मांड्या में सहयोगी दल को दी गई तीन सीटों पर भारी प्रतिस्पर्धा थी और भाजपा नेताओं से ही जानकारी ली गई कि हासन के उम्मीदवार के विवाद में फंसने से कहीं झटका तो नहीं लगा है। पहले चरण के 14 क्षेत्रों में 8-10 क्षेत्रों में जीत का गणित है, उस पर आंकड़ों के साथ व्यापक चर्चा हुई। दूसरे चरण में भाजपा नेता उत्तर कर्नाटक की 14 सीटों में से 11 सीटें जीतने की उम्मीद कर रहे हैं।

भाजपा ने सभी 14 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ा और जेडीएस नेताओं ने अभियान का समर्थन किया। ऐसी चर्चा है कि चित्रदुर्ग, दावणगेरे, कोप्पल, रायचूर कठिन हैं। क्या इन क्षेत्रों में असफलताएँ हैं? यदि हां, तो इसके कारण पर चर्चा की गई। भाजपा को जहां 18 से 20 सीटें मिलने की उम्मीद है, वहीं भाजपा जेडीएस गठबंधन को 20 से 22 सीटें मिलने की उम्मीद है। क्या इस संबंध में चुनाव प्रक्रिया हो चुकी है? के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। प्रत्येक विधायक से उनके क्षेत्र की प्रगति और पिछड़ेपन की जानकारी ली जाती है और यह जानकारी रिपोर्ट के रूप में हाईकमान को भेजी जाती है। हालांकि पार्टी की आंतरिक सर्वे रिपोर्ट पहले ही आ चुकी है, लेकिन आलाकमान प्रदेश इकाई से वस्तुस्थिति का ब्यौरा चाहता है, उसी के अनुरूप बैठक के बाद जानकारी आलाकमान को भेजी जाएगी।

नाबालिग लड़की का सिर काटने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

मडिकेरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रस्तावित शादी टलने पर एक नाबालिग लड़की की कथित तौर पर हत्या करने वाले 32 वर्षीय व्यक्ति को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह गिरफ्तारी प्रकाश द्वारा 16 वर्षीय लड़की की बेरहमी से हत्या करने के दो दिन बाद हुई है, जो उसका सिर काटकर अपने साथ ले गया था। घटना सुरलब्बी गांव की बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, लड़की ने इसी साल अपनी एसएसएलसी परीक्षा पूरी की थी और गुरुवार को उसकी सगाई प्रकाश के साथ तय हुई थी। हालांकि, किसी ने चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दी और बाल कल्याण विभाग के अधिकारी लड़की मीना के घर पहुंचे और दोनों परिवारों को समझाइश देते हुए कहा कि अगर वे शादी के लिए आगे बढ़ते हैं, तो यह पॉक्सो अधिनियम और बाल विवाह अधिनियम के प्रावधानों को आकर्षित करेगा। दोनों परिवार इस बात पर सहमत हुए कि मीना के 18 साल की होने के बाद ही उसकी शादी प्रकाश से की जाएगी। इसके बाद अधिकारी और दूल्हे का परिवार वहां से चला गया। हालाँकि, गुरुवार शाम लगभग 5.30 बजे, प्रकाश ने मीना के घर में घुसकर उसके पिता को लात मारी और उसकी माँ पर धारदार हथियार से हमला किया, जो आमतौर पर पेड़ काटने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पुलिस अधीक्षक (कोडागु) रामराजन के ने बताया कि इसके बाद उसने लड़की को लगभग 100 मीटर तक बाहर खींचा, उसका सिर काट दिया और उसके साथ घटनास्थल से भाग गया। पीड़िता के पिता और मां को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां महिला की चोटों का इलाज किया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा व्यापक तलाश के बाद आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कहा कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास) और 302 (हत्या) और यौन अपराधों के खिलाफ बच्चों के संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

स्व-प्रयास से राजनीतिक ऊंचाई हासिल करने वाली पीढ़ी को निकट भविष्य में देखना मुश्किल: प्रताप सिम्हा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद प्रताप सिन्हा ने कहा कि स्व-प्रयास से राजनीतिक ऊंचाई हासिल करने वाली पीढ़ी को निकट भविष्य में देखना मुश्किल है। मैसूरु में आयोजित राजनीतिक राजदूत श्रीनिवास प्रसाद के श्रद्धांजलि और स्मरणोत्सव कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा, पूर्व मंत्री श्रीनिवास प्रसाद, एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जमीन से उठकर खड़े हुए हैं। अपनी ताकत और संघर्ष की पृष्ठभूमि से लेकर राजनीति में सत्ता तक उन्होंने राज किया है और कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह उस पीढ़ी का अंत हो सकता है जो अपनी ताकत के साथ बड़ी हुई और लोगों के बारे में सोचा और शासन किया। वर्तमान

राजनीति में केवल एक ही पीढ़ी है जिसका फायदा उठाया गया है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में अपने साथ हुए अन्याय का जिक्र किया। ग्राम पंचायत सदस्यों से लेकर सभी ने मेरी आलोचना की।

लेकिन श्रीनिवास प्रसाद ने कभी सार्वजनिक तौर पर मेरी आलोचना नहीं की। यहां तक कि जब मैंने अतिशयोक्तिपूर्ण बयान दिए तो उन्होंने मुझे फोन किया और चारदीवारी के बीच ही बताया। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने उन्हें खोया तो उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति को खोने का दर्द महसूस हुआ जो उनके पिता के बराबर था। कार्यक्रम में प्रताप सिम्हा ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की तारीफ की। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा, मंत्री एचसी महादेवप्पा, पूर्व मंत्री पीजीआर सिंधिया मौजूद रहे।

भाजपा आलाकमान के इशारे पर देवराज गौड़ा ने कांग्रेस नेताओं पर लगाया आरोप: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि भाजपा नेता देवराज गौड़ा, जिन्होंने दावा किया था कि उन्होंने जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े हासन सेक्स स्कैंडल के बारे में पिछले साल राज्य भाजपा प्रमुख बी वाई विजयेंद्र को लिखा था, अब उन्होंने पेन ड्राइव को प्रसारित करने के लिए कांग्रेस नेताओं को दोषी ठहराना शुरू कर दिया है।

वास्तविक तथ्य यह है कि हासन के वकील देवराज गौड़ा, जिनसे सबसे पहले कई वर्षों तक प्रज्वल रेवन्ना के ड्राइवर कार्तिक ने संपर्क किया था और उन्होंने बलात्कार और यौन शोषण की स्पष्ट वीडियो रिकॉर्डिंग वाली पेन ड्राइव साझा की थी, ने अचानक एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की और कांग्रेस नेताओं के नाम

सामने लाना शुरू कर दिया। उपमुख्यमंत्री, जिन पर जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने अपने भतीजे प्रज्वल रेवन्ना द्वारा यौन शोषण वाले पेन ड्राइव को व्यापक रूप से प्रसारित करने के लिए मास्टरमाइंड होने का आरोप लगाया है, ने दावा किया कि देवराज गौड़ा के आरोपों की स्क्रिप्ट और दिशा भाजपा आलाकमान और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर थी। शिवकुमार ने कहा जेडीएस को खत्म करना और कांग्रेस नेताओं को एक झटके में निशाना बनाना अमित शाह की एक बड़ी रणनीति है। लेकिन भाजपा कांग्रेस नेताओं का बाल भी बांका नहीं कर पाएगी। उन्होंने जेडीएस नेताओं से भी साजिश को समझने का आग्रह किया। शिवकुमार ने कहा, सेक्स स्कैंडल और प्रज्वल रेवन्ना द्वारा महिलाओं के बलात्कार और यौन शोषण की वीडियो रिकॉर्डिंग वाली पेन ड्राइव का प्रसार भाजपा और कुमारस्वामी की एक रणनीति है। उन्होंने कहा भाजपा एक अनैतिक पार्टी है जिसमें नैतिकता की कोई भावना नहीं है और यह राजनीति पर एक धब्बा है। इससे पहले शिवकुमार ने भाजपा नेता देवराज गौड़ा की गिरफ्तारी को पेन ड्राइव मामले का एक और हिस्सा बताते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सुबह आंध्र प्रदेश में चुनाव प्रचार के लिए रवाना होने से पहले अपने आवास के पास पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह कडप्पा की यात्रा कर रहे हैं, जहां से वह मदाकाशिरा जाएंगे और वहां से लौटेंगे। उन्होंने कहा कि वह आंध्र प्रदेश से लौटने के बाद किसी भी मुद्दे का जवाब देंगे। उन्होंने मामले पर तुरंत टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। देवराज गौड़ा, जिन्होंने पूर्व मंत्री एच.डी. रेवन्ना के खिलाफ चुनाव लड़ा और हार गए और प्रज्वल रेवन्ना द्वारा कथित तौर पर किए गए यौन उत्पीड़न के वीडियो अपने पास रखे, को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पेन ड्राइव पर विवादित वीडियो सामने आने के बाद देवराज गौड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार पर आरोप लगाए थे। इसके बाद देवराज गौड़ा का एक शादीशुदा महिला से गलत तरीके से बात करने और अभद्र व्यवहार करने का वीडियो और ऑडियो सामने आया था। बाद में देवराज गौड़ा को पुलिस ने हिरियूर के पास से गिरफ्तार कर लिया।

अगले एक हफ्ते तक बारिश जारी रहने का अनुमान

किसान मानसून सीजन के लिए जमीन जोतने में लगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में पिछले एक हफ्ते से बारिश हो रही है और अगले एक हफ्ते तक बारिश जारी रहने का अनुमान है। कुछ स्थानों पर अच्छी बारिश की पृष्ठभूमि में किसान मानसून सीजन के लिए जमीन जोतने में लगे हुए हैं। मैसूरु, हासन और चामराजनगर जिलों में प्री-मानसून फसलों की बुआई भी शुरू हो गई है। वे कटहल, मक्का, तिल आदि फसलें बो रहे हैं। हालांकि व्यापक रूप से बारिश नहीं हुई है, जगह-जगह बारिश हो रही है, इसलिए बारिश से किसानों में उम्मीद जगी है। शुक्रवार शाम और रात को प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हुई। कुछ जगहों पर जमकर बारिश हुई है तो कुछ जगहों पर छिटपुट बारिश हुई। राजधानी बेंगलूरु समेत राज्य के दक्षिणी भीतरी इलाकों में

अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग की जानकारी के मुताबिक तटीय भाग में 32 मिमी, उत्तरी कर्नाटक भाग में 33 मिमी और दक्षिण कर्नाटक में 34 मिमी बारिश हुई है। उत्तरी कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश हुई। दक्षिण कर्नाटक के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई। तूफान, गरज और बिजली के साथ बारिश हो रही थी और बताया गया कि तूफानी बारिश के कारण पेड़ और बिजली के खंभे टूट गए। तुमकुरु जिले के गुब्बी में 58, मांड्या में 57.2, के.आर. नगर 52.4, चिक्कबल्लापुर 34.9, चित्रदुर्ग में 34.1, हासन में 20.4, कोडागु में 17, बेलगाम में 17.2, कलबुर्गी में 13.2, के.आर.पेटे, अरकलागुडु में 20.4, भागमंडल में 17, मगदी में 15.4, होसकोटे में 16.4, अज्जापुर में 14, पावागड़ा में 10 मिमी बारिश हुई। इसके अलावा राज्य के कई हिस्सों में मध्यम वर्षा हुई। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक 9 मई के बाद राज्य में बारिश में बढ़ोतरी हुई है। प्री-मानसून बारिश रविवार से तेज होने की संभावना है और अधिक बारिश की उम्मीद है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक अगले एक सप्ताह तक राज्य में छिटपुट बारिश के संकेत हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार महाराष्ट्र के विदर्भ से तमिलनाडु तक एक ट्रफ रेखा बनने के कारण राज्य में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और शाम और रात के दौरान कई स्थानों पर बारिश होगी। लगातार छिटपुट बारिश के कारण न्यूनतम और अधिकतम तापमान में गिरावट आयी है और तापमान सामान्य हो गया है। स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, बेंगलूरु के आसपास के जिलों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और शाम और रात में बारिश की संभावना है। कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी तो कुछ जगहों पर गरज, बिजली और तूफान के साथ भारी बारिश की भी संभावना है।

बेंगलूरु में यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए होगा नया ट्रैफिक पुलिस स्टेशन : बी दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए नए मोबाइल पुलिस स्टेशन खोले जाएंगे। वह राजाजीनगर के औद्योगिक क्षेत्र में जलराम भवन कल्याण मंडपम में पश्चिमी प्रभाग (यातायात) पुलिस द्वारा आयोजित मासिक जनसंपर्क बैठक में बोल रहे थे। नए मोबाइल पुलिस स्टेशन पहले से ही ज्ञानभारती और चिक्काबनवारा में काम कर रहे हैं, और नए मोबाइल पुलिस स्टेशन इस साल शेषाद्रिपुरम, ज्योतिनगर और संजयनगर में चालू होने जा रहे हैं।

पिछले साल शहर में 48 मोबाइल पुलिस स्टेशन थे। इस साल यह बढ़कर 53 हो जायेगा। आयुक्त ने कहा कि 143 पुलिस चौकियों का निर्माण किया गया है और ज्ञानभारती पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में 5 नए सिग्नल का निर्माण किया जाएगा। जब जनता के एक सदस्य ने कहा कि

उसको एक ऐसे वाहन की तस्वीरें भेजी गई हैं जो उसकी नहीं है, तो आयुक्त ने जवाब दिया कि यदि ऐसे किसी नंबर प्लेट परिवर्तन की जानकारी है, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। उन्होंने कहा कि ऐसे उल्लंघनों के मामलों में यातायात जुर्माना माफ कर दिया जाएगा। फुटपाथ पर वाहनों और व्यापारियों के रहने की शिकायत पर कमिश्नर ने कहा कि स्ट्रीट ट्रेडर्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह समस्या बीबीएमपी के दायरे में आती है। संयुक्त पुलिस आयुक्त अनुचेथ एमएन ने कहा कि बेंगलूरु पूरे देश में सबसे तेजी से विकसित होने वाला शहर है। इतने सारे निजी वाहनों के रहते दुर्घटनाओं का बढ़ना स्वाभाविक है। रिपोर्ट कहती है कि 75 प्रतिशत दुर्घटनाएं दोपहिया वाहनों के कारण होती हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि हम छोटे-मोटे यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं। उदाहरण के तौर पर दोपहिया वाहन पर घर के पास दुकान पर जाते समय हेलमेट न पहनने या आधा हेलमेट पहनने के कारण दुर्घटनाएं हो रही हैं। पुलिस से डरे बिना अपनी जान बचाने के लिए यातायात नियमों का पालन करें। लाल सिग्नल होने पर वाहन रोकें, कार चालक व यात्री सीट बेल्ट अवश्य पहनें तथा गति सीमा के अंदर ही वाहन चलाएं। इस मौके पर पुलिस उपायुक्त अनिता बी हद्दन्नवर और पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

चौथे चरण का चुनाव प्रचार थमा, सोमवार को 96 लोक सभा सीटों पर होगा मतदान

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। लोक सभा चुनाव के चौथे चरण में दस राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों की 96 सीटों पर प्रचार अभियान शनिवार छह बजे थम गया। चौथे चरण का मतदान सोमवार 13 मई को कराया जाएगा जिसमें 1717 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा।

कुल सात चरणों के इस चुनाव में चौथे चरण के मतदान के साथ आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सहित 18 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों की सभी लोक सभा सीटों पर मतदान कराने का काम काम पूरा हो चुका होगा। सभी क्षेत्रों की मतगणना चार जून को एक साथ कराई जाएगी। चुनाव आयोग ने चौथे चरण की वोटिंग को लेकर पूरी तैयारियों कर ली है और इसमें मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

चौथे चरण के मतदान के साथ कुल 543 सीटों में से 379 सीटों पर मतदान की प्रक्रिया खत्म हो जाएगी। पहले चरण में 102, दूसरे में 88, तीसरे में 93 संसदीय क्षेत्रों में चुनाव कराए गए । पांचवें, छठे ओर सातवें चरण में क्रमश: 20 मई , 25 मई और एक जून को मतदान कराए जाएंगे।

मतगणना चार जून को होगी।

चाथे चरण में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और विपक्षी इंडिया समूह के स्टार प्रचारकों के अलावा घटक दल के नेताओं ने सार्वजनिक सभाओं और रोड-शो आदि के माध्यम से जम कर प्रचार किया। निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के लिए चुनाव आयोग की व्यवस्था के अनुसार सार्वजनिक प्रचार अभियान मतदान खत्म होने के 48 घंटे पहले बंद कर दिया जाता है। इसके बाद प्रत्याशी और उनके समर्थक निजी स्तर पर घर-घर जाकर मतदाताओं का समर्थन जुटाते हैं। चौथे चरण में 13 मई को आंध्र प्रदेश की सभी 25, तेलंगाना की 17, उत्तर प्रदेश की 13, महाराष्ट्र की 11, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश की आठ-आठ, बिहार की पांच, ओडिशा तथा झारखंड की चार-चार और केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर एक सीट पर वोट डाले जाएंगे। इस चरण के चुनाव में मोदी सरकार के पांच बड़े मंत्रियों, एक पूर्व मुख्यमंत्री, दो क्रिकेटर और एक अभिनेता समेत कई दिग्गज राजनेताओं की किस्मत तय होगी।

आंध्र प्रदेश में लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। वहां भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेलुगू देशम पार्टी के साथ गठबंधन किया है। तेलंगाना के हैदराबाद से भारतीय जनता पार्टी की माधवी लता, बिहार के बेगुसराय से गिरिराज सिंह, उजियारपुर से गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, हैदराबाद से एआईएमआईएम के असदुद्दीन औवेसी, उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी से गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी, कन्नौज से समाजवादी पार्टी से अखिलेश यादव, मुंगेर से जदयू के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, झारखंड के खूंटी से अर्जुन मुंडा, पश्चिम बंगाल के आसनसोल से शत्रुघ्न सिन्हा, बहरामपुर से अधीर रंजन चौधरी और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान समेत कई दिग्गजों के चुनावी भाग्य का फैसला होगा।

चौथे चरण आंध्र प्रदेश की सभी सीटों एलुरु, मछलीपट्टनम, विजयवाड़ा, गुंटूर, नरसारावपेट, बापटला, ओंगोल, नंद्याल, कुरनूल, अनंतपुर, हिंदूपुर, कडप्पा, नेल्लोर, तिरूपति, राजमपेट, अराकू, श्रीकाकुलम, विजयनगर, विशाखापट्टनम, अनकापल्ली, काकीनाडा, अमलापुरम, राजमुंदरी, नरसापुरम और चित्तूर सीटा तथा तेलंगाना में मल्काजगीरी, सिकंदराबाद, हैदराबाद, चेवेल्ला, महबूबनगर, नगरकुरनूल, नलगोंडा, भोंगीर, वारंगल, महबुबाबाद, आदिलाबाद, पेद्दापल्ली, करीमनगर, निजामाबाद, हैदराबाद, मेडक और खम्मम में मतदान होंगे।

उत्तर प्रदेश जिन 13 सीटों पर सोमवार को मतदान होना है उसमें हरदोई, मिसरिख, उन्नाव, फर्रुखाबाद, इटावा, कन्नौज, कानपुर, अकबरपुर शाहजहांपुर, फेरी, दौरा, सीतापुर और बहराइच सीट शामिल है। महाराष्ट्र में चौथे चरण के चुनाव में पुणे, शिरूर, अहमदनगर, शिरडी, नंदुरबार, जलगांव, रावेर, जालना, औरंगाबाद, मावल और बीड को रखा गया है। मध्य प्रदेश धार, इंदौर, खरगोन, देवास, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम और खंडवा सीट पर इसी चरण में मतदान कराए जाएंगे है। इसके साथ पश्चिम बंगाल की आसनसोल, बोलपुर, बहरामपुर, कृष्णानगर, राणाघाट, बर्धमान पुरबा, बर्धमान-दुर्गापुर और बीरभूम में भी मतदान होंगे। बिहार पांच संसदीय सीटों में बेगूसराय, दरभंगा, उजियारपुर, समस्तीपुर और मुंगेर सीट शामिल है। इसके अलावा ओडिशा की बेरहामपुर, कालाहांडी, नबरंगपुर और कोरापुट, झारखंड की चार सीटों लोहरदगा, सिंहभूम, खूंटी और पलामू तथा केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर संसदीय सीट पर भी सोमवार को वोट डाले जाएंगे।

पांचवीं बार पांच लाख वोटों से जीतेंगे अनुराग : जयराम

हमीरपुर, 11 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने हमीरपुर में भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी अनुराग ठाकुर के समर्थन में आयोजित आशीर्वाद यात्रा और जनसभा में भाग लिया। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस जनसभा में उमड़ी संख्या देखकर ही परिणाम का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। इस बार केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर इतिहास को दोहराते हुए पांच लाख से भी ज्यादा वोटों से जीतकर दिल्ली जाएंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को मजबूती देंगे।

श्री ठाकुर ने कहा कि जिस तरह से 10 साल के कार्यकाल में भारत की चौतरफा तरक्की हुई है, विकास के ऐतिहासिक काम हुए हैं, उसे देख कर देशवासी सोचते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसा नेतृत्व हमें पहले क्यों नहीं मिला। आज भारत ही नहीं विदेशों के लोग भी चाहते है कि नरेन्द्र मोदी ही फिर से भारत के प्रधानमंत्री बने। अभी परिणाम भी नहीं आये हैं फिर भी कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष नरेन्द्र मोदी को अपने देश आने का निमंत्रण भी दे चुके हैं।

अनुराग ठाकुर को चार बार जिताकर हमीरपुर के लोग जीत का चौका लगवा चुके हैं। पिछली बार जीत का अंतर चार लाख से अधिक था लेकिन पांचवीं बार अनुराग ठाकुर की जीत का अंतर पांच लाख से भी ज्यादा होना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पिछले 10 साल भारत की विकास यात्रा में स्वर्णिम रहे। इस दौरान देश में विकास की गति ने ऐसी रफ्तार पकड़ी कि देश ने दुगुनी तरक़्क़ी कर ली। आँकड़े गवाह हैं कि चाहे एअरपोर्ट हो या मेडिकल कॉलेज, आईआईटी-आईआईएम और एम्स हो या डिग्री कॉलेज और विश्वविद्यालय सबकी संख्या में ऐतिहासिक वृद्धि हुई हैं। देश भर में यातायात सुविधा के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक प्रगति हुई है। विकास की इस रफ्तार को और तेज करने और 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए नरेंद्र मोदी को 400 से ज़्यादा सीटों के साथ प्रधानमंत्री बनाना है। जिसमें हिमाचल चार सीटों का भी सहयोग देने जा रहा है।

श्री ठाकुर ने कहा कि श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों के कारण ही आज हिमाचल प्रदेश फोरलेन और टनल वाले राज्य के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। जिन जगहों पर पहुँचने के लिए पूरे-पूरे दिन सफर करना पड़ता था आज वह दूरियाँ चंद घंटों में तय हो रही हैं। तीसरे कार्यकाल में नरेन्द्र मोदी सरकार ने हिमाचल के लिए एक लाख करोड़ रुपये के रोड इंफ्रास्ट्रक्चर की गारंटी दी है। जो हर हाल में पूरी होगी। हिमाचल समेत पूरे देश के विकास को गति देने के लिए ज़रूरी है कि आप लोग श्री अनुराग ठाकुर को ज़्यादा से ज़्यादा वोट देकर भारी से भारी मतों से विजयी बनाएं। इस मौक़े पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफ़ेसर प्रेम कुमार धूमल, हिमाचल भाजपा के अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, ऊना से विधायक सतपाल सिंह सत्ती, राजिंदर राणा, इन्द्रदत्त लखनपाल समेत अन्य नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

कर्नाटक में गिर सकती है कांग्रेस सरकार : अशोक

बेंगलुरु, 11 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा है कि राज्य कांग्रेस सरकार की उलटी गिनती शुरू हो गयी है और सरकार कभी भी गिर सकती है। श्री अशोक के अनुसार राज्य सरकार का पतन होने की मुख्य कारण कांग्रेस पार्टी का आंतरिक असंतोष है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख नेता ने महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के राजनीतिक घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकारें गिराना वास्तव में संभव है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायकों के कथित तौर पर भाजपा के संपर्क में होने की अटकलें हैं। उन्होंने राजनीतिक निष्ठाओं में संभावित बदलाव की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पतन की उलटी गिनती शुरू हो गई है।

विपक्ष के नेता ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ कई आरोप लगाए, जिनमें उपमुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) अध्यक्ष डीके शिवकुमार के दावे भी शामिल हैं कि सरकार का भविष्य लोकसभा चुनाव के नतीजे पर निर्भर करेगा। इस दौरान उन्होंने विकास निधि की कमी, सूखा राहत राशि वितरण और विभिन्न क्षेत्रों के अतिदेय भुगतान जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने में सरकार की विफलता का उल्लेख किया। इसके अलावा, श्री अशोक ने आंगनबाड़ियों में बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर चिंता जतायी और सरकार की आवश्यक सेवाओं, जैसे एम्बुलेंस चालकों को वेतन देर से दिए जाने को लेकर भी राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने सरकार पर हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लाभ के लिए आवंटित धन को वापस लेकर उनके कल्याण की उपेक्षा करने का आरोप लगाया।

रोहतास में वज्रपात से से चार लोगों की मौत, तीन झुलसे

डेहरी-ऑन-सोन, 11 मई (एजेंसियां)। बिहार के रोहतास जिले के बिक्रमगंज थाना क्षेत्र में शनिवार को वज्रपात से चार लोगों की मौत हो गयी तथा तीन अन्य झुलस गये। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि गोटपा नहर पुल के पास आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गयी, जबकि तीन अन्य झुलस गये।सभी लोग गोटपा के निवासी हैं। मृतकों की पहचान अरबिंद साह (35) और ओम प्रकाश कुमार (40) के रूप में की गयी है। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसी तरह मोहनी गांव में वज्रपात से आठ वर्षीय बालक अभिषेक कुमार की मौत हो गयी। वह मूल रूप से बक्सर जिले के धनसोइ थाना क्षेत्र के उधोपुर का निवासी मुन्ना सिंह का पुत्र था। वह अपने फूफा मोहनी निवासी उमेश यादव के घर रह कर बिक्रमगंज में पढ़ता था।

सूत्रों ने बताया कि निंगा गांव में सड़क निर्माण में लगे एक मजदूर की मौत आकाशीय बिजली गिरने से हो गई। मृतक की पहचान नोखा थाना क्षेत्र के लेवड़ा गांव निवासी सुनील कुमार (23) के रूप में की गयी है।शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

बीएसएफ ने शाही किला परिसर में 350 फुट ऊंचा बीएसएफ का झंडा फहराया

अमृतसर 11 मई (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक नितिन अग्रवाल ने शनिवार को यहां शाही किला परिसर में 350 फुट ऊंचा बीएसएफ का झंडा फहराया। साठ फुट गुणा 40 फुट आयाम वाला विशाल बीएसएफ ध्वज, अब गर्व से भारतीय उपमहाद्वीप में सबसे ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज के साथ खड़ा है, और कई किलोमीटर दूर से दिखाई देगा।

श्री नितिन अग्रवाल, आईपीएस, ने आज पंजाब में सुरक्षा परिदृश्य का जायजा लेने, आम संसदीय चुनाव-2024 में बलों की तैनाती और भविष्य की सीमा सुरक्षा पर चुनौतियां का सामना करने के लिये रणनीतियों पर चर्चा करने के लिये पंजाब का दौरा जारी रखा। आईसीपी अटारी में, बीएसएफ के महानिदेशक ने प्रहरी भोज पर सैनिकों के साथ बातचीत की और सीमाओं पर जबरदस्त चुनौतियों और कठिनाइयों के बावजूद कर्तव्य के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। इससे पहले सुबह बीएसएफ के डीजी ने फिरोजपुर स्थित बीएसएफ के 9 डॉग

ट्रेनिंग सेंटर का दौरा किया। उन्होंने उन्नत कुत्ते प्रशिक्षण पद्धतियों के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर दिया और कुत्तों द्वारा कर्तव्य की पंक्ति में निभाई जाने वाली मूल्यवान भूमिकाओं को रेखांकित किया। यह केंद्र सीमा पर विभिन्न सुरक्षा और परिचालन गतिविधियों में प्रशिक्षित कुत्तों की सक्रिय भागीदारी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिए तैयार है। बीएसएफ की ये पहल देश की सीमाओं की सुरक्षा और अपने नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय खतरों से बचाने के बीएसएफ के दृढ़ संकल्प की महत्वपूर्ण याद दिलाती है और भारत की क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा के एक दुर्जेय संरक्षक के रूप में इसकी स्थिति की पुष्टि करती है।

पीओके को भारत में शामिल करने के लिए राजग को चाहिए 400 सीटें : हिमंत

बेगूसराय, 11 मई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के फायरब्रांड नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने इस बार के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 400 से अधिक सीटें देने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का उद्देश्य समझाते हुए कहा कि यदि पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भारत में शामिल करना है तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को इतनी सीटें हर हाल में चाहिए।

श्री सरमा ने शनिवार को भाजपा प्रत्याशी एवं केंद्रीय मंत्री

गिरिराज सिंह के पक्ष में यहां बखरी स्थित शकरपुरा उच्च विद्यालय मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आखिर प्रधानमंत्री श्री मोदी को 400 सीटें क्यों चाहिए क्योंकि देश में विकास के हुए कार्यों को आगे बढ़ाने, पीओके को भारत में शामिल करने, काशी विश्वनाथ मंदिर के पास बने ज्ञानवापी मस्जिद एवं मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि परिसर से ईदगाह को हटाने के लिए इतनी सीटें तो हर हाल में चाहिए।

भाजपा नेता ने कहा कि यदि इस बार 400 से अधिक सीटों के साथ भाजपा की सरकार बनी तो देश से लव जिहाद को समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधा और कहा कि श्री यादव कहते हैं कि हमारी सरकार बनेगी तो मुसलमान को आरक्षण दिया जाएगा, लेकिन मुसलमान को आरक्षण भारत में नही पाकिस्तान में मिलना चाहिए।

असम के मुख्यमंत्री ने कहा, मोदी सरकार का आरक्षण अनुसूचित जाति (एससी)-अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए है। कांग्रेस झूठ बोलकर लोगों को बरगलाती रही है और तुष्टिकरण की राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व गुरू बनाना भाजपा का लक्ष्य है। हिंदु सभ्यता पर आधारित देश बनाना है। उन्होंने कहा कि हमारा देश सबके लिए है। देश में हिंदू हैं इसलिए हमारा देश सेक्युलर है।

प्रौद्योगिकी से सैन्य क्षेत्र में आ रही है क्रांति: जनरल चौहान

नई दिल्ली 11 मई (एजेंसियां)। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि प्रौद्योगिकी से सैन्य क्षेत्र में क्रांति आ रही है इसलिए भविष्य की उभरती प्रौद्योगिकियों में निवेश करना जरूरी है। जनरल चौहान ने शनिवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर मुंबई में परमाणु ऊर्जा विभाग के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की एक बैठक को संबोधित किया। उन्होंने इस मौके पर समाज के लिए परमाणु: जल, भोजन और स्वास्थ्य की सुरक्षा विषय पर दो दिवसीय कार्यक्रम का भी उद्घाटन किया।

जनरल चौहान ने कहा कि इस वर्ष इस कार्यक्रम की विषय वस्तु, समाज के लिए परमाणु: जल, भोजन और स्वास्थ्य की सुरक्षा, समाज के सामने आने वाले सबसे गंभीर मुद्दों के समाधान में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालती है। उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में देश की बढती क्षमता पर जोर दिया और कहा कि यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हुई उल्लेखनीय प्रगति को आगे बढाने का समय है। इसी से देश की प्रगति को आकार मिला है। उन्होंने कहा कि यह देश के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और नवप्रवर्तकों के अथक प्रयासों को पहचानने का भी अवसर है, जो हमारे देश को आगे बढ़ाने के लिए लगन से काम करते हैं।

जनरल चौहान ने राष्ट्र की भलाई के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने की अटूट प्रतिबद्धता के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग की सराहना की। उन्होंने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर वैज्ञानिकों को शुभकामनाएं दीं और भारत के प्रगति और नवाचार के पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रयास जारी रखने की कामना की।

दक्षिण कश्मीर के शोपियां में दो आतंकवादी सहयोगियों को किया गिरफ्तार

श्रीनगर, 11 मई (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि शोपियां पुलिस, सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 14 बटालियन की संयुक्त टीम ने दोनों आतंकवादी सहयोगियों को मलिक चेक क्रॉसिंग पर गिरफ्तार किया।

पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया

कि दोनों आतंकवादी सहयोगियों के नाम सुहैब इकबाल मलिक और तुफैल यूसुफ मलिक है और दोनों शोपियां के बाबा मोहल्ला में रहते हैं।

शोपियां पुलिस ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने पोस्ट किया, शोपियां पुलिस, 44 आरआर और 14बीएन सीआरपीएफ द्वारा मलिक चेक क्रॉसिंग पर संयुक्त नाका चेकिंग के दौरान दो आतंकवादी सहयोगियों को आपत्तिजनक सामग्री के साथ पकड़ा है। पुलिस ने कहा, उनके कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गयी है। उन्होंने कहा कि हीरपोरा थाना में दोनों के खिलाफ कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

इंडी गठबंधन सत्ता में आया तो फिर से लौटेगा आतंकवाद का दौर : योगी

कानपुर और अकबरपुर लोकसभा सीटों के लिए हुई चुनावी जनसभा

कानपुर, 11 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि अगर इंडी गठबंधन सत्ता में आता है तो देश में एक बार फिर आतंकवाद और नक्सलवाद का दौर शुरू हो जाएगा। उन्होंने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि संविधान संशोधन का डर फैलाने वाली कांग्रेस ने सबसे पहले भारतीय संविधान में संशोधन करते हुए अभिव्यक्ति की आजादी को रौंदने का कार्य किया था। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि सपा के एजेंडे में अयोध्या का विकास नहीं, बल्कि अयोध्या में आतंकी हमला करने वाले आतंकवादियों के मुकदमे वापस लेना था।

सीएम योगी शनिवार को यहां छावनी विधानसभा क्षेत्र में कानपुर और अकबरपुर लोकसभा सीटों के लिए चुनावी जनसभा को

संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां कानपुर से पार्टी प्रत्याशी रमेश अवस्थी और अकबरपुर से बीजेपी प्रत्याशी देवेन्द्र सिंह भोले के लिए जनता से वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि कानपुर को मां गंगा के आशीर्वाद से उर्वरता और उद्यमिता का वरदान मिला है। ये क्रांति धरा होने के साथ ही देश के विकास की ऊर्जा की भूमि भी है। चौथे चरण में कानपुर की जनता को निर्णय लेना है। आज पूरे देश में एक ही स्वर गूंज रहा है फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। 400 पार में कानपुर और अकबरपुर की सीटें भी शामिल होंगी।

सीएम योगी ने कहा कि बीते 10 साल में मोदी जी ने बिना रुके, बिना थके और बिना डिगे देश की अहर्निश सेवा की है। हर व्यक्ति इस बात को मानता है कि मोदी जी ने देश को दुनिया में सम्मान दिलाया है, हमारी सीमाओं को सुरक्षित किया है, विकास को गति दी है, गरीब कल्याण के साथ ही नागरिकों के जीवन में परिवर्तन किया है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन नकारात्मक राजनीति के कारण अपनी विश्वसनीयता खो रहा है। इनको पाकिस्तान के हितों की चिंता होती है। इनको आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या के समाधान की नहीं आतंकियों पर दायर मुकदमों को वापस लेने की चिंता होती है। इनकी चिंता थी कि जैसे भी हो अयोध्या में राममंदिर का निर्माण न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले देश में आतंकी विस्फोट में निर्दोष लोग और जवान शहीद होते थे। अब ये नहीं हो सकता, क्योंकि मोदी सरकार ने आतंकवाद की नाभी पर प्रहार किया है। ये नया भारत छेड़ता नहीं, मगर कोई छेड़ता है तो छोड़ता भी नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि आज कानपुर में हाईवे, एक्सप्रेस वे, मेट्रो के साथ ही डिफेंस कॉरीडोर बन रहा है। नमामी गंगे के क्षेत्र में हुए कार्य का लाभ कानपुर को सर्वाधिक प्राप्त हुआ है। कानपुर के सीसामऊ और जाजमऊ में गंगा की धारा को अविरल निर्मल करने में भाजपा सरकार को सफलता मिली है।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, महापौर प्रमिला पांडेय, सांसद सत्यदेव पचौरी, अकबरपुर के सांसद और पार्टी प्रत्याशी देवेन्द्र सिंह भोले, कानपुर से बीजेपी प्रत्याशी रमेश अवस्थी, विधायकगण महेश त्रिवेदी, सुरेन्द्र मैथानी, सलिल विश्नोई और अविनाश सिंह सहित अन्य गणमान्य शामिल रहे।

मौलाना शहाबुद्दीन का बेबाक बयान

मुसलमानों को डरा रहे अखिलेश और फारूक अब्दुल्ला

बरेली, 11 मई (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के चलते रोजाना नए मुद्दे खड़े हो रहे हैं। सियासी दलों से जुड़े लोग मुसलमानों को डराने में लगे हुए हैं। इनमें खास तौर पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और सपा प्रमुख अखिलेश यादव हैं। मौलाना ने कहा कि ये दोनों नेता अपनी चुनावी सभाओं में मुसलमानों को डराने का काम कर रहे हैं। भारत में मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं।

उन्होंने कहा कि देश की तरक्की और आजादी में मुसलमानों का भरपूर योगदान रहा है। जो लोग संविधान और लोकतंत्र को खत्म करने की बात कर रहे हैं, वे लोग ख्वाब की जिंदगी जी रहे हैं। हमारा संविधान डॉक्टर भीमराव आंबेडकर का बनाया हुआ है, जो मजबूत बुनियादों पर कायम है। संविधान को कोई भी व्यक्ति या सरकार नहीं बदल सकती है। इसलिए देश की व्यवस्था संविधान के मातहत है। संविधान ही एक ऐसी किताब है जिसमें सभी धर्मों के लोगों को एक साथ जोड़ रखा है। मौलाना ने कहा कि चुनाव में कुछ पार्टियों के लोग लोकतंत्र को खत्म करने का शोर मचा रहे हैं। मगर उन लोगों को ये सोचना चाहिए कि भारत की खूबसूरती लोकतंत्र से है। जब लोकतंत्र हीं नहीं होगा तो भारत की खूबसूरती भी खत्म हो जाएगी। इसका नुकसान कितना बड़ा होगा उसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैं दावे से कहता हूं कि भविष्य में भी 500 साल तक कोई ऐसी ताकत नहीं आने वाली है जो भारत के लोकतंत्र को खत्म कर सके।

शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि जो लोग संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ का नारा लगाकर मुसलमानों को डराना चाहते हैं, वे गलतफहमी में हैं। मुसलमान इन तमाम बातों को खूब समझता है। सिर्फ खुदा के अलावा किसी से नहीं डरता। फारूक अब्दुल्ला और अखिलेश यादव अपनी चुनावी सभाओं में मुसलमानों को डराने का काम कर रहे हैं। कहते हैं संविधान खतरे में है, लोकतंत्र खतरे में है और मुसलमान खतरे में है। इन लोगों को इस तरह बातें बंद कर देना चाहिए। मुसलमान तो सिर्फ खुदा और रसूल से डरता है। इन नेताओं की बातों से मुसलमान डरने वाला नहीं है। चुनाव के परिणाम जो भी हों, हम उनका सामना करने के लिए तैयार हैं

सपा के पूर्व विधायक बाबा दुबे ने पार्टी से दिया इस्तीफा

जौनपुर, 11 मई (एजेंसियां)। जौनपुर जिले के बदलापुर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक बाबा दुबे ने सपा से त्यागपत्र दे दिया है।

इसका कारण उन्होंने लोकसभा चुनाव में विपरीत विचारधारा वाले प्रत्याशी को मैदान में उतरने को बताया। उन्होंने त्यागपत्र में लिखा कि मेरे निजी व राजनीतिक सिद्धांतों के विपरीत होने के कारण किसी भी व्यक्ति का समर्थन या प्रचार ना ही पूर्व में कभी करना स्वीकार किया, नहीं वर्तमान में करना स्वीकार करूंगा। इसलिए समाजवादी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता त्याग रहा हूं। यह पत्र उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नाम लिखा है।

बाबा दुबे वर्ष 2012 में बदलापुर विधानसभा क्षेत्र से पहली बार सपा के टिकट पर चुनकर विधानसभा पहुंचे थे। उनकी गिनती बड़े उद्योगपतियों में होती है। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन का पहला चुनाव वर्ष 2004 में जौनपुर लोकसभा क्षेत्र से बसपा के टिकट पर लड़ा था, जिसमें उनको सपा के पारसनाथ यादव से हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा उन्होंने 2009 में रारी में हुए विधानसभा का उपचुनाव सपा के टिकट पर लड़ा। फिर सपा के ही टिकट पर 2012, 2017, 2022 का चुनाव लड़े लेकिन सफलता सिर्फ 2012 के चुनाव में मिली।

कन्नौज के इत्र में बदबू फैलाती थी समाजवादी पार्टी: योगी

कन्नौज के भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक के लिए योगी ने की जनसभा

कन्नौज, 11 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कन्नौज में अखिलेश यादव को खूब खरी सुनाई। बोले कि वे कन्नौज से चुनाव इसलिए लड़ रहे हैं कि इंडी गठबंधन को यहां प्रत्याशी नहीं मिल रहा था। पहला को टिकट दिया, फिर उसका टिकट काट दिया। दूसरे को दिया तो वह मैदान छोड़कर भाग गया। तीसरे की घोषणा की तो वह मना कर दिया। जब कोई नहीं मिला तो सपा अध्यक्ष कह रहे हैं कि सेवा करना चाहता हूं। जब मौका था, तब कन्नौज की इत्र में बदबू फैलाने का काम कर रहे थे। हर दूसरे दिन यूपी में दंगा कराते थे। इनके शासन में बेटियों-व्यापारियों की सुरक्षा से खिलवाड़ होता था। गरीबों के हकों पर डकैती पड़ती थी। मुख्यमंत्री आवास बुलाकर दंगाइयों का महिमामंडन करते थे, लेकिन अब नए भारत का नया उप्र दंगाइयों व कर्फ्यू लगाने वालों से कैसे निपटता है, यह आप भी देख रहे होंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को करिया झाला का मैदान झींझक, रसूलाबाद में आयोजित जनसभा में अपनी बातें रखीं। उन्होंने कन्नौज के सांसद व 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक को फिर से दिल्ली भेजने की अपील की। सीएम ने आमजन से आह्वान किया कि घर-घर जाकर कहिए कि हमें रामभक्त चाहिए, रामद्रोही नहीं। सीएम योगी ने कहा कि नए भारत में सुरक्षा, गरीब कल्याण, विकास, विरासत और आस्था का सम्मान है।

सपा रामभक्तों पर गोली चलाती थी, आतंकियों के मुकदमे वापस लेती थी और भाजपा राम मंदिर बनवाती है। आपने वोट देकर भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली व लखनऊ सरकार को चुना है, इसलिए आपके योगदान की बदौलत अयोध्या में 500 वर्ष के बाद भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। प्रभु ने इस अंतराल के बाद अपनी जन्मभूमि पर होली खेली, जन्मोत्सव मनाया और उनका सूर्य तिलक भी हुआ। नई अयोध्या के दर्शन कर यह लोक धन्य हुआ। पूर्वजों की आस और संकल्प को हमने अपनी आंखों के सामने पूरा होते भी देख लिया।

सीएम ने कहा कि नया भारत केवल बोलता ही नहीं, करके दिखाता भी है। भाजपा ने कहा था कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएंगे। तब सपा के लोग रामभक्तों पर गोलियां चलाते थे और बोलते थे कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता। इनके समय में अयोध्या में आतंकी हमला हुआ था। सीएम ने कहा कि कांग्रेस ने देश और सपा ने यूपी की जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया। दोनों एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं, फिर मिलकर जोर आजमाइश करना चाहते हैं। अब मोदी जी के आत्मनिर्भर व विकसित भारत के निर्माण के संकल्प से जुड़ने का अवसर आ गया है। कांग्रेस अपने और सपा सैफई परिवार को धन-संपदा से परिपूर्ण करने के लिए मैदान में है तो भाजपा राष्ट्रहित के लिए चुनाव लड़ रही है। भाजपा का संकल्प देश के लिए है। हम लोग वर्तमान व भावी पीढ़ी का भविष्य उज्ज्वल बनाना चाहते हैं। यह केवल चुनाव नहीं, बल्कि भारत की तकदीर व तस्वीर बदलने के लिए मोदी जी के नेतृत्व में हुए अहर्निश प्रयास को नई गति देकर बढ़ाने का प्रयास है।

सीएम ने कहा कि सपा सरकार में प्रदेश में हर तीसरे दिन दंगे होते थे। अराजकता चरम पर थी। गुंडागर्दी का आलम यह थी कि प्रदेश की बेटियां रिश्तेदारों या छात्रावास में जाकर रहने को विवश होती थीं, लेकिन नए भारत का नया उप्र कहता है कि माफिया-अपराधी के लिए प्रदेश की धरती पर कोई जगह नहीं है। माफिया-अपराधियों को उनकी जगह बता दी गई है, फिर भी सपा की संवेदना माफिया के साथ है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिष्टाचार होता है।

मुलायम सिंह यादव के निधन पर मैं व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष गए थे। प्रधानमंत्री ने संवेदना भी व्यक्त की थी। वहीं अखिलेश यादव ने रामभक्त, पूर्व मुख्यमंत्री-राज्यपाल कल्याण सिंह की मृत्यु पर संवेदना तक नहीं व्यक्त की, लेकिन माफिया की मौत पर मातम मनाने गए थे। इनकी संवेदना राम मंदिर, भारत, रामभक्तों, आमजन के प्रति नहीं, बल्कि माफिया, भारत के खिलाफ वक्तव्य देने वालों के प्रति है।

सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ रामभक्त तो दूसरी तरफ रामद्रोही हैं। रामद्रोही भारत और आमजन के खिलाफ षडयंत्र रह रहे हैं। रामभक्त मोदी जी की सरकार के साथ नया इतिहास बनाना चाहते हैं। रामभक्त भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत, विकसित, आत्मनिर्भर और खुशहाल भारत बनाना चाहते हैं। दिल्ली में मोदी जी के नेतृत्व में नया भारत आत्मनिर्भर व विकसित बनेगा। उत्तर प्रदेश में भी विकास की असीम संभावनाएं हैं। उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भारत की इकॉनमी के ग्रोथ इंजन के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करेगा।

जनसभा में सांसद व भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक, प्रदेश सरकार के मंत्री राकेश सचान, असीम अरुण, संदीप सिंह, विधायक पूनम शंखवार, भाजपा कानपुर देहात के जिला प्रभारी अशोक राजपूत, कानपुर देहात के जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला, नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राजू, नगर पालिका अध्यक्ष झींझक अमित तिवारी, पूर्व विधायक निर्मला शंखवार आदि की मौजूदगी रही।

पूर्वांचल में एनडीए के सामने प्रदर्शन दोहराने की चुनौती

पिछड़ेपन का दाग लेगा भाजपा का इम्तिहान

वाराणसी, 11 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल का चुनावी मैदान रण के लिए तैयार हो चुका है। आठ मंडलों की 25 लोकसभा सीटों में से 21 पर राजग का कब्जा है। काशी विश्वनाथ, विंध्य कॉरिडोर और हाईवे का जाल बिछने के बाद यह पहला लोकसभा चुनाव है। भाजपा के सांस्कृतिक सरोकारों से जुड़े सबसे ज्यादा बिंब भी इसी इलाके में हैं। पूर्वांचल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाता भी इसी क्षेत्र से है। विकास की रफ्तार तो बढ़ी है, पर पिछड़ेपन का दाग अब भी पूरी तरह से नहीं धुल पाए हैं। ऐसे में भाजपा का सबसे बड़ा इम्तिहान होगा।

सबसे पहले विकास की बात। प्रयागराज से वाराणसी और वाराणसी से गोरखपुर तक हाईवे का जाल बिछा है। औद्योगिक इकाइयां भी लग रही हैं। पर्यटन उद्योग फला-फूला है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनने के बाद 15

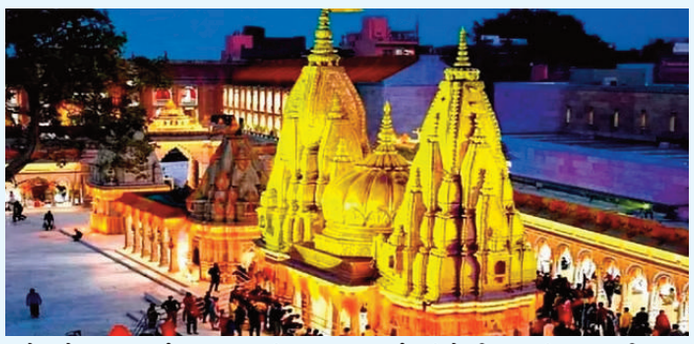

करोड़ से ज्यादा पर्यटक वाराणसी आए हैं। पर, पूर्वांचल के करीब 10 लाख बुनकरों की समस्या जस की तस है। वाराणसी, भदोही, मऊ, आजमगढ़, गाजीपुर, गोरखपुर और संतकबीरनगर के बुनकर कहते हैं, सब तरफ विकास दिख रहा है, लेकिन रोजगार का बड़ा द्वार खोलने वाला बुनकर उद्योग लड़खड़ा गया है। फ्लैट रेट पर बिजली नहीं मिल पा रही है। कच्चा माल मिलने में दिक्कत आ रही है।

वाराणसी के साथ ही प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर और आजमगढ़ से विमान उड़ान भर रहे हैं। पर, आजमगढ़ के खिरिया गांव के किसान लंबे समय से एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण का विरोध कर रहे हैं। सोनभद्र में भी हवाई पट्टी के लिए जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। वाराणसी एयरपोर्ट के विस्तार, ट्रांसपोर्टनगर और आवास विकास परिषद की चार परियोजनाओं के जमीन अधिग्रहण का विवाद है। गोरखपुर के सरदारनगर की बंद चीनी मिल का न खुलना भी लोगों को अखर रहा है।

गोरखपुर के डॉ. संतोष सिंह कहते हैं, स्वास्थ्य सेवाओं का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हुआ है। पिछड़े जिलों में मेडिकल कॉलेज बन गए हैं। सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं शुरू हुई हैं। गोरखपुर के एम्स में इलाज मिल रहा है। पर, विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी की चुनौती बरकरार है। वहीं, प्रयागराज की स्वास्थ्य सेवाओं में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिला है। वाराणसी के लहरतारा की आरती मिश्रा चुनावी मुद्दों के सवाल पर कहती हैं, काशी में विकास दिख रहा है। एयर कनेक्टिविटी मजबूत हुई है। औद्योगिक इकाइयां स्थापित हुई हैं। अभी भाजपा से बेहतर विकल्प नहीं दिख रहा है। पर, मैदागिन इलाके के रत्नाकर त्रिपाठी सवाल उठाते हैं। वह कहते हैं, काशी को क्योटो बनाने का वादा था, लेकिन जाम से निजात नहीं मिल पा रही है।

चंदौली नियमताबाद के अजय यादव कहते हैं, 2019 के चुनाव में भाजपा के जीत का अंतर बहुत कम था। विपक्षी गठबंधन में सीट सपा के पास है। वह मजबूती से चुनाव लड़ रहा है। चंदौली सिटी के अजीत सिंह इस दलील से इत्तफाक नहीं रखते। वह कहते हैं, पिछला गठबंधन सपा और बसपा के बीच था। गाजीपुर में जखानियां क्षेत्र के राम निवास वर्मा और उनकी पत्नी दिलराजी चुनावी माहौल पर कहती हैं, कोरोना काल से ही राशन मिल रहा है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। जो खाने के लिए दे रहा है, उसे समर्थन देंगे। वहीं, शमशाद अहमद का कहना है कि यहां गठबंधन का जोर है। जौनपुर के कलवारी के आकाश मिश्रा सन्नी कहते हैं, यह चुनाव 2019 से अलग है। इस बार सपा और कांग्रेस में गठबंधन है। इसका कोई खास फायदा विपक्ष को नहीं मिलेगा। वहीं, तेजी बाजार के अशोक नायर ने कहा कि गठबंधन दमदारी से चुनाव लड़ता दिख रहा है।

वाराणसी मंडल के चार जिलों में पांच सीटें-वाराणसी, चंदौली, गाजीपुर, जौनपुर और मछलीशहर हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में गाजीपुर से बसपा प्रत्याशी रहे अफजाल अंसारी (अब सपा में) को जीत मिली थी। जौनपुर में भी बसपा को जीत मिली थी। तीन सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। आजमगढ़ मंडल के तीन जिलों में चार सीटें-आजमगढ़, लालगंज-सुरक्षित,बलिया और घोसी हैं। बलिया छोड़ दी जाए तो भाजपा को 2019 के चुनाव में तीन सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि आजमगढ़ में हुए लोकसभा उपचुनाव में भाजपा ने जीत हासिल की थी। मिर्जापुर मंडल के तीन जिलों में तीन सीटें-रॉबर्ट्सगंज, मिर्जापुर और भदोही हैं। पिछले चुनाव में भाजपा की सहयोगी अपना दल एस के खाते में दो सीटें-रॉबर्ट्सगंज और मिर्जापुर गई थीं। भदोही से भाजपा को जीत मिली थी।

स्मृति ईरानी के लिए वोट मांग रहा सपा विधायक का परिवार

अमेठी, 11 मई (एजेंसियां)। अमेठी का सियासी रण दिलचस्प होता जा रहा है। अमेठी की सपा विधायक महराजी प्रजापति का परिवार केंद्रीय मंत्री व भाजपा प्रत्याशी स्मृति जूबिन ईरानी के लिए वोट मांग रहा है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक गलियारे में इसके नफा नुकसान को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

अमेठी से भाजपा ने स्मृति जूबिन ईरानी को चुनाव मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस-सपा गठबंधन से किशोरी लाल शर्मा चुनावी समर में है। दोनों तरफ से राजनीतिक दांवपेंच चल रहे हैं। इसी बीच एक बड़े सियासी घटनाक्रम में शुक्रवार की देर शाम भादर के घोरहा में एक चुनावी जनसभा में भाजपा के मंच पर सपा विधायक महराजी प्रजापति का पूरा परिवार स्मृति जूबिन ईरानी के साथ खड़ा दिखा।

विधायक की बेटी अंकिता प्रजापति ने मंच से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। कहा कि जिस तरह से आपने हमारा साथ दिया उसी तरह का साथ स्मृति ईरानी को दीजिए। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से हाथ उठवाकर इसकी तस्दीक ली। जवाब में जनता ने जय श्रीराम का नारा लगाया। इस मौके पर परिवार के अन्य सदस्य भी साथ में थे। हालांकि सपा विधायक महराजी प्रजापति स्वयं चुनावी समर से दूरी बनाए हुए हैं लेकिन परिवार के भाजपा का प्रचार करने को लेकर सियासी गहमागहमी तेज हो गई है।

वर्ष 2012 के चुनाव में गायत्री प्रसाद प्रजापति पहली बार सपा से विधायक बने। इसके बाद वह सरकार में मंत्री बना दिए गए। 2017 में भी सपा ने उन्हें चुनाव मैदान में उतारा था लेकिन वह भाजपा की गरिमा सिंह से पराजित हो गए थे। बाद में 2022 में उनकी पत्नी महराजी प्रजापति ने सपा के टिकट पर जीत दर्ज की। फरवरी 2024 में राज्यसभा चुनाव में सपा विधायक ने बीमारी का हवाला देकर वोट नहीं दिया था। इसके बाद से सियासी गलियारे में तरह-तरह की चर्चा चल रही थी।

काम के हैं कार में आने वाले ये फीचर्स...

हर बढ़ते सेकेंड के साथ टेक्नॉलोजी में भी चौतरफा विकास हो रहा है। गाड़ियों में भी अब नए फीचर्स आ रहे हैं और इन फीचर्स का इस्तेमाल करना अब एक तरह से समय की मांग बन चुका है। जानते हैं ऐसे ही कुछ फीचर्स के बारे में जिन्हें आप अपनी कार में लगाकर बेहतर और सेफ ड्राइव का मजा ले सकते हैं।

रिवर्स कैमरा

अमूमन सभी लोगों को गाड़ी रिवर्स करने में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में रिवर्स कैमरा इस काम में काफी मददगार साबित हो रहा है। यह फीचर अभी से ही कई गाड़ियों में आने लगा है। कैसरा के जरिए कार के डैशबोर्ड में लगी स्क्रीन पर आपको तस्वीरें साफ नजर आती हैं। इससे गाड़ी को रिवर्स करने में भी आसानी होती है और यह सेफ्टी के लिहाज से भी बेहतरीन है। इस फीचर का खर्चा लगभग 5000 रुपये तक का होता है।

टायर प्रेशर सेंसर

कार का टायर का पन्चर होना हमें सबसे ज्यादा परेशान करता है। ट्यूबलेस टायर्स के भी पंचर होने की संभावना बनी रहती है। ऐसे में टायर सेंसर फीचर बहुत कारगर साबित होगा। इसके जरिए टायर की हेल्थ को आप खुद मॉनिटर कर पाएंगे और अगर कहीं उसके पन्चर होने के हालात होंगे तो इसकी जानकारी आपको पहले से ही मिल जाएगी। यह फीचर कुछ कार्स में कंपनी की तरफ से ही दिया जाता है। वहीं जिनकी कार में यह नहीं है वे इस लगभग 10 हजार रुपये तक खर्च करके लगवा सकते हैं।

ऑटोमैटिक वाइपर्स और हेडलैंप्स

यह फीचर भी अब ज्यादातर गाड़ियों में आने लगे हैं। सेंसर्स बारिश और अंधेरे को भांप लेते हैं जिसके जसके बाद वह अपने आप चालू हो जाते हैं।

एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट

इंफोटेनमेंट सिस्टम्स अमूमन सभी गाड़ियों में आते हैं लेकिन बहुत कम ही अच्छी सर्विस दे पाने में अभी तक कामयाब हो सके हैं। एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले आपकी गाड़ी के इस फीचर को बेहतर बना सकते हैं। यह दोनों ही वॉइस कंट्रोल के जरिए कार के नेविगेशन, म्यूजिक, कॉलिंग और मेसेजिंग फीचर्स को डैशबॉर्ड या कार के सिस्टम से ऑपरेट करने में अच्छी सुविधा देता है।

गियर शिफ्ट इंडिकेटर

सही स्पीड पर सही गेयर लगाना बेहद जरूरी है। ऐसा नहीं करने से आपकी कार के खराब होने के चान्स बढ़ जाते हैं। गियर शिफ्ट इंडिकेटर आपकी इसी काम में मदद करता है कि आपको कितनी स्पीड पर कौनसे गेयर की जरूरत है।

डोर ओपन अलर्ट

आपकी सेफटी के लिए यह बेहतद जरूरी है कि आप कार का दरवाजा लॉक रखें। यह फीचर किसी मामूली डोर इंडिकेटर की तरह नहीं होगा। इसमें आपको सभी दरवाजों के खुले होने का पता रहेगा और आप सीधे उस डोर को लॉक कर सकेंगे।

टर्न हेडलैंप्स

ये हेडलैंप्स स्टीयरिंग व्हील को दाएं या बाएं घुमाने पर उसके मुताबिक ही घूमती हैं। यह फीचर उन रास्तों पर कार चलाने में काफी सुविधा और सुरक्षा देता है जहां रात के समय सड़कों पर लाइट्स नहीं होती। इसके अलावा पहाड़ी रास्तों पर भी गाड़ी चलाने में यह काफी मददगार साबित हो सकते हैं।

जिंदगी का अनुशासित और सुचारु रूप...

नैतिक मूल्यों का आचरण ही इंसान का धर्म है। धर्म वह पवित्र अनुष्ठान है जिससे हमारे अंदर रही विकृतिओं का शुद्धिकरण होता है। धर्म वह तत्व है जिसके आचरण से व्यक्ति अपने जीवन को सही रास्ते पर चला पाता है। कर्म–कौशलता व्यवस्था–परिवर्तन वैज्ञानिक व तकनीकी विकास परिश्रम तथा निष्ठासह जीवन ही धर्म है। धर्म संप्रदाय नहीं है वरन अनुशासित जीवन हेतु बनाई गई एक व्यवस्था है। धर्म के ठेकेदारों ने संसार के प्रत्येक क्रियाकलाप को ईश्वर की इच्छा बता कर ए मनुष्य को ईश्वर के हाथों की कठपुतली बना कर रख दिया। इसका परिणाम ये हुआ कि इंसान की सारी मुसीबतों का कारण भाग्य अथवा ईश्वर की मर्जी ही है य इस भ्रमित कथन का चलन शुरु हो गया। बेवजह ही इंसान भाग्यविधाता के रुप में धर्म की जो व्याख्य धर्म के ठेकेदारों ने दिखाई उसी कथित मार्ग पर चल पड़ा। गलत कामों से पाप होता है और उस के कारण नरक मिलता है तथा अच्छे कर्मों से पुण्य मिलने पर स्वर्ग मिलता है की परिपाटी चल पड़ी। उन्होंने व्यक्ति के जीवन की आफतों को उसके ही कर्म से जोड़ दिया। अपने स्वार्थ के लिये उन्होंने पुरुषार्थवादी मार्ग के मुख्यद्वार पर ही ताला लगा दिया। इसकी परिणति यह हुई कि धर्म के ठेकेदारों ने इंसान की मुशीबतों को य उसकी नियति करार दे दिया और मनुष्य स्वयं भाग्यवादी बनकर अपनी सुख.दु:खात्मक स्थितियों से सन्तोष करता रहा। धीरे–धीरे धर्म की व्याख्या ही बदल गई।

होम ट्रीटमेंट

ऐसे करें डबल चिन की समस्या को दूर...

बढ़ते वजन के कारण शरीर के हर हिस्से में फैट जम जाती है। इसका असर चेहरे पर भी दिखने को मिलता है। ठुडड़ी के नीचे जमने वाली अधिक चर्बी को डबल चिन का नाम दिया जाता है। डबल चिन की वजह से चेहरा भद्दा सा लगने लगता है। इसी के साथ चेहरे की खूबसूरती भी फिकी पड़ जाती है। इसे छिपाने के लिए लोग बहुत से ट्रीटमेंट करवाते हैं लेकिन इनके कई नुकसान भी होते हैं। कुछ घरेलू तरीके आजमा कर और अपनी कुछ आदतों में बदलाव करके आसानी से डबल चिन की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

विटामिन ई

डाइट में विटामिन ई से भरपूर चीजों को इस्तेमाल करें जैसे ब्राउन राइस, डेयरी प्रॉड्क्ट, नट्स, बींस, सोया आदि। इनके सेवन से शरीर के साथ–साथ ठुडड़ी की चर्बी भी दूर होती है।

शुगर फ्री च्यूइंग गम

च्यूइंग गम चबाने से आपके जबड़ों की वर्जिश होती है और ठुडड़ी के नीचे जमी फैट बर्न होती है। शुगर फ्री च्यूइंग गम का इस्तेमाल करें।

मसाज

रात को सोने से पहले किसी लोशन या तेल से ठुडड़ी की मसाज करें। मसाज करते समय ध्यान रखें कि हाथों को ऊपर की दिशा में ले जाएं। ज्यादा वजन होने के कारण कम वसा और कार्बोहाइड्रेट वाली चीजों का सेवन करें। रोजाना व्यायाम करें।

नेक एक्सरसाइज

डबल चिन को दूर करने के लिए एक्सरसाइज करें। गर्दन को गोलाई में चारों ओर घुमाएं। इस व्यायाम को धीरे–धीरे 10 बार करें।

सेल सीजन में खुद को लुटने से बचाना है तो यूं करें प्लानिंग

यह एक मौका होता है अपनी पसंद का सामना कम दाम में खरीदने का. लेकिन कई बार सेल के चक्कर में हम इतनी खरीददारी कर लेते हैं कि बाद में पछताना पड़ता है. सारी बचत और सेलेरी इस सीजन में कहां छू कर दी जाती है इस बात का अंदाजा बस कमरे में कपड़ों से भरी पड़ी अलमारी ही दे सकती है.

सेल सीजन शुरू हो गया है. हर तरफ सेल ही सेल के ऑप्शन हैं. कहीं इसे सीजन सेल कहा जा रहा है, तो कही रीजन सेल. इससे हमें क्या, हमारे लिए तो जो मैटर करता है वह एक ही शब्द है– सेल. जी हां, इस सीजन में ज्यादातर शॉपिंग के शौकीन कुछ ऐसा ही सोचते हैं. यह एक मौका होता है अपनी पसंद का सामना कम दाम में खरीदने का. लेकिन कई बार सेल के चक्कर में हम इतनी खरीददारी कर लेते हैं कि बाद में पछताना पड़ता है. सारी बचत और सेलेरी इस सीजन में कहां छू कर दी जाती है इस बात का अंदाजा बस कमरे में कपड़ों से भरी पड़ी अलमारी ही दे सकती है. अगर आपके साथ ही हर सीजन सेल के दौरान यही होता है, और सेल के बाद आपको लुटा–लुटा सा महसूस होता है, तो आपको जरूरत है सेल के दौरान शॉपिंग की प्लानिंग करने की. क्या सोच रहे हैं कि यह प्लानिंग कैसे करती है!

विश लिस्ट बनाएं

सबसे जरूरी है कि सेल का नाम सुनते ही आप बस बैग उठाकर खरीददारी करने न चल दें. सबसे पहले अपनी एक विश लिस्ट बनाएं. देखें कि आपको किन चीजों की जरूरत है और किनकी नहीं. जरूरी चीजों की एक लिस्ट बना लें और उसी सेक्शन में जाकर शॉपिंग करें.

दोस्तों को साथ ले जाएं

दोस्तों को साथ लेकर जाना बचत का एक अच्छा ऑप्शन है. इसकी वजह यह है कि ऐसे में आप शोरूम में बिताने वाला समय डिवाइड कर देंगे. जहां अकेले जाने पर सारा टाइम आप सिर्फ अपने लिए शॉपिंग करते वहीं दोस्तों के साथ जाने का फायदा यह होगा कि शॉपिंग के दौरान उसी समय में आप सिर्फ अपने लिए नहीं दोस्तों के लिए भी चीजें पिक कर रहे होंगे. इससे आपका शॉपिंग बैग बड़ा होने से बच जाएगा.

रिटर्न पॉलिसी करें चैक

कई बार हम यह सोचकर सामान ले लेते हैं कि सस्ता है घर जाकर ट्राई करेंगे. ठीक नहीं आया तो बदल लेंगे. अगर आप भी ऐसा ही सोचकर शॉपिंग करते हैं,तो पहले रिटर्न पॉलिसी चैक कर लें. कहीं लेने के देने न पड़ जाएं.

बजट के रूल न तोड़ें

सबसे जरूरी है कि आप अपना एक बजट तय करें. यह न हो कि इस महीने की बचत का सारा पैसा आप शॉपिंग पर खर्च कर चुके हों और उसके बाद क्रेडिट कार्ड का नंबर लगा दें. अंत में बिल आपको ही भरना होगा इस बात को याद रखें.

सब्र रखें

सेल का मतलब है कि आप अपना जरूरी सामान कुछ कम दामों में खरीद सकते हैं. यहां मिलने वाला सामान फ्री नहीं है. इसलिए सब्र रखें और जरूरत का सामना ही खरीदें.

रिश्तों को कैसे बनाएं बेहतर?

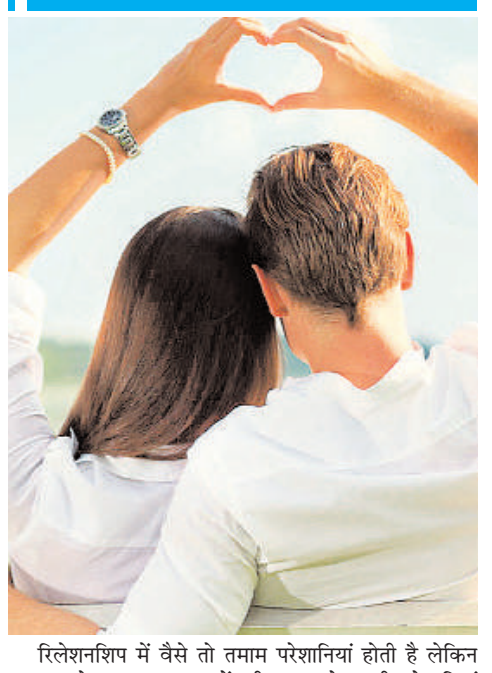

रिलेशनशिप में वैसे तो तमाम परेशानियां होती है लेकिन अक्सर दो प्रमुख समस्याओं की वजह से बाकी परेशानियां शुरू होती हैं। पहला तो ये कि कुछ लोग ऐसे होते हैं जो दूसरों के बारे में बिल्कुल भी नही सोचते हैं। खासकर अपने पार्टनर के बारे में वह नही सोचते हैं। वह उसकी जरूरत और भावनाओं की कद्र नही करते हैं। ऐसे लोग सेल्फ फोकस्ड ज्यादा होते हैं। इससे आपका पार्टनर फ्रटेशन में आ जाता है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि आप खुद के साथ साथ अपने लाइफ पार्टनर को भी समझें। उसे भरोसे में लें। यदि आप ऐसा नही करते हैं तो रिश्ते कभी भी बेहतर नही हो पाएंगे। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने रिश्ते को संभालें और पार्टनर को पूरा सम्मान दें। क्यों कि कोई भी व्यक्ति कभी अकेला नही रह सकता है। उसे किसी न किसी लाइफ पार्टनर की जरूर पड़ती है। उन्हें प्यार की जरूरत पड़ती है। यदि यही प्यार के बजाए कड़वाहट घुल जाए तो रिश्ते ज्यादा दिन तक नही चल पाते हैं।

इन फलों के छिलकों को फैंके नहीं इस तरह करें इस्तेमाल

फल खाने के बाद अक्सर इनके छिलकों को फैंक दिया जाता है लेकिन इन्हें फैंकने की बजाए घर को सजाने और लजीज व्यंजन बनाने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। सिर्फ फल ही नहीं, अंडों और खजूर की गिटकों से भी खाने–पीने की चीजें बनाई जा सकती हैं। आइए जानिए बेकार छिलकों का कैसे इस्तेमाल किया जाए।

1. संतरे के छिलके

संतरे के छिलके से मोमबत्ती बना सकते हैं। इसके लिए संतरे को बीच में से काट लें और इस तरह से निकालें कि उसका छिलका खराब न हो। छिलके को एक कटोरी के रूप में अलग कर लें और इसके बीच में डोरी वाला धागा रख कर उसमें तेल डाल दें। अब इसे जला कर घर के किसी भी कोने में रख सकते हैं। यह मोमबत्ती का भी काम करेगा और इससे घर भी सुंगधित हो जाएगा।

2. आलू के छिलके

इन छिलकों को किसी पैन में रखें और उस पर थोड़ा–सा तेल, नमक और काली मिर्च डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इस पैन को 350 डिग्री तापमान पर आधे घंटे के लिए माइक्रोवेव में रखें। यह एक क्रिस्पी स्नैक्स बन जाएंगे जिन्हें शाम की चाय के साथ सर्व करें।

3. सेब के छिलके

सेब को खाने के बाद इसके छिलके और बीच वाले हिस्सों को फैंक दिया जाता है लेकिन इन्हें फैंकने की बजाए एक पैन में थोड़े–से पानी के साथ तब तक उबालें जब तक पानी का रंग लाल न हो जाए। अब इन छिलकों को बाहर निकाल लें और बचे हुए पानी में 1 कप चीनी मिलाकर एक उबाल आने दें। इसके बाद इसे किसी जार में डालकर रख लें और ठंडा होने पर जैम की तरह इस्तेमाल करें।

4. खजूर की गुठली

खजूर की गुठलियों को पैन में डालकर गहरा भूरा होने तक भूनें और मिक्सी में पीस कर इसका पाउडर बना लें। इस पाउडर को कॉफी की तरह इस्तेमाल करें।

5. अंडे के छिलके

अंडे के छिलकों को दो हिस्सों में तोड़ लें और एक–एक हिस्सा बेकिंग ट्रे में रखें। अब सभी अंडे के छिलकों में थोड़ा–थोड़ा तेल लगा दें। सभी छिलकों में केक का बैटर डालें और ऊपर से दूसरे छिलके से इसे बंद कर दें। इस ट्रे को 350 डिग्री पर 35 मिनट के लिए माइक्रोवेव में रखें। निकालने के बाद छिलकों में से अंडे के आकार के ही केक निकालें जो देखने और खाने दोनों में ही बहुत बढ़िया लगेंगे।

इन चमत्कारी तरीकों से हटाएं फ्लोर टाईल्स के दाग–धब्ब

घर छोटा हो या बड़ा उसकी साफ–सफाई का खास ध्यान रखना पड़ता है। आजकल ज्यादातर घरों में टाइल्स के फर्श ही होते हैं जो बहुत जल्दी गंदी हो जाती हैं। हल्के रंग की टाइल्स होने की वजह से उन पर धूल–मिट्टी दूर से ही चमकने लगती है। कई बार चाय–कॉफी या खाने की कोई चीज इस पर गिर जाए और उसी समय उसे साफ न किया जाए तो दाग रह जाते हैं। ऐसे में टाइल्स को मेंटेन रखना बहुत जरूरी है। आइए जानिए कुछ ऐसे ही आसान तरीकों के बारे में जिससे टाइल्स को ज्यादा मेहनत किए बिना ही हर समय चमकदार रखा जा सके।

पानी: फर्श को साफ रखने के लिए पानी सबसे जरूरी है। टाइल्स पर जमा धूल–मिट्टी को साफ करने के लिए उसे पर पानी डालें और झाड़ू से अच्छी तरह साफ करें।

ऑक्सीजन ब्लीच : सफेद टाइल्स को हर दम चमकदार बनाए रखने के लिए 1 बाल्टी पानी में 1 चौथाई बाल्टी ऑक्सीजन ब्लीच मिलाएं और इससे फ्लोर को स्क्रबर या ब्रश से साफ करें। इससे टाइल्स दूध की तरह चमकने लगेंगी।

सिरका : टाइल्स पर किसी भी तरह के दाग लग जाएं और उन्हें पानी से साफ करना मुश्किल हो तो ऐसे में सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए 1 मग गर्म पानी में आधा कप सिरका मिलाकर टाइल्स को साफ करें।

डिटर्जेंट पाउडर : रोजाना पौंछा लगाते समय पानी में थोड़ा–सा डिटर्जेंट मिलाएं और फिर इससे टाइल्स को साफ करें। इससे उनमें हमेशा चमक बनी रहेगी।

डिटर्जेंट पाउडर और अमोनिया : कई बार टाइल्स पर मोम गिर जाती है जिसे साफ करना मुश्किल होता है। इसके लिए 1 कप डिटर्जेंट में आधा कप अमोनिया का घोल मिलाएं और इसमें 1 जग पानी मिलाएं। इस मिश्रण को दाग वाली जगह पर लगाएं और कठोर ब्रश से रगड़ें। इससे मोम के दाग आसानी से हट जाएंगे और कोई निशान भी नहीं पड़ेंगे।

रेसिपी

आम के पकौड़े

सामग्री

1. छोटे–छोटे टुकड़ों में कटे हुए 2 कच्चे आम
2. दो कप बेसन
3. 3–4 चुटकी बेकिंग सोडा
4. आवश्कतानुसार लाल मिर्च
5. आवश्कतानुसार ऑयल
6. 2 चम्मच अजवाइन

विधि

सबसे पहले एक बड़े बाउल में बेसन, लाला मिर्च पाउडर, अजवाइन, बेकिंग सोडा और नमक और आवश्कतानुसार पानी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं, लेकिन ध्यान रखें कि यह पेस्ट ज्यादा पतला न हो। इसके बाद एक कढ़ाई में तेल डालकर धीमी आंच में गर्म करें। जब ये गर्म हो जाएं, तो आम के एक टुकड़े को फेटे हुए बेसन में डालकर कड़ाही में डालें और फ्राई कर लें। जब यह हल्के ब्राउन हो जाएं, तो इसे निकाल लें। आप पकौड़े बनकर तैयार है।

गुजराती भाकरवड़ी

सामग्री

1 कप मैदा, 1/4 कप बेसन, 1/4 कप सूखा नारियल (कद्दूकस किया हुआ), 1/4 कप तिल, 3 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, नमक स्वादनुसार, तेल आवश्यकतानुसार

विधि

सबसे पहले मैदे में नमक और 1 चम्मच तेल मिला लें। उसके बाद इसमें पानी डालकर इसे नर्म आटे की तरह गूंथ लें। गूंथने के बाद इसे 3 घंटे तक ढाक कर रख दें। अब एक अन्य कटोरे में सूखा नारियल, लाल मिर्च पाऊडर, तिल और नमक डाल लें। इन सारे मिश्रण को अच्छी तरह आपस में मिला लें। गूंथे हुए आटे की बड़ी और मोटी आकार में रोटी बेल लें। अब रोटी के ऊपर पहले से बनाया गया बेसन का मिश्रण डाल दें। रोटी को गोल करके रोल कर लें। (जैसे चटाई को रोल करते हैं। रोटी को लपेट कर 10 मिनट के लिए साइड में रख दें। अब रोटी को तेल में डिप फाई कर लें। तलने के बाद इसे अपने मनपंसद आकार में काट लें। आपके गुजराती भाकरवड़ी तैयार है।

कर लो तैयारी पूरी!!!

अभी कुछ दिनों पहले ही तो क्लासेज शुरू हुईं थीं और अब एग्जाम का भूत आ गया है। अरे भई! ये यूनिट टेस्ट के नाम से तो गुस्सा आता है। है न। पर यह सब तो आपकी तैयारी के लिए ही लिए जाते हैं। तो फिर घबराना कैसा? जैसे बूंद-बूंद से सागर भरता है, वैसे ही थोड़ी-थोड़ी तैयारी से पूरा सिलेबस याद हो जाता है। मालूम है आप सबने कर ही ली होगी तैयारी। पर दोस्तो, थोड़ा रिवीजन करना तो बनता है न। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ जाएगा...

परीक्षाओं का डर तो मन से जाता ही नहीं। वैसे आप सब जानते हैं, बच्चे से लेकर बूढ़े तक सबके मन में इस शब्द ने डर भर रखा है। तो आपका डरना लाजिमी ही है। वैसे अब तक टेस्ट में पूछा जाने वाला सिलेबस आपने रट ही लिया होगा। क्या?...अभी रिवीजन बाकी है। हम्मम...वैसे रिवीजन करने का समय भी तो आ ही गया है। पर रिवीजन करते क्यों है? आखिर क्या जरूरत है इसकी?...अरे! समझ गए भई। रिवीजन करना चाहिए। हम भी यही कह रहे हैं। पर रिवीजन के रीजन को समझने की कोशिश करते हैं और इसे सही तरीके से करने के बारे में भी कुछ बातें करेंगे।

रिवीजन के कायदे

1. **इंटरैक्टिव स्टडी**- रिवीजन करने बहुत सारे तरीके हैं। जो सबसे ज्यादा लोग करते हैं वो है, नोट्स को कई दफा पढ़ना। सबसे कारगर तरीकों में से एक है, इंटरैक्टिव स्टडी। यानी की एक टॉपिक पर दो या फिर दो से ज्यादा लोग चर्चा कर के उस टॉपिक को तैयार करें।

2. **डायग्राम और थ्योरी**- इसके अलावा जिन विषयों में डायग्राम बनाए जाते हैं, उनकी भी तैयारी की जाती है। इन विषयों में सबसे पहले नाम आता है- विज्ञान और गणित का। पर इनके अलावा अन्य विषयों में भी चार्ट आदि बनाने की तैयारी की जाती है। वहीं हेडिंग और अंडरलाइन होने वाले बिन्दुओं को भी याद करना चाहिए। इसके अलावा विभिन्न प्रकार के थ्योरियों को भी बारीबारी याद करना चाहिए।

3. **टाइम-टेबल बनाएं**- रिवीजन की शुरुआत में ही सब टाइम-टेबल बनाते हैं। इससे समय के अनुसार विषयों का विभाजन हो जाता है और सभी विषयों को समय दे पाते हैं। इस बार जब आप टाइम टेबल बनाएं तो उसे बड़े आकार की शीट पर बनाएं। इससे आपके साथ घर के अन्य लोग भी आपकी रूटीन से परिचित हो जाएंगे। और चूंकि सब जान जाएंगे, तो आप भी उसे पूरा करने के प्रति ज्यादा सजग होंगे।

4. **जल्दी से जल्दी**- रिवीजन की शुरुआत सुबह जितनी जल्दी कर सकें, करनी चाहिए। एक अंग्रेजी कहावत के अनुसार सबसे जल्दी उठने वाली चिड़िया को सबसे अच्छा भोजन मिलता है। इसका मतलब आप जितनी जल्दी अपनी तैयारी शुरू करेंगे, उतनी जल्दी ही इसे खत्म कर पाएंगे। दिन का टार्गेट पूरा हो जाएगा, तो बड़ी संतुष्टि मिलेगी।

इन सबके अलावा आप खेल के साथ भी कुछ तैयार कर सकते हैं। नहीं आया समझ में। कोई बात नहीं। इतिहास को याद करते वक्त आप दिन और वर्ष भूल जाते हैं। सच है न। इसे याद करने के लिए आप एक इतिहास के उस हिस्से का मंचन कर लीजिए। याद नहीं रहता। इसलिए जरूरी है ये मंचन का खेल। तो फिर कोई बाबर बन जाए और कोई लोधी का किरदार निभाए। इससे आप सबका मनोरंजन होने के साथ-साथ आपकी तैयारी भी हो जाएगी। है न कारगर उपाय।

तो फिर बैठिए मत। तैयारी कीजिए।

इसके फायदे

आपने जितना भी और जो भी पढ़ा है, वो आपको याद है भी या नहीं, इसकी जांच करना बेहद जरूरी है। इस जांच में आप अपने भाई-बहनों या फिर दोस्तों की भी मदद ले सकते हैं। अपने सिलेबस के किसी एक सब्जेक्ट का चयन करें और फिर अपने दोस्त या फिर भाई-बहन से कहें कि वो आपका छोटा-सा टेस्ट लें। इस टेस्ट में सफल होने पर आपके अंदर आत्मविश्वास खुद-ब-खुद ही आ जाएगा। वहीं कुछ टॉपिक्स को हम बहुत पहले पढ़ चुके होते हैं, तो यह सोच कर रह जाते हैं कि वो तो हमें याद ही है। लेकिन रिवीजन करते समय उन टॉपिक्स को भी दोहरा लिया जाता है। इससे आपकी तैयारी पुख्ता हो जाती है।

इस तरह करने से आपकी परीक्षा के लिए तैयार रहने की आदत पनप जाएगी और आप वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने में सफर रहेंगे।

एक केला हो जाए

टेनिस प्लेयर्स को जब ब्रेक मिलता है तो वो क्या करते हैं? कभी ध्यान दिया है। नहीं! कोई बात नहीं, वो झट से एक केला खा लेते हैं। दरअसल, केले में पोटैशियम की बहुत ज्यादा मात्रा पाई जाती है। और विशेषज्ञों का मानना है कि पोटैशियम से ऊर्जा का स्तर बढ़ता है। इसका मतलब जब भी आपको लगे कि आप थक से रहे हो तो फिर आप भी झट से एक केले का सेवन कर लें।

कविता

पेड़ की पुकार

मेरे हैं उपकार बहुत,
कुछ तो सोच-विचार करो।
पेड़ कहता मेरे ऊपर,
न तुम अत्याचार करो।
बचपन में मां ने तुम्हें,
मुझसे बने झूले में झुलाया।
मेरी कलम से तुमने,
कापी पर अ-आ बनाया।
मैं हूं तेरा सच्चा साथी,
न यह मारा-मार करो।
छोटी उम्र में रहे,
खेलते तुम पेड़ों पर चढ़कर।
बड़ा होते ही उठाई आरी,
और मुझे लहुलुहान किया।
मेरे कारण तुम्हारा जीवन,
बुरा न व्यवहार करो।
मीठे फल मैं देता,
तुमको साथ में ठंडी छांव।
ऐसे करता सेवा तुम्हारी,
जैसे करती है मां।
सुंदर प्यारे फूल देखकर,
सुख का इजहार करो।
मेरी टहनी पर बैठे पंछी,
करते हैं विनती।
हमारा घर न उजाड़ो,
न हमें बेहाल करो।
मानव अपने सुख के,
लिए जीवन ना दुश्वार करो।
पेड़ कहता मेरे ऊपर,
न तुम अत्याचार करो।

ज्ञान बढ़ाओ

बूझो तो जानें!!!

1. भारत की पहली महिला आईपीएस ऑफिसर का नाम बताइए।
2. भारतीय प्रधानमंत्री जिनका कार्यकाल के दौरान ही देहांत हुआ।
3. भारतीय थलसेना के प्रथम प्रमुख का नाम बताइए।
4. भारत के सबसे बड़े पुरस्कार का नाम बताइए।
5. भारत की पहली जनगणना किस वर्ष हुई थी?
6. भारत के पहले अंग्रेजी अखबार का नाम बताइए।
7. भारत की पहली पंचवर्षीय योजना किस वर्ष से शुरू किया गया।
8. भारत का पहला सिनेमा हॉल कब बनाया गया था?
9. भारत की वह पहली फिल्म जिसमें सारी महिला कलाकार थीं।
10. भारत की पहली बिना गीत की फिल्म का नाम बताइए।
11. भारत की प्रथम महिला राजदूत कौन थीं?
12. भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री का नाम बातइए।
13. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष का नाम बताइए।
14. प्रथम फिल्म अभिनेता जो मुख्यमंत्री बने।
15. भारतीय राष्ट्रपति जिनका कार्यकाल के दौरान देहांत हुआ।

उत्तर-1. किरण बेदी 2. इंदिरा गांधी 3. एम राजेन्द्र सिंह 4. भारत रत्न 5.-वर्ष 1901 6. बंगाल गजट(1790) 7. वर्ष1951 8. 1907 में कोलकाता में ज्योफ मदन ने बनवाया था। 9. [illegible] (मराठी फिल्म) 10. जेबीएच वाडिया की नौजवान (1937) 11. विजयलक्ष्मी पंडित 12. सुचेता कृपलानी (उत्तर प्रदेश) 13. सरोजिनी नायडू 14. एम.जी. रामचंद्रन 15. जाकिर हुसैन

खुद से किया वादा

स्कूल से आते ही बस्ता फेंककर सोनू खेलने भाग जाया करता था। सोनू की इस आदत से उसकी मां बहुत परेशान रहती थी। फिर अचानक एक दिन सोनू को कुछ ऐसा भुगतना पड़ा, जिसकी वजह से उसने खुद से एक वादा किया। वह वादा था सभी कार्यों को नियत समय पर करने का...

कहानी

सोनू स्कूल से आता और अपना स्कूल बैग उतार कर बिना पानी पिए खेलने के लिए चला जाता। मां आवाज लगाती, पानी तो पी ले, स्कूल के कपड़े तो बदल ले, लेकिन सोनू किसी की भी नहीं सुनता और अभी आता हूं कह कर चला जाता और कितनी देर तक वापस नहीं आता। यह उसकी रोज की आदत बन गई। इसके कारण उसका कोई भी काम समय से पूरा नहीं होता। वह आराम करने के समय में खेलता और खेलने के समय स्कूल का काम करता। उसका कोई भी काम समय पर न होने के कारण उसका स्कूल का काम भी अधूरा रह जाता। जब वह रात को स्कूल का काम करने के लिए बैठता तो लाइट चली जाती। जिस कारण काम पूरा नहीं होता और उसे रोज स्कूल में अध्यापकों से डांट पड़ती। सोनू की मां रोज उसे समझाती कि जिन बच्चों के साथ वह खेलता-कूदता है वे बच्चे खुद तो पढ़ते नहीं और उसकी पढ़ाई भी खराब करते हैं। उसे स्कूल से आते ही उन बच्चों के साथ खेलना नहीं चाहिए। उसे पहले अपना काम करना चाहिए और फिर खेलना चाहिए। लेकिन सोनू किसी की भी न सुनता।

आज भी वह खेल कर देर से घर वापस आया और आते ही कहने लगा कि उसके सिर में दर्द हो रहा है। मां ने देखा तो उसका सारा शरीर बुखार के कारण तप रहा था। मां ने कहा, 'मैंने तुम्हें मना किया था खेलने से और कहा था कि तुम पानी पीकर आराम करके फिर खेलने जाना, लेकिन तुम किसी की भी नहीं सुनते हो।'

'मेरा सिर दबा दो, बहुत दर्द हो रहा है' सोनू ने कहा। वो दर्द से कराह रहा था। 'रुक पहले तेरा बुखार देख लूं थर्मामीटर से', मां ने कहा।

थर्मामीटर लगा कर देखा तो सोनू का बुखार 102 से भी ज्यादा था। मां गुस्से में बोली 'तुझे कितनी बार कहा था कि स्कूल से आने के बाद कुछ देर आराम कर लिया कर आराम शरीर के लिए बहुत ही जरूरी होता है। लेकिन तू कभी नहीं सुनता। यह ले पानी पी' और मां सोनू के माथे पर ठंडे पानी की पट्टियां करने लगी और कहा कि 'हम थोड़ी देर बाद दवाई लेने जाएंगे।'

'घर में कोई दवाई है तो वो ही दे दो।' सोनू ने कहा।

'घर में कोई भी दवाई नहीं है। अब तो डॉक्टर इंजेक्शन लगाएगा और पैसे जो लगेंगे सो अलग। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि इलाज से परहेज अच्छा लेकिन आजकल के बच्चे कहां किसी की मानते हैं।'

जब वे लोग डॉक्टर के पास पहुंचे तो वहां पर बहुत भीड़ थी। सोनू का खड़ा होना भी मुश्किल हो गया था। उन्होंने अपनी बारी की पर्ची बनवाई और अपनी बारी का इंतजार करने लगे।

अब सोनू बैठा सोच रहा था कि 'अगर मां की बात मानी होती तो वह आज बीमार न होता और उसे इंजेक्शन का भी डर न होता। अब पता नहीं डॉक्टर कितने दिनों के लिए आराम करने को कहेगा। भगवान करे कि अब ठीक हो जाऊं और इंजेक्शन भी न लगे। आगे से कभी भी ऐसा नहीं होगा।' सोनू ने खुद से वादा किया कि शरीर को जितना आराम चाहिए वो उसे देगा और सभी काम समय से करेगा।

सोनू अंदर आओ। अंदर से आवाज आई। आवाज सुनते ही सोनू इंजेक्शन के डर से घबराता हुआ डॉक्टर के पास गया। नब्ज देखकर डॉक्टर ने कहा कि 'बुखार अब कम है।' शायद मां के घरेलू नुस्खे से सोनू का बुखार कम हो गया था। डॉक्टर के पीछे खड़ी एक नर्स सिरींज में दवाई भर रही थी। सोनू ने सोचा कि शायद अब डॉक्टर नर्स से कहेगा कि इसको लिटाओ इंजेक्शन लगाने के लिए, लेकिन नर्स तो दूसरे कैबिन में चली गई। यह देखकर सोनू ने चैन की सांस ली। कैबिन से जब बच्चे की रोने की आवाज आई तो सोनू न सोचा कि 'अब मेरी बारी आएगी।' तभी डॉक्टर ने सोनू की तरफ देखते हुए कहा, 'हां, जी तो आपका नाम क्या है?'

'जी सोनू।'

'पढ़ते हो, कौन से स्कूल में, कौन सी कक्षा में?' डॉक्टर ने पूछा।

सोनू ने सभी सवालों के जवाब दिए, लेकिन उसका ध्यान टीके की तरफ ही था। 'यह बुखार सिर्फ थकावट के कारण हुआ है। इंजेक्शन की जरूरत नहीं है। यह तो दवाइयों से ही ठीक हो जाएगा।' डॉक्टर ने पीठ थपथपाते हुए कहा। इंजेक्शन न लगने की खुशी से सोनू बहुत खुश था। उसने सोचा शायद उसने खुद से जो वादा किया था उसे भगवान ने सुन लिया।

सोनू घर आया और आराम किया। अगले दिन वह स्कूल गया पर वापस आने के बाद यूनीफॉर्म बदलकर खाना खाया और आराम किया। सोनू में आए इस बदलाव को देखकर उसकी मां बहुत खुश हुईं।

अंतर ढूंढ़ो

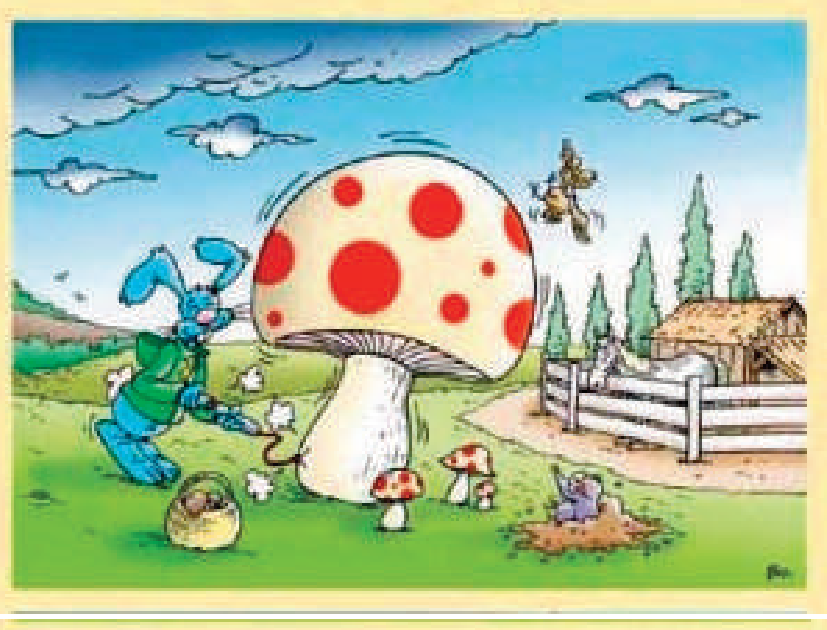

यहां आपको एक जैसी दो तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। पहली बार देखने में तो आपको अंतर समझ में नहीं आएगा, लेकिन जरा गौर से देखने पर आपको सात अंतर दिखाई देंगे। तो जमाइए नजरें और खोज निकालिए वे अंतर भी।

पिता के सरकारी आवास में रहते हुए नहीं किया जा सकता एचआरए का दावा, सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां) ।

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि एक सरकारी कर्मचारी जो अपने पिता (एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी) को आवंटित किराए से मुक्त आवास में रहता है, वह किसी भी हाउस रेंट अलाउंस का दावा करने का हकदार नहीं है।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने अपीलकर्ता के खिलाफ एचआरए वसूली नोटिस को बरकरार रखते हुए कहा कि जम्मू और कश्मीर सिविल सेवा (मकान किराया भत्ता और शहर मुआवजा भत्ता) नियम, 1992 के तहत, सेवानिवृत्त पिता द्वारा सेवानिवृत्त होने पर एचआरए का दावा नहीं किया जा सकता है। इसलिए अपीलकर्ता को 3,96,814/- रुपये का भुगतान करने के लिए वसूली नोटिस जारी करना उचित था, जिसे उसने पहले एचआरए दावा के रूप में हासिल किया था।

अदालत ने कहा, अपीलकर्ता एक सरकारी कर्मचारी होने के नाते, अपने पिता, एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी को आवंटित किराया-मुक्त आवास साझा करते हुए एचआरए का दावा नहीं कर सकता था। इस मामले में एचआरए वसूली के लिए जारी होने वाले आदेशों में कोई खामी नहीं हैं जिसके लिए हस्तक्षेप की आवश्यकता हो।

यह मामला उस अपीलकर्ता से संबंधित थे जो जम्मू-कश्मीर पुलिस में एक निरीक्षक (दूरसंचार), चौथी बटालियन थे, जो 30 अप्रैल 2014 को सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए थे। बाद में उन्हें अपने नाम पर देय बकाया मकान किराया भत्ते (एचआरए) की वसूली के संबंध में एक सूचना प्राप्त हुई थी।

उक्त वसूली नोटिस एक शिकायत के आधार पर जारी किया गया था जिसमें कहा गया था कि अपीलकर्ता सरकारी आवास का लाभ उठा रहा था और साथ ही एचआरए भी ले रहा था। अपीलकर्ता को नोटिस दिया गया था कि वह बिना हकदारी के एचआरए के रूप में उसके द्वारा निकाली गई 3,96,814/- रुपये की राशि जमा करे। अपीलकर्ता यह साबित करने में विफल रहा कि विचाराधीन घर उसके कब्जे में नहीं था, जिसके बाद वसूली नोटिस जारी किया गया था।

न्यूज ब्रीफ

दिग्गज निवेशक और अरबपति जिम साइमंस का निधन, उनकी बनाई कंपनी कहलाती है पैसा छापने वाली मशीन

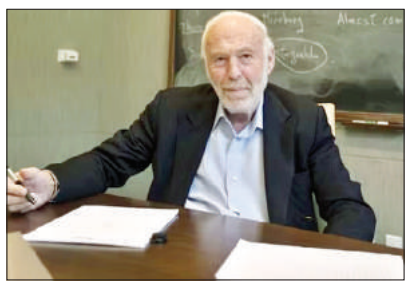

नई दिल्ली । अरबपति निवेशक, गणितज्ञ और दानदाता जिम साइमंस का न्यूयॉर्क के मैनहट्न स्थिर घर पर निधन हो गया। सिमंस 86 साल के थे। वे वॉल स्ट्रील के सबसे सफल निवेशकों में एक थे। उनके निधन की पुष्टि उनके प्रवक्ता जोनाथन गैस्टाल्टर ने की। जिम साइमंस की बनाई रेनेसां टेक्नोलॉजीज को दुनिया की सबसे बड़ी पैसा बनाने वाली मशीन माना जाता है। साइमंस का जन्म 25 अप्रैल, 1938 को ब्रुकलाइन के बोस्टन उपनगर मे हुआ था। जिम साइमंस मैथ्यू साइमंस और मार्सिया साइमंस की एकमात्र संतान थे। उनके पिता फिल्म उद्योग में 20 सेंचुरी फॉक्स के लिए न्यू इंग्लैंड में बिक्री प्रतिनिधि के रूप में काम करते थे। शीत युद्ध के समय अमेरिकी सरकार के लिए कोड ब्रेकर के रूप में काम करने वाले साइमंस ने कभी भी इस रहस्य खुलासा नहीं कि उन्होंने अपने सबसे प्रसिद्ध फंड, मेडेलियन को एसएंडपी 500 इंडेक्स की तुलना में चार गुना से अधिक रिटर्न देने वाला फंड कैसे बनाया 1988 से 2023 तक, इस फंड ने मोटी फीस चुकाने के बावजूद लगभग 40 प्रतिशत का औसत वार्षिक रिटर्न दिया। इस रिटर्न के बूते साइमंस और उनके तीन सहयोगी अरबपति बन गए। उनकी अनुमानित संपत्ति 31.8 बिलियन डॉलर थी। वे दुनिया के 49 वें सबसे अमीर व्यक्ति थे। गणित एकमात्र विषय था जो मुझे पसंद था, सिमंस ने नंबरफाइल पॉडकास्ट के लिए 2015 के एक साक्षात्कार यह बात कही थी।

पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहकों के लिए जरूरी खबर, 31 मई तक केवाईसी करवा लें नहीं तो बंद हो जाएंगे खाते

नई दिल्ली । पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने हाल ही में घोषणा की है कि कम से कम तीन साल से निष्क्रिय पड़े खाते और बिना बैलेंस वाले खाते एक जून से बंद कर दिए जाएंगे। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने कहा है कि यदि ग्राहक 31 मई, 2024 तक केवाईसी की प्रक्रिया (नो योर कस्टमर) पूरी नहीं कर लेते हैं तो पिछले तीन वर्षों से बिना किसी गतिविधि और बिना बैलेंस वाले खातों को बंद कर दिया जाएगा। इस तारीख के बाद खाताधारकों को आगे कोई नोटिस नहीं दिया जाएगा। हालांकि, बैंक ने बताया है कि कुछ खातों इस मामले में छूट दी गई है, यानी कुछ विशेष तर के खाते बंद नहीं होंगे। ये डीमैट खातों, लॉकर या सक्रिय स्थायी निर्देशों से जुड़े खाते हैं। 25 वर्ष से कम आयु के ग्राहकों, नाबालिग खातों, पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई, एसएसवाई, एपीवाई, डीबीटी जैसी विशिष्ट योजनाओं के लिए खोले गए खातों और अदालत के आदेशों, आयकर विभाग के आदेशों या अन्य वैधानिक प्राधिकरणों द्वारा फ्रीज किए गए खातों को भी छूट दी गई है। पीएनबी सुरक्षा जोखिमों से बचने और निष्क्रिय खातों का दुरुपयोग ना हो यह सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठा रहा है। खाते को पुनः सक्रिय करने के लिए, ग्राहकों को अपने निकटतम बैंक शाखा में आवश्यक केवाईसी दस्तावेज जमा करने होंगे।

23 मई को लांच होगी किआ की इलेक्ट्रिक कार ईवी 3

मुंबई । किआ अपनी नई इलेक्ट्रिक कार ईवी 3 लाने की तैयारी में है। 23 मई को ग्लोबली गाड़ी से पर्दा उठने वाला है। हाल ही में कंपनी ने इसकी कुछ तस्वीरें जारी की हैं, इसमें गाड़ी की खूबियों की जानकारी मिल रही है। इलेक्ट्रिक कार में बॉक्सी रियर फेंडर और टेलगेट के साथ सिग्नेचर स्टार मैप लाइटिंग दी गई है, जो इसे आकर्षक लुक प्रदान करती हैं। यह गाड़ी इलेक्ट्रिक वोल्वो एक्स 30 को टक्कर देगी। इस इलेक्ट्रिक कार में एलईडी हेडलाइट्स, एलईडी डीआरएल, रिवर्स पार्किंग सेंसर, रूफ रेल जैसे फीचर्स को साफ तौर पर देखा जा सकता है। इसके अलावा इसमें ड्युल टोन पेंट स्कीम का उपयोग किया जाएगा। इसके पूरे डिजाइन में ब्लैक इंसर्ट्स का इस्तेमाल किया गया है। किआ ईवी 3 इलेक्ट्रिक कार में 64 किलोवॉट प्रतिघंटा क्षमता की बैटरी मिल सकती है, जो 450 किलोमीटर के आस-पास रेंज देने में सक्षम होगी। फिलहाल इसके भारत में लांच की जानकारी नहीं है, लेकिन इस साल कंपनी की किआ ईवी 9 भारतीय बाजार में दस्तक देगी।

शहरों में सुस्त रहेगा घरेलू खर्च, ग्रामीण इलाकों में पानी की तरह बहेगा पैसा

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां) ।

भारत का घरेलू खर्च वित्त वर्ष 2024-25 में सुस्त बनी रहने का अनुमान है। हालांकि, रूरल और लग्जरी खर्च में सुधार होने की उम्मीद है। यह बात स्विटजरलैंड की फाइनेंशियल सर्विसेज देने वाली रिपोर्ट इंडिया इकोनॉमिक पर्सपेक्टिव्स में कही गई है। क्या कहती है यूबीएस की रिपोर्ट

यूबीएस की रिपोर्ट का अनुमान है कि गुड्स और सर्विसेज पर घरेलू खर्च में ग्रोथ काफी कम रहेगी। इसमें पिछले साल के मुकाबले सिर्फ 4-5 फीसदी का उछाल दिख सकता है। साल 2011 से 2020 के दौरान इसमें 6.5-7 फीसदी का तेज उछाल दिखा। उसकी तुलना में यह ग्रोथ काफी सुस्त मानी जा रही है।

क्यों नहीं ज्यादा बढ़ेगा घरेलू खर्च

रिपोर्ट कुछ अहम वजहें भी बताती है, जिसके चलते घरेलू खर्च में मजबूत उछाल आने के आसार नहीं हैं। एक कारण यह है कि अब शहरों में रहने वाले लोग पहले की तरह खर्च नहीं करते, क्योंकि कंपनियां पहले की तरह वेतन नहीं बढ़ा रहीं। साथ ही, लोग अब घर को छोड़कर दूसरी चीजें खरीदने के लिए कर्ज भी ज्यादा नहीं ले रहे। यूबीएस की रिपोर्ट का यह भी कहना है कि अब बैंक कर्ज देने के मामले में ज्यादा सतर्क हो गए हैं।

लेकिन यहां पानी की तरह बहेगा पैसा

ओवरऑल खर्च में भले ही बड़ा इजाफा ना हो, लेकिन समाज के कुछ हिस्से महंगी चीजों की खरीदारी जारी रखेंगे। यूबीएस की रिपोर्ट के मुताबिक, रईस लोग पहले की पैसे उड़ाना जारी रख सकते हैं। वहीं, ग्रामीण इलाकों में भी घरेलू खर्च में कुछ तेजी आ सकती है। पिछले दिनों मौसम विभाग ने अनुमान जताया कि इस साल मानसून सामान्य से अच्छा रहेगा। अगर अच्छे मानसून से कृषि उपज बढ़ती है, तो ग्रामीण इलाकों में डिमांड में तेजी आ सकती है। अगर सरकार कृषि उत्पादों के निर्यात की इजाजत देती है, तो भी रूरल डिमांड बढ़ेगी। साथ ही, अगर रोड और बिल्डिंग बनाने जैसे प्रोजेक्ट बढ़ते हैं, तब भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को फायदा होगा।

अक्षय तृतीया पर सोने और चांदी की बंपर खरीदी हुई, सोना 73 हजार, चांदी 85 हजार से अधिक

नई दिल्ली । अक्षय तृतीया पर देशभर में सोने-चांदी की बंपर खरीद हुई। जिससे दोनों ही धातुओं की कीमत में जोरदार उछाल भी दिखा। दिल्ली सराफा बाजार में सोना 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया तो चांदी 85 हजार से कहीं ऊपर पहुंच गई। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे भी सोने-चांदी में तेजी रुकेगी नहीं और साल के आखिर तक दोनों के भाव नई ऊंचाई पर होंगे। दिल्ली सराफा बाजार में सोने की कीमत 950 रुपये की तेजी के साथ 73,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई. पिछले कारोबारी सत्र में यह 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 2,300 रुपये उछलकर 85,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इससे पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 83,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एक वरिष्ठ विश्लेषक ने कहा कि दिल्ली के बाजारों में हाजिर सोना 24 कैरेट 73,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा जो पिछले बंद भाव से 950 रुपये अधिक है। वैश्विक बाजार कॉमेक्स में हाजिर सोना 2,360 डॉलर प्रति औंस पर रहा जो पिछले बंद भाव से 52 डॉलर मजबूत है। चांदी भी मामूली तेजी के साथ 28.60 डॉलर प्रति औंस पर रही। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 27.50 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई थी। अमेरिका में बेरोजगारी दावों के नवीनतम आंकड़ों से श्रम बाजार में सुस्ती के संकेत मिलने के बाद सोने में तेजी आई।

गुणवत्ता खराब हुई तो मसाला कंपनियों का लाइसेंस होगा निरस्त

सरकार की सख्ती के बाद एफएसएसएआई ने जुटाए 1,500 से ज्यादा सैंपल

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां) ।

सरकार ने मसालों की गुणवत्ता के बारे में शिकायतें आने के बाद सख्त रवैया अपना लिया है। एक आला अधिकारी ने बताया कि अगर मसाला बनाने वाली कंपनी डिब्बाबंद मसाला उत्पादों में कीटनाशकों की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक रखी तो सरकार उसका लाइसेंद रद्द किया जा सकता है। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने देश भर से मसालों के 1,500 से अधिक नमूने एकत्र किए हैं। एफएसएसएआई फिलहाल इन नमूनों की जांच कर इनमें रसायन, सूक्ष्मजीव, माइक्रोटॉक्सिन्स, सूडान डाई और एथिलीन ऑक्साइड (ईटीओ) सहित 234 कीटनाशकों की मात्रा का पता लगाने में जुट गई है। देश भर में एफएसएसएआई के 1,500 से अधिक परीक्षण केंद्र हैं। अधिकारी ने बताया कि इन नमूनों की जांच रिपोर्ट 15 दिनों में आ जाएगी। खाद्य नियामक ने बाजार में उपलब्ध मसालों की गुणवत्ता परखने के लिए 25 अप्रैल को पूरे देश में मुहिम शुरू की है। इससे पहले हॉन्ग कॉन्ग में सेंटर फॉर फूड सेफ्टी और सिंगापुर फूड एजेंसी ने भारत के दो मसाला ब्रांडों एमडीएच और एवरेस्ट स्पाइसेस के मसाला उत्पादों में ईटीओ मौजूद होने का दावा किया था। इन शिकायतों के बाद एफएसएसएआई ने यह कदम उठाया है। सूत्रों ने कहा कि नियामक ने मसाला बनाने वाली सभी कंपनियों से नमूने एकत्र किए हैं। नियामक बाजार में उपलब्ध शिशु आहार के नमूने की भी जांच कर रहा है। सरकारी अधिकारी ने कहा कि इस जांच के नतीजे भी अगले 15 दिनों में मिल जाएंगे। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय और राष्ट्रीय बाल अधिकार सुरक्षा आयोग (एनसीपीसीआर) ने एफएसएसएआई को बाजार में मिल रहे शिशु आहार में चीनी की मात्रा जांचने के निर्देश दिए हैं। स्विट्जरलैंड की एक गैर-सरकारी संस्था (एनजीओ) पब्लिक आई की एक रिपोर्ट आने के बाद सरकार ने यह फैसला लिया है।

रिजर्व बैंक वित्तीय वर्ष 2025 में सरकार को दे सकता है 1000 अरब रुपए, यूबीआई की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां) ।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) वित्त वर्ष 2025 में सरकार को लगभग 1,000 अरब रुपये हस्तांतरित कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई को वित्तीय वर्ष 2025 में भी एक मजबूत लाभांश भुगतान बनाए रखने की उम्मीद है। यह अनुमान पिछले वित्त वर्ष में हस्तांतरित 874 अरब रुपये से मामूली वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने आरबीआई, सरकारी बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए वित्तीय वर्ष 2025 का लाभांश का बजट 1020 अरब रुपये रखा है। वित्तीय वर्ष 2024 में यह 1044 अरब था। हमारे विचार में, पिछले साल के कुल लाभांश के लिए प्रारंभिक बजट अनुमान जो केवल 480 अरब रुपये था को देखते हुए यह एक सकारात्मक आश्चर्य जैसा है। आरबीआई की लाभांश गणना को प्रभावित करने वाले कई कारकों जैसे ब्याज आय और विदेशी मुद्रा (एफएक्स) लाभ के बावजूद, विश्लेषकों ने मजबूत लाभांश आंकड़ों के बने रहने की भविष्यवाणी की है। आरबीआई की बैलेंस शीट का अधिकांश, लगभग 70 प्रतिशत, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों का है, इसमें घरेलू सरकारी बॉन्ड का हिस्सा 20 प्रतिशत हैं।

दाल, आलू और प्याज की लगातार बढ़ती कीमतों ने जायके पर डाला असर, वेज थाली महंगी... नॉनवेज सस्ती

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां) ।

दाल, आलू और प्याज जैसी खाद्य पदार्थों की लगातार बढ़ती कीमतों ने लोगों के जायके पर असर डाला है। आलम यह है कि महंगाई का असर अब वेज थाली पर भी दिखने लगा है। क्रिसिल की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में वेज थाली 4 प्रतिशत महंगी हो चुकी है। पिछले साल जिस थाली के लिए लोगों को 25.4 रुपये देने पड़ते थे, अब उसी थाली पर 27.4 रुपये खर्च करने होंगे। हालांकि नॉन वेज थाली 4 प्रतिशत सस्ती हुई है। अब इसकी कीमत 58.9 से घटकर 56.3 रुपये हो गई है। दाल, आलू और प्याज की लगातार बढ़ती कीमतों ने लोगों के जायके पर असर डाला है। प्रोटीन और कई विटामिन की अच्छी स्रोत कहे जाने वाली दाल की कीमत लगातार आसमान छू रही है। दिल्ली में अरहर दाल की कीमत में इस महीने लगभग 14 रुपये का इजाफा हुआ और इसकी 170 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई।

वहीं प्याज की फसल भी इस बार मौसम की भेंट चढ़ गई। उत्पादन कम हुआ तो इसका असर बाजार में भी दिखने लगा और इस साल फरवरी के महीने में कीमतों में अचानक 40 प्रतिशत तक वृद्धि हो गई। पिछले दो दिनों में भी इसकी कीमतों में 3 से 4 रुपये का इजाफा हुआ है। आलू के साथ भी यही रहा, पैदावार कम हुआ तो उसका असर मार्केट पर भी पड़ा। और इसकी कीमत बढ़कर दिल्ली में 28 रुपये प्रति किलो हो गया है। इसके अलावा इस साल चुनाव है तो सरकार ने अपना चुनावी वादा पूरा करने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाकर चावल को खरीदा।

इसके अलावा इस वर्ष चावल के पैदावार में 4 प्रतिशत की कमी आई है। कीमतें बढ़ने का एक कारण ये भी रहा।

सस्ती हुई नॉनवेज थाली

फरवरी- 2024 में मुर्गियों में फैले बर्ड- फ्लू जैसी बीमारी की वजह से लोगों ने चिकेन को खरीदना कम कर दिया था। जिस वजह से इसके दामों में 12 प्रतिशत तक की कमी आ गई। इसी वजह से इन थालियों की कीमत कम हो गई। वैसे तो इसका ज्यादा प्रभाव दक्षिण भारत के राज्यों रहा जहां 190 रुपये प्रति किलो बिकने वाला चिकेन 100 रुपये प्रति किलो पर आ गया। हालांकि मार्च के महीने में जब मांग बढ़ी तब इसकी कीमतों में 3 प्रतिशत का इजाफा हो गया। वेज और नॉन वेज थाली में जो एक अंतर है वो ये कि नॉन वेज में दाल की जगह चिकेन होता है, बाकी चावल, टमाटर, आलू ये सब इन दोनों थालियों में समान होता है।

28,200 मोबाइलों को ब्लॉक करने का निर्देश, कंपनियों से कहा- 20 लाख फोन कनेक्शनों की जांच करें

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां) ।

साइबर अपराधों और वित्तीय धोखाधड़ी में दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए दूरसंचार विभाग, गृह मंत्रालय और राज्य पुलिस मिलकर काम करेंगे। दूरसंचार विभाग ने साइबर अपराधों में कथित संलिप्तता में 28,200 मोबाइल फोन ब्लॉक करने और 20 लाख मोबाइल कनेक्शनों का फिर से सत्यापन करने का दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को निर्देश दिया है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि संयुक्त प्रयास का मकसद ठगों के नेटवर्क को ध्वस्त करना और नागरिकों को डिजिटल खतरों से बचाना है।

इसमें कहा गया है कि गृह मंत्रालय और राज्य पुलिस के विश्लेषण से पता चला है कि साइबर अपराधों में 28,200 मोबाइल 'हैंडसेट' का दुरुपयोग किया गया। इन मोबाइल फोन के साथ करीब 20 लाख नंबरों का इस्तेमाल किया गया।

दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को देशभर में इन 28,200 मोबाइल फोन को ब्लॉक करने तथा इनसे जुड़े 20 लाख मोबाइल कनेक्शन का तत्काल दोबारा सत्यापन करने और सत्यापन में नाकाम रहने पर कनेक्शन काटने के निर्देश दिए। संदिग्ध संदेश भेजने में लिप्त 52 संस्थाएं काली सूची में विभाग ने दूरसंचार धोखाधड़ी से संबंधित शिकायतों के निपटारे के लिए दो महीने पहले 'चक्षु' प्लेटफार्म पेश किया था। इस पोर्टल के लॉन्च होने के बाद से संदिग्ध एसएमएस भेजने में लिप्त 52 संस्थाओं को काली सूची में डाला जा चुका है जबकि देशभर में 348 मोबाइल हैंडसेट को ब्लॉक किया गया और 10,834 संदिग्ध मोबाइल नंबरों को दोबारा सत्यापन के लिए चिह्नित किया गया। इस साल 30 अप्रैल तक 1.66 करोड़ मोबाइल कनेक्शन काटे गए इसके अलावा, दूरसंचार विभाग ने साइबर अपराधों और वित्तीय धोखाधड़ी या नकली या जाली दस्तावेज पर लिए गए मोबाइल कनेक्शन में शामिल होने के कारण 1.58 लाख यूनिक मोबाइल डिवाइस पहचान संख्या आईएमईआई को ब्लॉक किया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस साल 30 अप्रैल तक विभाग ने 1.66 करोड़ मोबाइल कनेक्शन काटे, जिनमें से 30.14 लाख उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया के आधार पर और 53.78 लाख नए सिम कार्ड खरीदने की व्यक्तिगत सीमा पार करने के कारण काटे गए।

लग्जरी घरों की बिक्री 5 साल में तीन गुना बढ़ी; किफायती मकानों की बिक्री में 17 फीसदी की आई गिरावट

नई दिल्ली । देश में महंगे मकानों की मांग में जबरदस्त तेजी आ रही है। पिछले पांच साल में लग्जरी घरों की बिक्री सात फीसदी से तीन गुना बढ़कर 21 फीसदी पर पहुंच गई है। सस्ते मकानों की बिक्री 37 फीसदी से 17 फीसदी घटकर 20 फीसदी पर आ गई है। एनारॉक की जारी रिपोर्ट के अनुसार, इस साल जनवरी-मार्च में शीर्ष सात शहरों में कुल 1.30 लाख घर बिके हैं। इनमें 27,070 मकान यानी 21 फीसदी लग्जरी रहे हैं। सबसे ज्यादा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 15,645 मकानों की बिक्री हुई है, जो कुल बिक्री का 39 फीसदी है। इनकी कीमत 1.5 करोड़ से पांच करोड़ रुपये के बीच रही है। 2024 की पहली तिमाही में शीर्ष-7 शहरों में लगभग 1,10,860 घर लॉन्च हुए। 28,020 मकान (25 फीसदी) लग्जरी थे। सिर्फ 19,980 यानी 18 फीसदी सस्ते वाले मकान थे। पांच साल पहले 2019 की समान अवधि में इन शहरों में 70,480 घर बने। तब सस्ते मकानों की हिस्सेदारी 44 फीसदी थी। लग्जरी का सिर्फ 9 फीसदी हिस्सा था। कोरोना के बाद से बड़े घर की मांग बढ़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना के बाद सस्ते मकानों की मांग कम हो गई। अब लोग बड़े घर तलाश रहे हैं। यही कारण है कि ऐसे मकानों की कीमतें भी बढ़ी हैं।

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल और बी. साई सुदर्शन की बल्लेबाजी से हैरान रह गए चेन्नई के कोच फ्लेमिंग

अहमदाबाद, 11 मई (एजेंसियां) । चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल और बी. साई सुदर्शन के उच्च क्षमता वाले बल्लेबाजी प्रदर्शन से आश्चर्यचकित थे, जिन्होंने शानदार आक्रमण करते हुए मेजबान टीम को चेन्नई पर जीत दिलाई। गुजरात ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 35 रन की आसान जीत दर्ज की। गिल ने 189.09 की स्ट्राइक रेट से नौ चौके और छह छक्के लगाकर 104 रन बनाए, जो अहमदाबाद में उनका चौथा आईपीएल शतक था। दूसरी ओर, रिद्धिमान साहा के चोट लगने के कारण आउट होने के बाद सुदर्शन ने बल्लेबाजी की शुरुआत करते हुए 201.96 के स्ट्राइक रेट से पांच चौके और सात छक्के लगाकर 103 रन बनाए, जो उनका पहला आईपीएल शतक था। गिल और सुदर्शन के बीच 210 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप ने क्विंटन डी कॉक और के.एल. राहुल, जिन्होंने आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पहले विकेट के लिए 210 रन जोड़े थे, के बीच सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी के रिकॉर्ड की बराबरी की। फ्लेमिंग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह एक अच्छा आक्रमण था और बल्लेबाजी उच्चतम क्षमता की थी। पहले ओवर से ही उन्होंने हमारी योजनाओं को बाधित कर दिया। बाद के चरणों तक हम कुछ नियंत्रण नहीं पा सके। हमने उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जितना हम कर सकते थे, लेकिन दूसरा हिस्सा दो बहुत अच्छे खिलाड़ियों की शानदार बल्लेबाजी थी। पिछले साल फाइनल में, उन्होंने (साई सुदर्शन) ने शानदार प्रदर्शन किया, उन्होंने 96 रन बनाए। मैंने उन्हें करीब से देखा है, उसके चेन्नई क्षेत्र में अच्छे संबंध हैं और वह एक अद्भुत खिलाड़ी है और उसने यह साबित कर दिया। गिल ने सिमरजीत सिंह को छक्का लगाकर केवल 25 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर 11वें ओवर में 23 रन के लिए तेज गेंदबाज को सीधे छक्का जड़ा, जहां सुदर्शन ने भी उन्हें लगातार छक्का जड़ा। उनकी और सीएसके की पीड़ा के लिए, गिल को 72 रन पर लॉन्ग-ऑफ पर जीवनदान दिया गया, जिन्होंने 14 वें ओवर में जीवनदान देने के साथ गेंद को छह रन के लिए सीमा पार कर दिया। कुछ खिलाड़ियों की अनुपस्थिति से हम थोड़ा परेशान थे। जो खिलाड़ी खेल रहे थे उन्होंने पिछले मैच में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया था, इसलिए आत्मविश्वास ऊंचा था। उन्होंने कहा, कभी-कभी आप सभी सही चीजें करते हैं लेकिन अच्छी बल्लेबाजी आपको दबाव में डाल सकती है। यह कुछ उच्च क्षमता वाली हिटिंग थी, बस उस हमले के दबाव ने हमें थोड़ा ढीला कर दिया। क्षेत्ररक्षण वास्तव में अच्छा रहा है, आप सिर्फ एक मैच को नहीं देख सकते। हम दबाव में थे। गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण दोनों अक्सर दबाव में बैकफुट पर हो सकते हैं। हम शायद मानसिक रूप से थोड़ा पीछे रह गए।

न्यूज ब्रीफ

बाबर आजम एक शापित कप्तान, मोये-मोये हो गया, पाकिस्तान की हार के बाद मजेदार मीम्स की आई बाढ़

नई दिल्ली। पाकिस्तान के आयरलैंड दौरे की शुरुआत निराशाजनक रही। बाबर आजम के नेतृत्व वाली पाकिस्तान को आयरलैंड के हाथों पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में एक गेंद शेष रहते पांच विकेट की शिकस्त झेलनी पड़ी। दोनों टीमों के लिए आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिहाज से यह सीरीज महत्वपूर्ण है। इस सीरीज के जरिये दोनों टीमों को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने का मौका मिलेगा। बता दें कि डबलिन में खेले गए मैच में पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी का मौका दिया गया, जिन्होंने सपाट पिच पर 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 182 रन बनाए। जवाब में आयरलैंड ने 19.5 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। इस जीत के साथ ही आयरलैंड ने तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। दोनों देशों के बीच सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। बहरहाल, पहले मुकाबले में पाकिस्तान की करारी शिकस्त के बाद सोशल मीडिया पर बाबर ब्रिगेड का जमकर मजाक बना। सोशल मीडिया यूजर्स ने बाबर आजम को शापित कप्तान करार दिया और कुछ ने कहा कि पाकिस्तानी कप्तान का मोये-मोये हो गया। देखें सोशल मीडिया पर आए एक से बढ़कर एक मजेदार रिएक्शंस। सोशल मीडिया यूजर्स ने बाबर आजम को शापित कप्तान करार दिया और कुछ ने कहा कि पाकिस्तानी कप्तान का मोये-मोये हो गया। देखें सोशल मीडिया पर आए एक से बढ़कर एक मजेदार रिएक्शंस।

ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से सुर्खियों में है अभिषेक शर्मा

नई दिल्ली । सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा आईपीएल के 17वें सीजन में अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से सुर्खियों में हैं। अभिषेक 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा कर रहे हैं। लखनऊ के खिलाफ अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने शानदार चेज किया था और 10 ओवर के अंदर ही मैच को खत्म कर दिया था। उन्हें माता पिता से जुड़ी एक स्टोरी सुनाई थी। अभिषेक शर्मा ने बताया कि उनके माता पिता मैच देखने के लिए आने वाले थे। लेकिन मेरी गलती की वजह से ऐसा नहीं हो सका। अभिषेक ने कहा, मैं मैच के बाद अपनी मम्मी और पापा से बात कर रहा था। वो मैच देखने के लिए शामिल होने वाले थे। लेकिन दुर्भाग्य से मैंने उनकी टिकट हैदराबाद की जगह अमृतसर बुक कर दी थी। अभिषेक शर्मा आईपीएल 2024 में 12 मैचों में 401 रन बना चुके हैं जिसमें 2 हाफ सेंचुरी शामिल है। इस दौरान उनकी स्ट्राइक रेट 205.64 रही है। अभिषेक का बेस्ट स्कोर नाबाद 75 रन रहा है जो उन्होंने लखनउ सुपर जॉयंट्स के खिलाफ बनाए। बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक ने एलएसजी के खिलाफ 28 गेंदों पर 8 चौके और 6 छक्के जड़े थे। इस मुकाबले में उन्होंने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर रिकॉर्ड 167 रन की साझेदारी की। हैदराबाद ने 10 विकेट से जीत दर्ज कर प्लेऑफ में अपनी दावेदार मजबूत कर ली है।

देश में बढ़ रही महिला फुटबॉल की लोकप्रियता

नई दिल्ली । देश में महिला फुटबॉल की लोक्रपियता बढ़ने के साथ ही इसमें आने वाली प्रतिभाओं की तादाद भी बढ़ी है। महिला फुटबॉल लीग के शुरु होने से भी इस खेल के प्रति आकर्षण बढ़ा है। देश की कुछ खिलाड़ी अब विदेशी लीग में भी खेल रही हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार पिछले दो साल में महिला फुटबॉल खिलाड़ियों की संख्या में 138 फीसदी की बढ़त आई है। अभी भारतीय महिला टीम फीफा रैंकिंग में 66वें नंबर पर है। टीम की पांच खिलाड़ी मानुषा कल्याण, ज्योति चौहान, एमके कश्मीना, किरण पिस्दा और ई पान्थोई विदेश की बड़ी लीग में खेलती हैं। वहीं जानकारों के अनुसार महिला टीम के अब विश्व कप में क्वालीफाई करने की संभावना भी बढ़ती जा रही हैं। इसलिए फुटबॉल संघ को उनकी और अधिक सहायता करनी चाहिए। महिला फुटबॉल लीग में अब अब होम और अवे मैच (घरेलू और बाहर के मैदान) का प्रारुप भी शुरू कर दिया है। इसके साथ ही इस सत्र में दूसरी श्रेणी की लीग आईडब्ल्यूएल 2 भी शुरू हुई है, जिसमें से 15 टीमों में से 2 टीमों को प्रमोशन मिलेगा। वहीं जितनी ज्यादा टीमें होंगी। उतने ही खिलाड़ियों को खेलने के अधिक अवसर मिलेंगे। अभी दो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की महिला टीमें भी हैं। साथ ही तीन बार की चैंपियन गोकुलम केरला भी है, जो विदेशों में प्रतियोगिता खेलने वाली भारत की पहली महिला टीम थी। अब यह भी बदलाव हुआ है कि महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को क्लब पेशेवर अनुबंध भी देने लगे हैं। इससे खिलाड़ियों को अच्छी रकम भी मिल रही हैं।

मुबंई को परास्त कर कोलकाता प्लेऑफ में

कोलकाता, 11 मई (एजेंसियां)। वेंकटेश अय्यर (42),नितीश राणा (33) की शानदार बल्लेबाजी और आंद्रे रसल के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्षा बाधित मुकाबले में मुबंई इंडियंस को 18 रन से हरा कर प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गयी है।

ईडन गार्डन मैदान पर बारिश से भीगे मैदान पर करीब डेढ घंटे विलंब से शुरु हुये मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता ने निर्धारित 16 ओवरों में सात विकेट खोकर 157 रन बनाये जिसके जवाब में मुबंई की टीम अच्छी शुरुआत के बावजूद आठ विकेट पर 139 रन ही बना सकी।

इस जीत के साथ कोलकाता 12 मैचों में नवीं जीत के बाद 18 अंक अर्जित कर प्लेआफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन चुकी है जबकि मुबंई के लिये मौजूदा सत्र निराशाजनक रहा है और पहले ही खिताबी दौड़ से बाहर हो चुकी हार्दिक पांड्या की टीम के लिये यह हार लंबे समय तक चुभेगी।

158 रन का पीछा करने उतरी मुबंई ने शुरुआत आक्रामक तरीके से की थी और ईशान किशन (40) और रोहित शर्मा (19) ने पहले पावर प्ले में दस रन प्रति ओवर के रन रेट को बनाये रखा था मगर सातवें ओवर ईशान किशन सुनील नारायण का शिकार बने जबकि अगले ही ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने रोहित को पवेलियन की राह दिखायी। सूर्य कुमार यादव (11) का बल्ला जब तक अपने रंग में आता कि आंद्र रसल ने रमनदीप के हाथों से उसे खामोश कर दिया।

दूसरे छोर पर तिलक वर्मा ने अपनी धुआंधार रफ्तार को जारी रखा मगर हार्दिक पांड्या (2) और टिम डेविड (0) के रुप में दो झटकों ने मुबंई की उम्मीदों पर ब्रेक लगाये हालांकि नमन धीर (17) ने तिलक के साथ मिलकर उम्मीदों को जिंदा रखने की असफल कोशिश की मगर हर्षित राणा ने पहले नमन को और फिर तिलक को पवेलियन का रास्ता दिखा कर कोलकाता के प्लेआफ में पहुंचने का रास्ता साफ कर दिया।

इससे पहले कोलकाता की शुरुआत निर-ाशाजनक रही जब पहले ही ओवर की पांचवीं गेंद पर फिल सॉल्ट (6) मात्र एक छक्का जमा कर चलते बने जबकि शानदार फार्म में चल रहे सुनील नारायण जसप्रीत बुमराह की गेंद पर बगैर खाता खोले पवेलियन लौट गये। बाद में क्रीज पर आये वेंकटेश अय्यर ने दिलेरी के साथ मुबंई के गेंदबाजों का सामना किया और मैदान के चारों ओर चौकों छक्कों की बारिश कर दी। उन्होने मात्र 21 गेंदों में 200 के स्ट्राइक रेट से छह चौके और दो छक्के लगा कर स्टेडियम में उत्साह का संचार किया।

कप्तान श्रेयस अय्यर (7) के आउट होने के बाद उन्होने नीतिश राणा के साथ स्कोरबोर्ड को चलाया। उनकी पारी का अंत अनुभवी पियूष चावला ने मोर्चा संभालते ही किया जब एक ललचाती हुयी गेंद को मारने के प्रयास में वह सूर्य कुमार यादव के हाथों आउट हुये। दूसरे छोर पर राणा ने मुबंई के गेंदबाजों की धुनायी जारी रखी मगर वह दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हो गये।

अपने बेखौफ अंदाज के अनुरुप आंद्रे रसल (24) और रिंकू सिंह (20) ने आखिरी के ओवरों में तेजी से रन जुटाये वहीं रमनदीप सिंह आठ गेंदो पर 17 रन बना कर नाबाद पवेलियन लौटे। मुबंई के लिये बुमराह और पियूष चावला ने दो दो विकेट चटकाये जबकि अंशुल कंबोज और नुवान तुषारा को एक एक विकेट मिला।

एक दशक में दो बार भारतीय टीम हाथ आया खिताब नहीं जीत पाई

मुम्बई, 11 मई (एजेंसियां) । रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम अगले माह होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप में खिताब जीतने के लिए पूरा जोर लगा देगी। इसका कारण है कि वह पिछले एक दशक से खिताब नहीं जीत पायी है। इस एक दशक में भी दो बार खिताब उसके हाथ के बेहद करीब आकर निकल गया। ये था साल 2014 का टी20 विश्वकप और 2023 एकदिवसीय विश्वकप। इन दोनो ही बार भारतीय टीम फाइनल में जाकर हारी। उससे पहले के सभी मुकाबले भारतीय टीम ने जीते थे। यहां तक कि तकरीबन सभी आंकड़े भी एक समान थे। साल साल 2007 में चैंपियन बनने के अलावा भारतीय टीम 2014 के टी20 विश्वकप में फाइनल में पहुंची थी पर टीम को खिताबी मुकाबले में श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा था। टी20 विश्वककप 2014 और एकदिवसीय विश्वकप 2023 में कई समानताएं हैं। एकदिवसीय विश्वकप 2023 की तरह 2014 के टी20 विश्वकप में भी भारतीय टीम ने अपने विरोधियों के खिलाफ सभी मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी थी हालांकि फाइनल में खराब प्रदर्शन से उसे हार मिली थी। टी20 विश्वकप 2014 और एकदिवसीय विश्वपक 2023 में भारतीय टीम ने फाइनल से पहले अपने सभी मैच आसानी से जीते थे। इन दोनों ही टूर्नामेंट के फाइनल से पहले भारतीय टीम कोई भी मैच नहीं हारी थी पर फाइनल में एक दिन के खराब प्रदर्शन से उसके हाथों से खिताब निकल गया था। दोनों ही टूर्नामेंट में भारतीय टीम का पाकिस्तान पर जीत के साथ-साथ फाइनल में मिली हार का अंतर एक समान था। टी20 विश्वकप 2014 में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया था और 2023 विश्वकप में भी टीम इंडिया ने 'पड़ोसी देश' को इसी अंतर से हराया था। वहीं इसी प्रकार टी20 विश्वकप 2014 के फाइनल में भारत को श्रीलंका ने 6 विकेट से हराया था। वहीं विश्वप 2023 के फाइनल में भी भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने इतने ही अंतर से हाराया था। दोनों ही टूर्नामेंटों में भारतीय टीम केवल फाइनल में ही हारी थी।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज एंडरसन ने किया क्रिकेट से सन्यास लेने का ऐलान

भारत दौरे पर 700 टेस्ट विकेट लेकर इतिहास में दर्ज कराया था अपना नाम

; लंदन, 11 मई (एजेंसियां) ।

इंग्लैंड के मशहूर और तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने वाले हैं।700 टेस्ट विकेट लेकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराने वाले तेज गेंदबाज ने यह अहम फैसला लिया है। आगामी घरेलू सत्र के बाद एंडरसन टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एंडरसन इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के भारत दौरे में टेस्ट क्रिकेट में 700 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बने थे। इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने बताया है कि वे ऑस्ट्रेलिया में 2025-26 एशेज पर नजर रखते हुए भविष्य की ओर देख रहे हैं, जिसका मतलब है कि 41 साल के खिलाड़ी का अंतरराष्ट्रीय करियर पूरा होने वाला है। जेम्स एंडरसन के नाम सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड है। वह सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे स्थान पर आते हैं। सचिन ने सबसे ज्यादा 200 टेस्ट मैच खेलने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। जेम्स एंडरसन ने अब तक 187 टेस्ट मैच खेले हैं। इंग्लैंड इस साल घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज और श्रीलंका के साथ टेस्ट मैच खेलने को तैयार है और उनमें से एक मैच उनके घरेलू मैदान ओल्ड ट्रैफर्ड पर होगा। वह मैच दाएं हाथ के गेंदबाज के लिए आखिरी हो सकता है।

रोमांचक मुकाबले में पांच रन से जीता बांग्लादेश जिम्बाब्वे के खिलाफ बनाई 4-0 की अजेय बढ़त

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश ने चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जिम्बाब्वे को पांच रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 19.5 ओवर में 143 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की पूरी टीम 19.4 ओवर में 138 ही बना सकी। शाकिब अल हसन ने चार तो मुस्तफिजुर रहमान ने तीन विकेट लिए। टॉस हराने के बाद बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया गया। सलामी जोड़ी तंजीद हसन और सौम्य सरकार ने पहले विकेट के लिए 101 रन की साझेदारी की। तंजीद ने 37 गेंद पर 52 रन की पारी खेली। सौम्य सरकार ने 34 गेंद पर 41 रन का योगदान दिया। तौहीद हृदय ने 12 रन बनाए। जिम्बाब्वे की खराब शुरुआत इसके बाद कोई भी बांग्लादेशी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू सका। जिम्बाब्वे की तरफ से एल जोंग्वे ने 3 ओवर में 20 रन देकर तीन विकेट चटकाए। ब्रायन बेनेट और नगारवा को दो-दो विकेट मिले। मुजारबानी और कप्तान रजा को एक-एक विकेट मिला। शाकिब और मुस्तफिजुर की घातक गेंदबाजी लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे ने पहले ही ओवर में विकेट गंवाया। ब्रायन बेनेट बिना कोई रन बनाए तस्कीन अहमद का शिकार बने। मरुमणि ने 14, सिकंदर रजा 17 और जॉनाथन कैम्पबेल ने 31 रन का योगदान दिया। पूरी टीम 20 ओवर नहीं खेल पाई और पांच रन से मैच गंवा दिया। शाकिब ने चार तो मुस्तफिजुर ने तीन विकेट चटकाए।

पाक-बांग्लादेश अभी तक घोषित नहीं कर पाये हैं टी20 विश्वकप के लिए टीम, भारत, ऑस्ट्रेलिया सहित 16 देशों ने घोषित की

मुम्बई, 11 मई (एजेंसियां) ।

अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप के लिए अभी तक 16 टीमें घोषित हो गयी हैं। पर पाकिस्तान-बांग्लादेश बोर्ड अपनी अपनी टीमें घोषित नहीं कर पाया है। यहां तक कि अन्य टीमें जहां विश्वकप के लिए अमेरिका और वेस्टइंडीज जाने का कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं। वहीं पाक और बांग्लादेश अपनी टीम कही तय नहीं कर पा रहे हैं। पाकिस्तान की क्रिकेट टीम आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी। इसके बाद पाकिस्तानी क्रिकेटर इंग्लैंड पहुंचेंगे। फिर पाकिस्तान-इंग्लैंड सीरीज होगी। इस प्रकार देखा जाये तो पाक टीम तैयारी तो अच्छी कर रही है पर टीम की घोषणा को लेकर संशय में है। पीसीबी के अनुसार अभी टीम के कुछ खिलाड़ी पूरी तरह फिट नहीं हैं. इसलिए टीम चयन टाल दिया गया है। बांग्लादेश की टीम भी जिम्बाब्वे के साथ सीरीज खेल रही है। पाक और बांग्लादेश के अलावा नामीबिया और नीदरलैंड्स ने भी अभी अपनी टीम घोषित नहीं की है।

अब तक घोषित हुई टीमें इस प्रकार हैं :

1 भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उप कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह. रिजर्व खिलाड़ी: शुभमन गिल, रिंकू सिंह, आवेश खान और खलील अहमद।

2 ऑस्ट्रेलिया: मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, डेविड वॉर्नर, कैमरन ग्रीन, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टॉयनिस, टिम डेविड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू वेड, एश्टन एगर, पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, एडम जम्पा।

3 न्यूजीलैंड: केन विलियम्सन (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, डेरिल मिचेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिचेल सैंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउदी. लॉकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी, ट्रेंट बोल्ट, रिजर्व खिलाड़ी: बीन सियर्स।

4 इंग्लैंड: जॉस बटलर (कप्तान), मोइन अली (उप-कप्तान), फिल साल्ट, विल जैक्स, जॉनी बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, बेन डकेट, लियाम लिविंगस्टोन, सैम करेन, क्रिस जॉर्डन, टॉम हार्टली, आदिल राशिद, मार्क वुड, जोफ्रा आर्चर, रीस टॉपली।

5 दक्षिण अफ्रीका: एडेन मार्क्रम (कप्तान), रीजा हेंड्रिक्स, ओटिनल बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्जी, क्विंटन डिकॉक, बेरोन फार्च्युन, हेनरिक क्लासेन, मार्को यानसेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नॉर्किया, कैगिसो रबाडा, रियान रिक्लटन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

6 श्रीलंका: वानिंदु हसरंगा (कप्तान), चरिथ असलंका (उप-कप्तान), कुसल मेंडिस, पथुम निसांका, कामिंदु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, एंजेलो मैथ्यूज, धनंजय डिसिल्वा, दासुन शनाका, महीश तीक्षणा, डुनिथ वेललागे, दुष्मंथा चमीरा, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराणा, दिलशान मधुशंका।

7 वेस्टइंडीज: रोवमैन पॉवेल (कप्तान), अल्जारी जोसेफ (उप-कप्तान), जॉनसन चार्ल्स, शिमरन हेटमायर, रोस्टन चेज, ब्रैंडन किंग, निकलस पूरन, शाई होप, आंद्रे रसेल, जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड, शमर जोसेफ, अकील होसेन, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड।

8 अफगानिस्तान: राशिद खान (कप्तान), इब्राहिम जादरान, नजीबुल्लाह जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, करीम जनत, नांग्याल खरोती. मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद मलिक. रिजर्व खिलाड़ी: सेदिक अटल, हजरतुल्लाह जजई, सलीम सफी।

9 आयरलैंड: पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैक्कार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग युवा।

10 अमेरिका: मोनांक पटेल (कप्तान), एरॉन जोंस, एंड्रीज गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नितीश कुमार, नोशतुश केनजिगे, सौरभ नेत्रलवकर, शैडली वान शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर. रिजर्व खिलाड़ी: गजानंद सिंह, जुआनॉय ड्राईस्डेल, यासिर मोहम्मद।

11 नेपाल: रोहित पौडेल (कप्तान), आसिफ शेख, अनिल कुमार साह, कुशल भुरतेल, कुशल माल्ला, दीपेंद्र सिंह, करन केसी, गुलशन झा, सोमपाल कामी, प्रतिस जीसी, संदीप जोरा, ललित राजबंशी, अबिनाश बोहरा, सागर धाकल, कमल सिंह।

12 स्कॉटलैंड: रिची बेरिंग्टन (कप्तान), मैथ्यू क्रॉस, ब्रैड करी, क्रिस ग्रीव्स, ओली हेयर्स, माइकल लीस्क, जैक जार्विस, माइकल जोन्स, ब्रैंडन मैकमुलेन, जॉर्ज मुन्से, चार्ली टियर, सफयान शरीफ, क्रिस सोल, मार्क वॉट और ब्रैड व्हील।

13 पापुआ न्यू गिनी: असद वाला (कप्तान), चार्ल्स एमिनी (उप कप्तान), एलेई नाओ, चाड सॉपर, हीरी हीरी, हिला वारे,जैक गार्डनर, जॉन करीको, काबुआ मोरेया, किप्लिंग डोरिगा, लेगा सियाका, नॉर्मन वानुआ, सेमा कामेया, सेसे बाओ, टोनी उरा।

14 युगांडा: ब्रायन मसाबा (कप्तान), रियाजत अली शाह (उप-कप्तान), साइमन सेसाजी, कॉसमॉस क्युवुटा, दिनेश नकरानी, रोजर मुकासा, फ्रेड अचेलम, अल्पेश रमजानी, फ्रैंक नसुबुगा, हेनरी सेसेनडो, रॉबिन्सन ओबुया, बिलाल हसन, जुमा मियाजी, केनेथ वैसवा, रौनक पटेल. रिजर्व प्लेयर: इनोसेंट म्बेबेज, रोनाल्ड लुटाया।

15 कनाडा: साद बिन जफर, एरॉन जॉनसन, डिलन हेलिगर, दिलप्रीत बाजवा, हर्ष ठाकेर, जेरेमी गॉर्डन, जुनैद सिद्दीकी, कलीम सना, कंवरपाल ताथगुर (विकेटकीपर), नवनीत धालीवाल, निकोलस कीर्टन, परगट सिंह, रविंदरपाल सिंह, रेयानखान पठान, श्रेयस मोव्वा (विकेटकीपर)।

16 ओमान: आकिब इलियास (कप्तान), जीशान मकसूद, कश्यप प्रजापति, प्रतीक अठावले (विकेटकीपर), अयान खान, शोएब खान, मोहम्मद नदीम, नसीम खुशी (विकेटकीपर), मेहरान खान, बिलाल खान, रफीउल्लाह, कलीमुल्लाह, फैयाज बट, शकील अहमद ।

भारत के मामले में फिर बेवजह घुसा पाकिस्तान, पूर्व मंत्री ने की केजरीवाल की रिहाई पर बेतुकी टिप्पणी

इस्लामाबाद, 11 मई (एजेंसियां) ।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल से बाहर आ गए। केजरीवाल के जेल से बाहर आने से आप कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह है। हालांकि ये उत्साह सिर्फ आप कार्यकर्ताओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि पड़ोसी देश पाकिस्तान के एक नेता भी इससे खासे खुश हैं। दरअसल पाकिस्तान के पूर्व सूचना एवं प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने भी केजरीवाल की रिहाई पर खुशी जताई है और प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि नरमपंथी भारत के लिए यह एक अच्छी खबर है। पाकिस्तानी नेता ने सोशल मीडिया पर दी ऐसी प्रतिक्रिया फवाद चौधरी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि मोदी जी एक और लड़ाई हार गए। केजरीवाल रिहा हो गए हैं और ये नरमपंथी भारत के लिए एक अच्छी खबर है। अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति घोटाले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई। इसके बाद देर शाम तक केजरीवाल जेल से बाहर आ गए। सुप्रीम कोर्ट ने 50 दिनों के बाद केजरीवाल को अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया और कोर्ट के आदेश के तहत केजरीवाल को 2 जून को जेल में वापस आने का आदेश दिया है। हालांकि कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत देते हुए कई शर्तें भी लगाई हैं, जिनके तहत केजरीवाल दिल्ली सचिवालय स्थित सीएम कार्यालय नहीं जा सकते। भारत के मामलों में फिर बेवजह घुसाई अपनी नाक ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी पहली बार भारत के चुनाव और आंतरिक राजनीति पर टिप्पणी कर रहे हैं, इससे पहले भी वे भारत के मामलों में बेतुकी टिप्पणियां करके चर्चा बटोर चुके हैं। बीते दिनों ही फवाद चौधरी ने सोशल मीडिया पर राहुल गांधी का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट से साझा किया था। इस वीडियो में राहुल गांधी भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के कैप्शन में फवाद चौधरी ने लिखा कि राहुल गांधी पंडित जवाहरलाल नेहरू की तरह ही समाजवादी हैं। भारत और पाकिस्तान में एक ही समस्या है। जैसे भारत में 30-50 परिवारों के पास देश की 70 फीसदी संपति है, वहीं पाकिस्तान में भी पाकिस्तान बिजनेस काउंसिल के सदस्यों के पास देश की 75 प्रतिशत संपत्ति है। संपत्ति का सही वितरण पूंजीवाद की सबसे बड़ी चुनौती है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के सत्ताधारी गठबंधन को झटका, सुप्रीम कोर्ट के आदेश से गंवानी पड़ीं 27 आरक्षित सीटें

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में पीएमएलएन के नेतृत्व वाली सत्ताधारी गठबंधन को पंजाब में बड़ा झटका लगा है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सत्ताधारी गठबंधन को पंजाब असेंबली में 27 आरक्षित सीटें गंवानी पड़ी हैं। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में अपने एक फैसले में निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाते हुए सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल को इसके हिस्से की आरक्षित सीटें देने का आदेश दिया था। ये सीटें महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित हैं। पीएमएलएन गठबंधन को बड़ा झटका पंजाब असेंबली के स्पीकर मलिक मोहम्मद अहमद ने राज्य की 27 सीटों पर सदस्यों की नियुक्ति को अवैध बताते हुए उनके असेंबली की कार्यवाही में शामिल होने पर रोक लगा दी। स्पीकर ने कहा कि जब तक चुनाव आयोग या सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनके स्टेटस के बारे में स्पष्ट नहीं किया जाता, तब तक वे असेंबली सदस्य के तौर पर काम नहीं कर पाएंगे। निलंबित किए गए 27 असेंबली सदस्यों में से 23 सदस्य नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएलएन के सदस्य हैं। वहीं दो पाकिस्तान पीपल्स पार्टी और एक-एक पीएमएल-क्यू और आईपीपी का सदस्य है। सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल ने मांगी थी आरक्षित सीटें पाकिस्तान में राज्य असेंबली में 156 सीटें महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित हैं। सभी पार्टियों को असेंबली में उनकी सीटों के हिसाब से आरक्षित सीटें आवंटित की जाती हैं। चूंकि इमरान खान की पार्टी पीटीआई के उम्मीदवारों ने निर्दलीय चुनाव लड़ा था और चुनाव जीतने के बाद वे सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल में शामिल हो गए थे। इस लिहाज से सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल की सीटों की संख्या बढ़ गई थी और इस आधार पर सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल ने ज्यादा सीटों की मांग की थी। मामला हाईकोर्ट गया, लेकिन पेशावर हाईकोर्ट ने सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल की मांग को ठुकरा दिया। जिसके बाद काउंसिल ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

ट्रंप के सबसे छोटे बेटे बैरन अभी राजनीति से रहेंगे दूर, रिपब्लिकन पार्टी के सम्मेलन में नहीं होंगे शामिल

वॉशिंगटन । डोनाल्ड ट्रंप के सबसे छोटे बेटे बैरन अभी राजनीति से दूर ही रहेंगे। दरअसल बीते दिनों खबर आई थी कि बैरन, ट्रंप परिवार के नए सदस्य हो सकते हैं, जो राजनीति में उतरेंगे। बैरन को जुलाई में होने वाले रिपब्लिकन पार्टी के सम्मेलन में शामिल होने की चर्चा थी, लेकिन अब बैरन की मां मेलानिया ने बयान जारी कर इससे इंकार कर दिया है।

मेलानिया ट्रंप ने किया इंकार बैरन की मां मेलानिया

ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि फ्लोरिडा में रिपब्लिकन पार्टी के सम्मेलन में बतौर प्रतिनिधि चुने जाने पर बैरन सम्मानित महसूस कर रहे हैं, लेकिन उन्हें दुख है कि वह किन्हीं कारणों से इस सम्मेलन में शामिल नहीं हो पाएंगे। जुलाई में होने वाले रिपब्लिकन पार्टी के सम्मेलन में आधिकारिक तौर पर डोनाल्ड ट्रंप को रिपब्लिकन पार्टी का राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना जाएगा। इस सम्मेलन में हर राज्य से रिपब्लिकन पार्टी के प्रतिनिधि शामिल होंगे और नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए औपचारिक रूप से ट्रंप के नाम पर मुहर लगाएंगे। राष्ट्रपति चुनाव के लिए डोनाल्ड ट्रंप की सबसे बड़ी बेटी इवांका ने अपने पति जेरेड कुशनर, बहन टिफिनी, भाई डॉन जूनियर और एरिक के साथ अपने पिता के लिए चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया है। मार्च में ही एरिक की पत्नी लारा ने भी आधिकारिक रूप से राजनीति में कदम रख दिया और अपने ससुर ट्रंप के पक्ष में प्रचार शुरू कर दिया था।

पत्नी की सेहत को लेकर प्रिंस विलियम ने दिया अपडेट, कैंसर से जूझ रही हैं केट मिडलटन

लंदन । ब्रिटेन के राजकुमार प्रिंस विलियम ने अपनी पत्नी केट मिडलटन की सेहत को लेकर अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि केट की तबीयत में सुधार हो रहा है। प्रिंसेस ऑफ वेल्स केट मिडलटन कैंसर से जूझ रही हैं और फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। प्रिंस विलियम दो दिवसीय दौरे पर कॉर्नवाल में मौजूद हैं। केट मिडलटन लंबे समय से अपनी सार्वजनिक जिम्मेदारियों से दूर हैं। दरअसल केट मिडलटन पेट की सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती हुई थी, लेकिन सर्जरी के दौरान ही उन्हें कैंसर से पीड़ित होने का पता चला। मार्च में केट मिडलटन ने सार्वजनिक बयान जारी कर कहा कि वह कैंसर का इलाज करा रही हैं और जब तक उनकी तबीयत ठीक नहीं हो जाती, वे सार्वजनिक जिम्मेदारियों से दूर रहेंगी। कॉर्नवाल के दौरे पर प्रिंस विलियम कॉर्नवाल के दक्षिणी पश्चिमी तट पर स्थित आइल्स ऑफ सिली पहुंचे।

ब्राजील में भारी बारिश के बाद बाढ़ ने मचाया कहर 120 से अधिक लोगों की मौत, लाखों प्रभावित

ब्राजीलिया, 11 मई (एजेंसियां) ।

ब्राजील में बीते दिनों भूकंप के बाद आयी भयंकर बाढ़ से तबाही मची हुई है। यहां करीब 126 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, बताया जा रहा है कि इस जलप्रलय में करीब 756 लोग घायल हुए हैं। बाढ़ से 20 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। हालात को देखते हुए इलाके में रेस्क्यू टीम बचाव कार्य में जुटी हुई है। ब्राजील में भारी बारिश के चलते कई जगहों की सड़कें बुरी तरह से धस गई है। हालांकि, आसमान एक बार फिर खुला, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली। जबकि 24 घंटे में घर खाली करने वालों की संख्या दोगुनी हो गई है।

अल नीनो मौसम की घटना के चलते आई बाढ़

विशेषज्ञों का मानना है कि अल नीनो मौसम की घटना के चलते जलवायु परिवर्तन प्रभावित हुआ है। उत्तर अमेरिकी देश ब्राजील में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ ने कहर मचा दिया है। हजारों लोग बेघर हो गए हैं. कई शहरों में बाढ़ का पानी भर गया है और भूस्खलन शुरू हो गया है। बताया जा रहा है कि इस बाढ़ में दर्जनों लोग लापता हो गए हैं। नागरिक सुरक्षा एजेंसी बताया कि बारिश से जुड़ी घटनाओं में 756 लोग घायल भी हुए हैं।

जल स्तर तेजी से बढ़ रहा

वहीं रियो ग्रांडे डो सुल में जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे शहर के बांधों और जल निकासी प्रणालियों पर दबाव बढ़ता जा रहा है। आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण शहर पोर्टो एलेग्रे में बारिश और बाढ़ के चलते व्यापार चौपट होने लगा है। अधिकारियों के अनुसार, 141 लोग अभी भी लापता हैं।

फिर तेज बारिश हुई

रियो ग्रांडे डो सुल राज्य की राजधानी पोर्टो एलेग्रे में हालात कुछ हद तक सामान्य पाए गए। 14 लाख लोगों वाले शहर में कुछ व्यवसाय खुले देखे गए। वहीं सड़कों पर भी पानी कम होते पाया। लेकिन शायद इंद्रदेव को यह पसंद नहीं आया और एक बार फिर तेज बारिश हुई। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान संस्थान के अनुसार, इस क्षेत्र में आज तेज हवाओं और ओलावृष्टि के साथ बारिश की उम्मीद है। मेटसुल मौसम विज्ञान साइट ने 200 मिमी (7.9 इंच) बारिश दर्ज की।

पीने के पानी की कमी

राज्य की गुआइबा नदी का पानी इस सप्ताह ऐतिहासिक स्तर पर पहुंचा। नागरिक सुरक्षा के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर लोगों की संख्या दोगुनी होकर करीब 411,000 हो गई। 71 हजार से अधिक लोग शिविर में रह रहे हैं। पानी की आपूर्ति अभी भी काफी कम है। पोर्टो एलेग्रे में पीने के पानी की बोतलें काफी कम मिल रही हैं। टैंकर शिविर और अस्पतालों में पहुंचाए जा रहे हैं।

एल्डोराडो डो सुल में सड़कें पानी में डूबी

तबाह हुए शहर एल्डोराडो डो सुल में सड़कें बाढ़ के पानी में डूबी हुई हैं। यहां नाव की मदद से लोगों तक भोजन पहुंचाया जा रहा है।दरअसल, यहां के लोग अपना घर छोड़ने को तैयार नहीं हैं क्योंकि उनका मानना है कि लूटपाट हो सकती है। बाढ़ से 85,000 से अधिक घर तबाह हो गए। वहीं कृषि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी झटका दिया है। पोर्टो एलेग्रे के आसपास चावल उगाने वाले क्षेत्रों में दो मीटर तक पानी भर गया है।

शक्तिशाली सौर तूफान धरती से टकराया, संचार उपग्रह और पावर ग्रिड्स को हो सकता है नुकसान

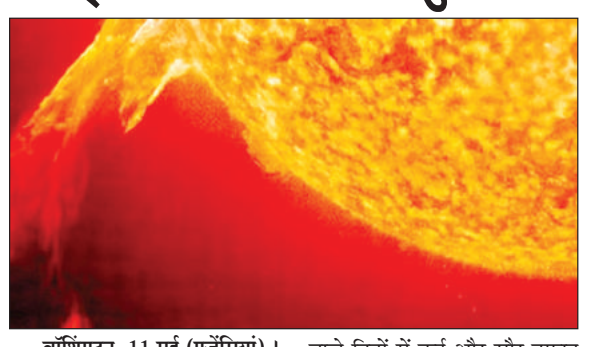

वॉशिंगटन, 11 मई (एजेंसियां) ।

एक शक्तिशाली सौर तूफान धरती से टकराया। बीते दो दशकों में ये धरती से टकराने वाला सबसे ताकतवर सौर तूफान था, इसके चलते तस्मानिया से लेकर ब्रिटेन तक आसमान में तेज बिजली कड़की। इस सौर तूफान का असर सप्ताहांत तक रहेगा और इसके असर से कई जगहों पर संचार उपग्रह और पावर ग्रिड्स को नुकसान हो सकता है। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) के अंतरिक्ष मौसम अनुमान केंद्र के अनुसार, कई कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) के चलते धरती पर यह तूफान आया। उल्लेखनीय है कि सूर्य की सतह से प्लाज्मा और चुंबकीय क्षेत्र के निकलने को कोरोनल मास इजेक्शन कहा जाता है।

आखिरी बार अक्तूबर 2003 में धरती से टकराया था शक्तिशाली सौर तूफान इससे पहले अक्तूबर 2003 में सौर तूफान धरती से टकराया था। उस सौर तूफान को हैलोवीन तूफान नाम दिया गया था और उसके असर से पूरे स्वीडन में बिजली व्यवस्था ठप हो गई थी और साथ ही दक्षिण अफ्रीका में पावर ग्रिड्स को भारी नुकसान हुआ था। एनओएए का अनुमान है कि आने वाले दिनों में कई और सौर तूफान आ सकते हैं। सौर तूफान के चलते ऑस्ट्रेलिया और उत्तरी यूरोप में ध्रुवीय ज्योति की घटनाएं देखने को मिलीं। ध्रुवीय ज्योति की घटना में सूर्य से आने वाले पार्टिकल्स जब धरती के चुंबकीय क्षेत्र में दाखिल होते हैं तो इससे जो प्रतिक्रिया होती है, उसके असर से सूर्य से आने वाले पार्टिकल्स चमकदार रंग-बिरंगी रोशनी के रूप में दिखते हैं। इन इलाकों पर होगा तूफान का असर रीडिंग यूनिवर्सिटी में अंतरिक्ष भौतिकी के प्रोफेसर मैथ्यू ओवेन्स का कहना है कि सौर तूफान का असर सबसे ज्यादा धरती के उत्तरी और दक्षिणी अक्षांशों पर महसूस किया जाएगा, लेकिन वे कितनी दूर तक फैलेंगे यह तूफान की अंतिम ताकत पर निर्भर करेगा। अमेरिका में उत्तरी कैलिफोर्निया और अलबामा जैसे राज्यों में इस सौर तूफान का असर दिखेगा। सौर तूफान धरती पर चुंबकीय क्षेत्र को प्रभावित करते हैं और इसके असर से ऊर्जा केंद्रों को नुकसान की आशंका है। साथ ही विमानों में भी विकिरण के असर से दिक्कत हो सकती है। अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है और सभी जरूरी एहतियाती कदम उठा लिए गए हैं।

अमेरिका ने यूक्रेन की सहायता के लिए फिर बढ़ाया हाथ, 400 मिलियन डॉलर की सैन्य मदद का एलान

वॉशिंगटन, 11 मई (एजेंसियां) ।

रूस और यूक्रेन के बीच 26 महीने से अधिक समय से युद्ध जारी है। फिलहाल, यह जंग थमती नजर नहीं आ रही है। इस बीच, अमेरिका ने एक बार फिर यूक्रेन की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। बाइडन प्रशासन की ओर से युद्ध के लिए 400 मिलियन डॉलर की सैन्य मदद का एलान किया गया है। यह यूक्रेन के लिए राहत की खबर है क्योंकि रूस की ओर से बढ़ते दबाव के बीच कीव को पश्चिमी देशों से सहायता की सख्त जरूरत है। नए सैन्य सहायता पैकेज में पैट्रियट वायु रक्षा युद्ध सामग्री और स्टिंगर एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल शामिल हैं, जो यूक्रेन के आसमान की रक्षा करने और इसके शहरों को सुरक्षित रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

61 अरब डॉलर की सहायता का एलान

बता दें, पिछले महीने अमेरिका द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अनुपूरक विधेयक पारित होने के बाद यह कीव के लिए तीसरी सहायता है। इसे मिलाकर अब तक अमेरिका कीव के लिए 61 अरब डॉलर की सहायता का एलान कर चुका है।

नए पैकेज में शामिल हैं यह हथियार

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस 400 मिलियन डॉलर की सहायता में अधिक हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम और 155 मिमी और 105 मिमी तोपखाने राउंड शामिल हैं, जिसकी यूक्रेन को रूसी हमलों को रोकने के लिए सख्त जरूरत थी। इसके अलावा, अमेरिका जेवलिन मिसाइल, ब्रैडली इन्फैंट्री फाइटिंग व्हीकल, एम113 आर्मर्ड पर्सनेल कैरियर, गश्ती नौकाएं और सामान्य छोटे हथियार गोला-बारूद, ग्रेनेड और विध्वंस युद्ध सामग्री भी मुहैया करा रहा है।

उप-प्रधानमंत्री डार अगले सप्ताह जाएंगे चीन, सऊदी अरब के प्रिंस सलमान ने टाली पाकिस्तान की यात्रा

इस्लामाबाद, 11 मई (एजेंसियां) ।

सऊदी अरब के प्रिंस वली अहद मोहम्मद बिन सलमान अब पाकिस्तान नहीं आ रहे हैं। अज्ञात कारणों से उन्होंने यात्रा टाल दी है। बताया जा रहा कि दो दिवसीय यात्रा पर 19 मई को इस्लामाबाद आने की उम्मीद थी। वहीं, पाकिस्तान के नवनियुक्त उप प्रधानमंत्री इशाक डार अगले सप्ताह चीन की यात्रा पर जाएंगे। वली अहद की यात्रा टालने पर विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जेहरा बलूच ने कहा कि इस्लामाबाद और रियाद के बीच कार्यक्रम तय होते ही यात्रा का विवरण सार्वजनिक किया जाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि यह यात्रा जल्द ही होगी और निश्चित रूप से मूल्यवान होगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के लोग उत्सुकता से वली अहमद की प्रतीक्षा कर रहे थे।

पाकिस्तान के लिए अहम थी यह यात्रा

मार्च में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सऊदी अरब की यात्रा के बाद पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हाल ही में राजनयिक और व्यापार संबंधी व्यस्तताओं के बाद उच्च स्तरीय यात्रा होने की संभावना थी। बताया जा रहा था कि नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए सऊदी अरब के नेता का आना बहुत महत्वपूर्ण था। अगर वली अहद मोहम्मद बिन सलमान पाकिस्तान की यात्रा पर आते हैं तो यह इस देश के लिए काफी मददगार होगा। सऊदी अरब आने वाले दिनों में पाकिस्तान में पांच अरब डालर का निवेश कर सकता है। बता दें, यह पांच साल में मोहम्मद बिन सलमान की पाकिस्तान की पहली यात्रा होगी, इससे पहले वह पिछली बार फरवरी 2019 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के शासन के दौरान देश के दौरे पर आए थे।

उप प्रधानमंत्री इशाक डार अगले सप्ताह चीन जाएंगे

पाकिस्तान के नवनियुक्त उप प्रधानमंत्री इशाक डार 13 मई को चीन की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह शीर्ष चीनी नेताओं से मुलाकात करेंगे और द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा करेंगे, जिसमें अरबों डॉलर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना का उन्नयन भी शामिल है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बताया कि डार, जो विदेश मंत्री भी हैं, अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ 5वीं पाकिस्तान-चीन विदेश मंत्रियों की रणनीतिक वार्ता की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान, डार और वांग बहुपक्षीय मंच पर उभरते क्षेत्रीय भू-राजनीतिक परिदृश्य और द्विपक्षीय सहयोग पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

भारतीय-अमेरिकी अरबपति के फंडरेजर कार्यक्रम में शामिल हुए राष्ट्रपति बाइडन, पार्टी ने जुटाए 12 करोड़

वॉशिंगटन, 11 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय-अमेरिकी अरबपति विनोद खोसला ने चुनावी फंडरेजर के लिए सिलिकॉन वैली में स्थित अपने आवास पर राष्ट्रपति जो बाइडन की मेजबानी की। इस दौरान डेमोक्रेटिक पार्टी के संभावित उम्मीदवारों ने 1.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर (12 करोड़ रुपये से ज्यादा) जुटाए। सन माइक्रोसिस्टम्स के सह- संस्थापक और खोसला वेंचर्स के संस्थापक विनोद खोसला के आवास पर फंडरेजर के लिए टिकटों की कीमत 6,600 अमेरिकी डॉलर से लेकर 100,000 अमेरिकी डॉलर तक थी।

भारतीय-अमेरिकी द्वारा आयोजित फंडरेजर कार्यक्रम में शामिल हुए राष्ट्रपति बाइडन

2024 में ऐसा पहली बार हुआ है कि राष्ट्रपति बाइडन किसी भारतीय-अमेरिकी द्वारा आयोजित फंडरेजर में शामिल हुए। सिलिकन वैली इलाके में आयोजित इस फंडरेजर कार्यक्रम में 15 लाख से भी अधिक धन जुटाए गए। वहां लगभक 50 लोग बैठे थे, जबकि 30 के करीब खड़े थे। इस दौरान राष्ट्रपति बाइडन ने आव्रजन और महिलाओं के अधिकार पर ज्यादा फोकस किया।

बाइडन ने कहा, अमेरिका जेनोफोबिक (विदेशियों के प्रति अत्यधिक नापसंदगी या डर रखने वाला) देश नहीं है। उन्होंने इस दौरान भारत और जापान का नाम नहीं लिया। दरअसल, इससे पहले वॉशिंगटन में एक फंडरेजर कार्यक्रम के दौरान बाइडन ने भारत और जापान को जेनोफोबिक देश बताया था, जिसके बाद वह विवादों में घेरे में आ गए थे। बाइडन ने कहा, अप्रवासी अमेरिका की कार्यनीति में एक महत्वपूर्ण योगकर्ता रहे हैं, शानदार। हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं, इसका एकमात्र कारण यह है कि हम जेनोफोबिक नहीं है। हमारे पास यहां आने वाले अप्रवासियों का इनपुट है। इससे हमारे देश का आर्थिक विकास हो रहा है।

राष्ट्रपति बाइडन ने किया विनोद खोसला का धन्यवाद

फंडरेजर कार्यक्रम की मेजबानी कर रहे विनोद खोसला ने राष्ट्रपति बाइडन का परिचय कराया। राष्ट्रपति ने कहा, विनोद और नीरू आपका धन्यवाद। परिचय कराने के लिए आपका बहुत धन्यवाद। आप जानते हैं एक बड़े परिवार में किसी बच्चे के लिए बुरी खबर यह है कि आपके पास इससे बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं होता है।

राष्ट्रपति ने आगे कहा, हमें अपने आवास में निमंत्रित करने के लिए आपका धन्यवाद। मैं यहां आपके कुत्तों को देखने आया हूं। मुझे कभी कभी लोगों की तुलना में कुत्ते ज्यादा पसंद आते हैं। बाइडन के भाषण लेखक विनय रेड्डी भी व्हाइट हाउस के शीर्ष अधिकारियों में से एक हैं। वह भी इस फंडरेजर कार्यक्रम में शामिल हुए। खोसला आवास की तरफ जाने के दौरान रास्ते में इजराइली और फलस्तनी समर्थकों ने राष्ट्रपति बाइडन का स्वागत किया। बता दें कि संघीय चुनाव आयोग की रिकॉर्ड के अनुसार, खोसला ने अब तक डेमोक्रेटिक संगठनों और अभियानों के लिए 14 लाख रुपये दिए हैं। डेमोक्रेटिक नेशनल समिति के राष्ट्रीय वित्त समिति के सदस्य अजय भुटोरिया भी फंडरेजर कार्यक्रम में शामिल हुए।

15 मई को मनाया जाएगा मां बगलामुखी प्रकटोत्सव

हर साल वैशाख मास में पड़ने वाली शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर बगलामुखी जयंती मनाई जाती है। मान्यता है कि जो लोग सच्चे मन से देवी बगलामुखी की आराधना करते हैं, उन्हें जीवन में कभी भी किसी तरह की समस्या नहीं होती है। सनातन धर्म में देवी बगलामुखी की पूजा का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, जो भी भक्त सच्चे मन से मां बगलामुखी की आराधना करता है, उसके जीवन में आ रही सभी परेशानियां देवी हर लेती हैं। इसके अलावा देवी की पूजा खासतौर पर कोर्ट-कचहरी और शत्रुओं से छुटकारा पाने के लिए की जाती है। देवी को बगलामुखी, पीताम्बरा, बगला, वल्गामुखी, वगलामुखी, ब्रह्मास्त्र विद्या आदि नामों से भी जाना जाता है। माँ बागलमुखी मंत्र कुंडलिनी के स्वाधिष्ठान चक्र को जागृति में सहायता करतीं हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार, हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन बगलामुखी जयंती मनाई जाती है। बगलामुखी जयंती को मां बगलामुखी प्रकटोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। इस साल 15 मई 2024 को बगलामुखी जयंती मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां बगलामुखी की पूजा दस महाविद्या के रूप में भी की जाती है। इसी वजह से देश के कई राज्यों में इन्हें बुद्धि की देवी के नाम से जाना जाता है। हालांकि कुछ लोग मां बगलामुखी की पूजा पीताम्बरा देवी के रूप में भी करते हैं। मां बगलामुखी के नाम का अर्थ है, जीभ पर कड़ी पकड़ होना और एक ऐसा व्यक्ति जो कभी भी किसी का भी दिमाग कंट्रोल कर सके। मां बगलामुखी को पीला रंग अति प्रिय है। बगलामुखी जयंती के दिन मां को पीले रंग के कपड़े, फूल या मिठाई अर्पित करना शुभ होता है।

देवी बगलामुखी का सिंहासन रत्नों से जड़ा हुआ है और उसी पर सवार होकर देवी शत्रुओं का नाश करती हैं। देवी बगलामुखी दसमहाविद्या में आठवीं महाविद्या हैं यह स्तम्भन की देवी हैं। संपूर्ण ब्रह्माण्ड की शक्ति का समावेश हैं माता शत्रुनाश, वाकसिद्धि, वाद विवाद में विजय के लिए इनकी उपासना की जाती है। इनकी उपासना से शत्रुओं का नाश होता है तथा भक्त का जीवन हर प्रकार की बाधा से मुक्त हो जाता है। कहा जाता है कि देवी के सच्चे भक्त को तीनों लोक मे अजेय है, वह जीवन के हर क्षेत्र में सफलता पाता है।

बताया कि मान्यता है कि एक बार भारी बाढ़ आई थी जिसके परिणामस्वरूप पृथ्वी का पूर्ण विनाश हुआ था। सभी जीवित प्राणी और पूरी सृष्टि दांव पर थी। देवताओं ने तब भगवान शिव से सहायता मांगी। देवता ने सुझाव दिया कि केवल देवी शक्ति में ही तूफान को शांत करने की शक्ति है। पृथ्वी को पीड़ा से बचाने के लिए देवी बगलामुखी हरिद्रा सरोवर से निकलीं और उन सभी को बचाया। उस दिन के बाद से, देवी बगलामुखी को विपत्तियों और बुराइयों से राहत पाने के लिए पूजा जाता है।

बताया कि हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह माना जाता है कि जो भक्त देवी बगलामुखी की पूजा करते हैं, वे अपने शत्रुओं पर सम्पूर्ण नियंत्रण पा कर उनसेस छुटकारा पा लेते हैं।देवी व्यक्ति को उसकी भावनाओं और व्यवहार पर नियंत्रण की भावना भी प्रदान करती है अर्थात् क्रोध, मन के आवेग, जीभ और खाने की आदतों पर। आत्म-साक्षात्कार और योग की प्रक्रिया में, इस तरह के नियंत्रण की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। यह भी माना जाता है कि देवी की पूजा करने से, खुद को काले जादू और अन्य गैर-घटनाओं से बचा सकते हैं। व्यक्ति दूसरों को सम्मोहित करने के लिए शक्तियों को प्राप्त करने के लिए भी देवता की पूजा करते हैं।किसी कानूनी समस्या से मुक्त होने के लिए भी देवता की पूजा की जाती है। जो भक्तिपूर्वक देवी की आराधना करता है, वह प्रभुत्व, वर्चस्व और शक्ति से परिपूर्ण हो जाता है।

शुभ मुहूर्त

बगलामुखी जयंती के दिन देवी की पूजा के दो शुभ मुहूर्त हैं। 15 मई को ब्रह्म मुहूर्त का आरंभ प्रात: काल 04:13 मिनट से हो रहा है, जिसका समापन सुबह 05:01 मिनट पर होगा। वहीं सर्वार्थ सिद्धि योग का आरंभ 14 मई 2024 को दोपहर 01: 05 मिनट से हो रहा है, जिसका समापन अगले दिन 15 मई को प्रात: काल 05: 49 मिनट पर होगा। इन दोनों ही शुभ मुहूर्त में आप मां बगलामुखी की उपासना कर सकते हैं।

मां बगलामुखी दिलाती हैं शत्रुओं पर विजय

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि मान्यता के अनुसार, मां बगलामुखी अपने भक्तों के मन से भय को दूर कर शत्रुओं पर विजय दिलाती है। साथ ही मुकदमे में जीत हासिल करने के लिए मां बगलामुखी की उपासना अचूक मानी जाती है और यहीं नहीं मां बगलामुखी बुरी शक्तियों का नाश करने वाली कही जाती है। मां बगलामुखी की पूजा करने से भक्त भयंकर रोगों पर विजय प्राप्त करता है। मां बगलामुखी की कृपा से भक्त की सभी प्रकार की समस्याएं और बाधाएं नष्ट हो जाती हैं। जीवन आनंद और सुखमय होता है। दरिद्रता नाश के लिये माँ बगलामुखी की उपासना की जाती हैं।

मां बगलामुखी का मंत्र जाप

ऊँ ह्रीं बगलामुखी सर्वदुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तंभय, जिह्वां कीलय, बुद्धि विनाशय, ह्रीं ॐ स्वाहा

इस मंत्र का जाप कम से कम 108 बार करने से माना जाता है कि मां बगलामुखी प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों को सभी दुख और बाधाओं से मुक्त करती हैं.

पूजा विधि

मां बगलामुखी की पूजा के लिए इस दिन प्रात: काल उठकर स्नानादि से निवृत्त होकर, पीले वस्त्र धारण कर लें। ध्यान रहे साधना अकेले में, मंदिर या किसी सिद्ध पुरुष के साथ ही बैठकर करें। देवी की पूजा करने के लिए पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठें। उसी दिशा में चौकी पर पीला वस्त्र बिछाकर माता बगलामुखी की फोटो या मूर्ति स्थापित करें। देवी के पास स्वच्छ जल से भरा एक कलश स्थापित करें। अब दीप प्रज्वलित करें और हाथ में पीले चावल, पीले फूल, हरिद्रा और दक्षिणा लेकर संकल्प करें। संकल्प के बाद आचमन करके हाथ धोएं और आसन पवित्रीकरण करें। अब, देवी मां को सिंदूर, रोली, पान, धूप, चावल, बेलपत्र, गंध, नैवेद्य आदि अर्पित करें। इसके बाद माता की आरती उतारें और अंत में लोगों के बीच प्रसाद वितरण करें।पीले फूल और नारियल चढाने से देवी प्रसन्न होती हैं। देवी को पीली हल्दी के ढेर पर दीप-दान करें, देवी की मूर्ति पर पीला वस्त्र चढाने से बड़ी से बड़ी बाधा भी नष्ट होती हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

15 मई को वृषभ राशि में प्रवेश करेंगे सूर्य

30 दिनों तक वृषभ राशि में रहेंगे ग्रहों के राजा सूर्य

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हर ग्रह के राशि परिवर्तन से हर राशि के जातकों के जीवन पर सकारात्मक या फिर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसी तरह सूर्य के गोचर होने से भी कुछ राशियों को अपार लाभ मिलेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इन दिनों सूर्य मेष राशि में गोचर कर रहे हैं। इसके साथ ही 15 मई को मेष राशि से निकलकर वृषभ राशि में प्रवेश कर जाएंगे। सूर्य के इस गोचर से कुछ राशियों को विशेष लाभ मिलेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 15 मई को सूर्य 17:52 मिनट में मेष राशि से निकलकर वृषभ राशि में प्रवेश कर जाएंगे। इसके साथ वृषभ राशि में पूरे एक माह यानी 15 जून तक रहेंगे। सूर्य के इस गोचर से 6 राशियों पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ेगा। ज्योतिष में सूर्य को तेज, मान-सम्मान और यश, उच्च पद-प्रतिष्ठा, आदि का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार सूर्य का राशि परिवर्तन एक महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। जिसका प्रभाव सभी राशि के जातकों पर पड़ता है। सिंह राशि के स्वामी सूर्य तुला राशि में नीचराशि तथा मेष राशि में उच्चराशिगत संज्ञक माने गए हैं। उच्च भाव में ग्रह अधिक मजबूत और बलशाली होते हैं। जबकि नीच राशि में ये कमजोर हो जाते हैं। सेहत के नजरिये से भी महत्वपूर्ण सूर्य को जल चढ़ाना सेहत के लिए भी फायदेमंद है। उगते हुए सूर्य को चल चढ़ाने से शरीर को विटामिन डी की भरपूर मात्रा में मिलता है। सूर्य की किरणें शरीर में मौजूद बैक्टीरिया को दूर कर निरोगी बनाने का काम करती हैं। इससे शरीर स्वस्थ रहता है। इंसान का शरीर पंच तत्वों से बना होता है। इनमें एक तत्व अग्नि भी है। सूर्य को अग्नि का कारक माना गया है। इसलिए सुबह सूर्य को जल चढ़ाने से उसकी किरणें पूरे शरीर पर पड़ती हैं। इससे हार्ट, स्कीन, आंखें, लिवर और दिमाग जैसे सभी अंग सक्रिय हो जाते हैं। शरीर के ऊर्जा चक्र को सक्रिय करने में मददगार ज्योतिष ग्रंथों में भी सूर्य को आत्मा का कारक माना गया है। इसलिए सुबह जल्दी उठकर सूर्य देव के दर्शन से मन प्रसन्न होता है। इससे सकारात्मक रहने और अच्छे काम करने की प्रेरणा मिलती है। सूर्य पूजा से शरीर में स्फूर्ति भी आती है। उगते हुए सूर्य की किरणें हमारी आंखों के लिए अच्छी होती है। ये हमारे शरीर के ऊर्जा चक्र को सक्रिय करने में भी मदद करती हैं। सूर्य को जल चढ़ाने से मन में अच्छे विचार आते हैं, जिससे प्रसन्नता महसूस होती है। इससे सोचने-समझने की शक्ति भी बढ़ती है। ये व्यक्ति की इच्छाशक्ति को मजबूत करने का भी काम करता है।

सूर्य का शुभ - अशुभ प्रभाव

सूर्य के शुभ प्रभाव से जॉब और बिजनेस में तरक्की के योग बनते हैं और लीडरशीप करने का मौका भी मिलता है। ज्योतिष में सूर्य को आत्माकारक ग्रह कहा गया है। इसके प्रभाव से आत्मविश्वास बढ़ता है। पिता, अधिकारी और शासकिय मामलों में सफलता भी सूर्य के शुभ प्रभाव से मिलती है। वहीं सूर्य का अशुभ प्रभाव असफलता देता है। जिसके कारण कामकाज में रुकावटें और परेशानियां बढ़ती हैं। धन हानि और स्थान परिवर्तन भी सूर्य के कारण होता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती है।

देश-दुनिया में बड़े बदलाव

16 मई से 15 जून तक दुनिया भर में प्राकृतिक आपदा अधिक रहेगी। भारत में भी हिंसा हो सकती है। दुनिया भर में धार्मिक आस्था के कारण लोग सड़क पर होंगे। इस साल मुंबई में भारी बारिश होने की संभावना अधिक रहेगी। मोदी सरकार में मंत्रिमंडल में कई चौंकाने वाले नाम होंगे और जून जुलाई का समय थोड़ा कठिन रहेगा स्वास्थ्य समस्याओं के कारण मोदी की यात्रा में थोड़ा बदलाव होगा।

मोदी की सभी जगह प्रशंसा और प्रसिद्धि होगी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनेगी। रियल स्टेट के कारोबार में वृद्धि होगी। विदेशों में राजनीतिक उठापटक सत्ता परिवर्तन इत्यादि होने की संभावना। भारतीय बाजारों में अचानक तेजी आएगी और व्यापार बढ़ेगा। अचानक किसी वस्तु के दाम बढ़ेंगे और बाजार से वह वस्तु गायब होगी। प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। होटल रेस्टोरेंट वालों के लिए बहुत ही अच्छा समय होगा। सांस्कृतिक

रूप से कोई कोई विवाद या उत्तल पुथल होने की संभावना।

उपाय

भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखे। रोज गुढ़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें । जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें । भगवान सूर्य की स्तुति आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें ।

सूर्य के वृषभ राशि में जाने पर सभी राशियों पर क्या होगा प्रभाव।

मेष राशि

अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना होगा, वरना पारिवारिक संबंध खराब होंगे। हालांकि धन स्थान में गोचर होने के कारण इनके लिए धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। दांपत्य जीवन में मनमुटाव, तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ राशि

स्वभाव में क्रोध की अधिकता होगी। किसी प्रकार का पुराना रोग उभरने की आशंका है, इसलिए स्वास्थ्यगत लक्षणों पर बारीकी से नजर बनाए रखें। इस राशि के जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उनकी इच्छा पूरी होगी।

मिथुन राशि

पारिवारिक जीवन के लिए यह समय ज्यादा ठीक नहीं कहा जा सकता। जीवनसाथी की बीमारी पर खर्च करना होगा। यात्रा के दौरान सावधानी रखें। इस राशि के विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी।

कर्क राशि

पारिवारिक और सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतानपक्ष की ओर से कोई सुखद समाचार प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की, पदोन्ति मिलने के योग हैं। अपनी कमाई से मकान, भूमि, वाहन खरीदने के योग बनेंगे। प्रेम संबंधों में गर्माहट आएगी।

सिंह राशि

आलस्य का त्याग करें और परिवार की सलाह जरूर लें। नौकरी में तरक्की, व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी। बेरोजगारों को अच्छा जॉब मिल सकता है। अविवाहितों के विवाह की बात बन जाएगी। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे।

कन्या राशि

रोगों से मुक्ति भी मिलने वाली है। इस राशि वालों को एक बात का विशेष ध्यान रखना होगा कि किसी प्रकार का गलत कार्य, चोरी, झूठ बोलना या विवाहेत्तर संबंधों से बचें वरना प्रतिष्ठा धूमिल होते देर नहीं लगेगी।

तुला राशि

वाहन से दुर्घटना चोट लगने की आशंका है। निवेश किया गया पैसा डूब सकता है। दांपत्य जीवन में कड़वाहट आ सकती है। प्रेम संबंधों में धोखा मिल सकता है। हालांकि इन्हें इस बात से खुश हो जाना चाहिए कि सूर्य के इस गोचर के अंतिम सात दिनों में इन्हें कोई बड़ा लाभ मिल सकता है।

वृश्चिक राशि

विद्यार्थियों को कोई बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। जिन लोगों के विवाह में रूकावट आ रही है वह दूर होगी। भौतिक सुख सुविधाएं प्राप्त होंगी लेकिन इसमें जीवनसाथी का सहयोग आवश्यक रहेगा।

धनु राशि

कोर्ट कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह गोचर ठीक नहीं कहा जा सकता। बाहरी खान-पान का ध्यान रखें। अधिक मात्रा में भोजन करना दुखदायी हो सकता है।

मकर राशि

जीवनसाथी के साथ किसी बात पर मनमुटाव हो सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से सूर्य का गोचर मकर राशि वालों के लिए बेहतर रहेगा। पुराने रोगों से मुक्ति मिलेगी। बीमारियों पर हो रहा खर्च बंद होगा।

कुंभ राशि

भौतिक सुख-सुविधाएं, संपत्ति, वाहन सुख प्राप्त होगा। जो लोग कोई नया कार्य प्रारंभ करना है तो वक्त अच्छा है, कार्य शुरू कर सकते हैं। पार्टनरशिप में भी कार्य प्रारंभ किया जा सकता है। जो लोग जॉब बदलना चाहते हैं वे बदलाव कर सकते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से वक्त सुधार का है।

मीन राशि

दंपतियों के बीच मनमुटाव चल रहा है उनके मतभेद दूर होंगे और फिर से अच्छे सुखद वैवाहिक जीवन का आनंद ले सकेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। स्वास्थ्य के लिहाल से समय बेहतरी का है। रोगों पर होने वाला खर्च कम होगा।

महाकाल का अनोखा भक्त! अमेरिकन डायमंड जड़ित मुकुट किया दान

श्री वैकंटेश्वर स्वरूप में किया श्रृंगार

विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल की नगरी में प्रतिदिन लाखों के संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन लगा रहता है।

वहीं भगवान महाकालेश्वर के दर्शन और पूजन के साथ ही भक्त यहां पर अलग-अलग तरह का चढ़ावा भी भगवान महाकाल को चढ़ाते हैं। गुरुवार को भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला एक भक्त ने महाकाल को अमेरिकन डायमंड से जड़ा मुकुट दान किया।

महाकाल के भक्त कृष्ण वर्मा दानदाता ने बताया कि वे भगवान महाकालेश्वर के भक्त है और स्वयं ही बाबा महाकाल के लिए कई प्रकार की श्रृंगार सामग्री इंदौर निवासी राजवीर सोनी के साथ मिलकर तैयार करते है।

इस बार उन्होंने अमेरिकन डायमंड से करीब एक महीने में भगवान बैंकटेश्वर की तरह मुकुट और श्रृंगार सामग्री तैयार की है।

बाबा महाकाल के भक्त देश ही नहीं विदेशों मे भी है। ऐसा ही एक भक्त जो की धार निवासी है।

उन्होंने भगवान महाकाल के भक्त कृष्णा वर्मा ने अमेरिकन डायमंड से तैयार किया गया मुकुट और श्रृंगार सामग्री मंदिर के आकाश राजेश शर्मा गुरू की प्रेरणा से भगवान महाकाल को अर्पित की है।

मंदिर से प्रसाद के रूप में मिले हैं भगवान पर चढ़े फूल? घर लाकर क्या करें इनका

जब हम भगवान के मंदिर जाते हैं तो हमें भगवान के आर्शीवाद के रूप में मंदिर के पुजारी उन पर अर्पित फूलों को देते हैं. ये फूल हम घर लेकर आते हैं और कुछ ही दिनों में इनके सुख जाने पर इन्हें किसी भी स्थान पर रख देते हैं. धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से अशुभ परिणाम मिल सकते हैं. अगर आप मंदिर जाते हैं और वहां से फूलों को लेकर आते हैं तो इनके सूख जाने के बाद आपको पता होना चाहिए कि इनका सही स्थान क्या है. कई लोग फूलों के सूख जाने के बाद इसे घर के कचरे में डाल देते है. ऐसा करने से इसका विपरीत प्रभाव पड़ने लगता है. इन फूलों का क्या करें? आइए जानते हैं

क्या करें मंदिर से मिले फूलों का?

अपने घर की तिजोरी में रखें

अगर आप भगवान के फूल प्रसाद के रूप में घर लाते हैं तो इन्हें अपने घर की तिजोरी में लाल कपड़े में रखें. ऐसा करने से धन वृद्धि होती है. इसके साथ ही फूल शुभता का प्रतीक माने जाते हैं, जो घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं.

मंदिर से मिले फूलों को करें जल में विसर्जित

अगर आप मंदिर से लाएं फूलों को घर में नहीं ले जाते हैं तो इसे जल में विसर्जित कर दें. इससे भगवान पर चढ़ें फूलों का अपमान नहीं होगा. जब भी आप फूलों को जल में प्रवाहित करते हैं तो यह शुभ होता है क्योंकि इसे पुष्पांजलि के रूप में माना जाता है.

फूलों से बनाएं खाद

भगवान पर चढ़े फूलों को आप यहां-वहां न फेंके. इससे बुरे परिणाम मिल सकते हैं क्योंकि ये फूल आपको मंदिर से प्रसाद के रूप में मिले हैं. इनके सूख जाने के बाद आप इसे अपने घर के बगीचे या किसी गमले में दबाकर रख सकते हैं. यह खाद की तरह कार्य करेगा. भगवान पर चढ़ाए फूलों की खाद शनि की परिवर्तनकारी ऊर्जा है. इसके साथ ही जब आप इसका इस्तेमाल घर के बगीचे में करते हैं तो इससे शनि देव की कृपा मिलती है.

मंदिर के फूलों को पेड़ के पास रखें

मंदिर से मिले फूलों को आप किसी पेड़ के नीचे भी रख सकते हैं. ये पेड़ पीपल, बरगद का भी हो सकता है. बस आपको इस बात का ख्याल रखना है कि पेड़ों के पास सफाई हो, गंदगी में इन फूलों को न रखें. ऐसा करने से फूलों को सही स्थान भी मिल जाएगा और उनका अपमान भी नहीं होगा.

जाह्नवी कपूर ने थाई-हाई स्लिट गोल्डन स्कर्ट पहन फ्लॉन्ट किया कर्व्स

हॉट तस्वीरें सोशल मीडिया पर हुई वायरल

बी-टाउन की खूबसूरत हसीना जाह्नवी कपूर अपने फैशन स्टेटमेंट्स और बोल्ड लुक्स के कारण चर्चाओं में बनी रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही बवाल मचा देता है। हाल ही में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस आहें भरते हुए नजर आ रहे हैंएक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर लोग दीवाने हो गए हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने बेहद ही रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कातिलाना पोज देती हुई नजर आ रही हैं।जाह्नवी कपूर जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।इन तस्वीरों एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा- ये क्या बवाल है वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है सो ब्यूटिफुल। फिर अन्य यूजर ने लिखा है- इतनी खूबसूरत, तीसरे यूजर ने लिखा यू लुक लाइक क्वीन।बता दें एक्ट्रेस ट्रेडिशनल हो या फिर वेस्टर्न अपने हर लुक में कहर ढाती हैं। उनका हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है। साथ ही लोग उन्हें फॉलो भी करते हैं।जाह्नवी कपूर अपनी ग्लैमरस अदाओं से फैंस का ध्यान खींचना अच्छे से जानती हैं। और उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर बवाल मचा देता है।एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। और आए दिन अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं।

विजय देवराकोंडा के फैंस को एक और बड़ा तोहफा, हुआ नई पीरियड फिल्म का ऐलान

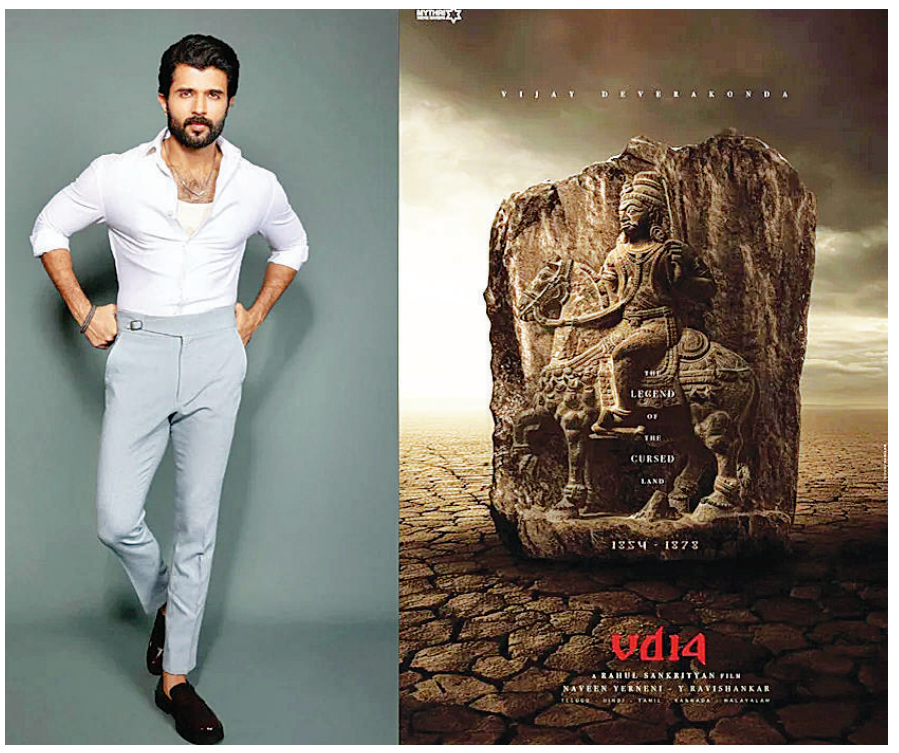

अर्जुन रेड्डी स्टार विजय देवराकोंडा के 35वां बर्थडे के मौके पर एक्टर की दूसरी फिल्म वीडी 14 का ऐलान हुआ है । मैत्री मूवी मेकर्स ने एक्टर को बर्थडे विश कर उनके फैंस को बड़ा तोहफा दिया है। मेकर्स ने बीती 8 मई को एलान किया था कि वह 9 मई को एक्टर के फैंस को बड़ा तोहफा देंगे। वहीं, मेकर्स ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक्टर की नई फिल्म का एलान किया है। साथ ही एक पोस्टर भी छोड़ा है। इसके साथ ही फिल्म से जुड़ी अहम जानकारी भी शेयर की है।मैत्री मूवी मेकर्स ने विजय देवराकोंडा की नई फिल्म वीडी14 से एक पोस्टर शेयर कर लिखा है, महानता लिखी नहीं जाती है, बल्कि हीरो उसे लेकर पैदा होता है, पेश है, वीडी14 द लीजेंड ऑफ द कर्स्ड लैंड, विजय देवराकोंडा को जन्मदिन मुबारक, फिल्म को राहुल संकृतियन डायरेक्ट करेंगे और फिल्म के प्रोड्यूसर मैत्री मूवी मेकर्स। बता दें, यह एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जो 1858 से 1878 तक के पीरीयड पर बेस्ड होगी, जैसा कि इसके पोस्टर में यही दिखाया गया है।बता दें, इससे पहले रवि किरण कोल्ला और श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस ने एक्टर के साथ अपनी नई फिल्म का एलान कर दिया है। इस फिल्म का नाम राउडी जर्नादन बताया जा रहा है।फिल्म को रवि किरण डायरेक्ट करेंगे।

सच्चाई और प्यार की हमेशा जीत होती है : सुम्बुल

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो काव्या एक जज़्बा एक जुनून की अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर खान का कहना है कि जब प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, तो सच्चाई और प्यार की हमेशा जीत होती है।

शो काव्या - एक जज़्बा, एक जुनून में अधिराज प्रधान (मिश्कत वर्मा) झूठे आरोपों के दुर्भावनापूर्ण जाल में घिरा है, लेकिन अधिराज की पत्नी काव्या (सुम्बुल तौकीर खान) इस चुनौती का सामना करती है और अपने नाम पर लगे आरोपों को दूर करने और सत्य को उजागर करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। आगामी सप्ताह एक मनोरंजक कोर्ट रूम ड्रामा देखने को मिलेगा, जिसमें अधिराज की मां, मालिनी प्रधान और काव्या अधिराज की बेगुनाही साबित करने के लिए मिल जाती हैं।सुम्बुल तौकीर खान ने कहा,मुझे सच में विश्वास है कि जब प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, तो सच्चाई और प्यार की हमेशा जीत होती है, और जब न्याय मांगने की बात आती है, तो कोई पीछे नहीं हटता। जो सही है उसके लिए लड़ने के लिए आपको वह सब करना चाहिए जो करना आवश्यक है।

मनोज वाजपेयी की फिल्म भैया जी का नया ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी की आने वाली फिल्म भैया जी का नया ट्रेलर रिलीज हो गया है।

भैया जी, मनोज बाजपेयी के करियर की 100वीं फिल्म है। 'भैया जी' का नया ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।ट्रेलर की शुरूआत में फिल्म का एक किरदार बार-बार पूछता है कि भैया जी कौन है? बार-बार पूछने पर भी जब उसे जवाब नहीं मिलता तो वह एक बार फिर चिल्लाकर पूछता है।इसके जवाब में दूसरा किरदार कहता है कि पॉलिटिक्स की बात करें को सत्ता पक्ष को विपक्ष और विपक्ष को सत्ता पक्ष करने के मास्टरमाइंड भैया जी। उनके फावड़े ने हजारों कुकर्मियों को संसार से मुक्त किया है। एक समय था, जब कुकर्मी मात्र उनकी कहानियां सुनकर कुकर्म त्याग देता था। उस समय सरकार भी वही थे, प्रजा भी वही थे, क्राइम भी वही थे, कानून भी वही थे।भैया जी, रॉबिन हुड नहीं हैं वो उसका बाप है।

फ़िल्म श्रीकांत - आ रहा है सबकी आखें खोलने का गाना जीना सिखा दे रिलीज

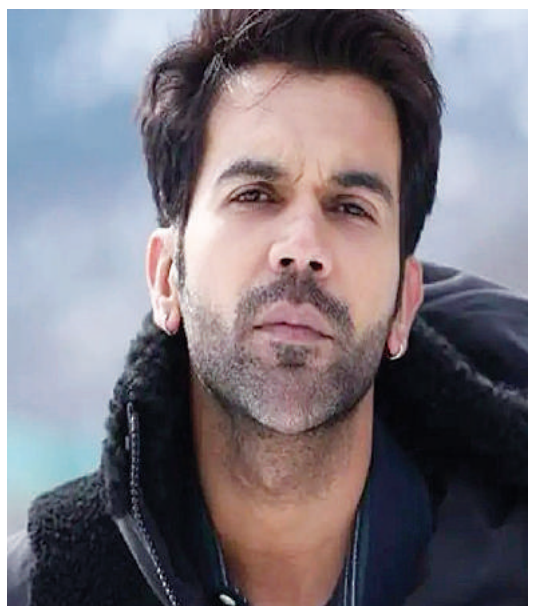

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव की आने वाली फिल्म श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने का गाना जीना सिखा दे रिलीज हो गया है।

गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ फिल्म्स प्रस्तुत और चॉक एन चीज़ फिल्म्स के बैनर तले तुषार हीरानंदानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने'में राजकुमार राव की मुख्य भूमिका है। यह फिल्म इस साल अक्षय तृतीया के शुभ अवसर 10 मई को रिलीज़ होने के लिए तैयार है।इस फिल्म का गाना जीना सिखा देरिलीज हो गया है। गाना 'जीना सिखा दे' को अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज़ दी है। अरिजीत सिंह द्वारा स्वरबद्ध किये गए इस गाने को वेद शर्मा द्वारा संगीतबद्ध किया गया है।कुणाल वर्मा ने गाने को लिखा है। यह दिल को छू लेने वाला ट्रैक राजकुमार राव के किरदार श्रीकांत और अलाया एफ के किरदार स्वाति के बीच के निस्वार्थ प्रेम को खूबसूरती से दर्शाता है।फिल्म श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने' उद्योगपति श्रीकांत बोला की बायोपिक है, जिन्होंने अपनी दृश्यहीनता को अपने सपनों पर हावी नहीं होने दिया और बोलेंट इंडस्ट्रीज की स्थापना की।फिल्म 'श्रीकांत' में राजकुमार राव के अलावाा अलाया एफ, ज्योतिका और शरद केलकर की भी अहम भूमिका है।

77वें कान्स फिल्म महोत्सव में भारत पर्व मनाया जाएगा

कान्स फिल्म महोत्सव में यह भारत के लिए एक विशेष वर्ष है क्योंकि देश इस प्रतिष्ठित महोत्सव के 77वें संस्करण के लिए तैयार है।

यह पहली बार होगा कि भारत 77वें कान्स फिल्म महोत्सव में भारत पर्व की मेजबानी करेगा , जिसमें महोत्सव में भाग लेने वाले दुनिया भर के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति और प्रतिनिधि, फिल्मी हस्तियों, फिल्म निर्माताओं, निर्देशकों, निर्माताओं के साथ जुड़ सकेंगे। 20-28 नवंबर, 2024 को गोवा में आयोजित होने वाले 55वें भारत अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के आधिकारिक पोस्टर और ट्रेलर का अनावरण भारत पर्व पर किया जाएगा। भारत पर्व में 55वें आईएफएफआई के साथ आयोजित होने वाले प्रथम विश्व ऑडियो-विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) के लिए सेव द डेट का विमोचन भी होगा।

हीरामंडी में इंटीमेट सीन की वजह से इस परेशानी का शिकार हुई श्रुति शर्मा, एक्ट्रेस ने सुनाई आपबीती

एक्ट्रेस श्रुति शर्मा ने हीरामंडी: द डायमंड बाज़ार में साइमा के किरदार से लाखों दिल जीत लिए हैं। उनकी सादगी, शान और गायन कौशल ने उनके फैंस के मन में एक खूबसूरत जगह बना ली। हालाँकि, उनके काम की बात करें तो श्रुति ने 2019 में टेलीविजऩ सीरीज़ गठबंधन से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इससे पहले, एक्ट्रेस 2018 में रियलिटी शो इंडियाज़ नेक्स्ट सुपरस्टार्स में एक कंटेस्टेंट के तौर पर दिखाई दी थी। इसके बाद, वह 2021 में रिलीज़ हुई हिंदी फ़िल्म पगलैट में नजऱ आईं और अबू धाबी टेलीविजऩ के साथ अपने पहले अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट पर भी काम किया।अब, हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में, श्रुति शर्मा ने हीरामंडी: द डायमंड बाज़ार में डायरेक्टर, संजय लीला भंसाली के साथ काम करने के अपने अनुभव का खुलासा किया। खैर, साइमा के किरदार के बारे में बात करते हुए, वह मल्लिकाजान (मनीषा कोइराला) की बेटी, आलमज़ेबळ (शर्मिन सहगल) की एक खास नौकरानी के रूप में दिखाई देती हैं।उसी बातचीत में, श्रुति ने संजय के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बहुत कुछ बताया। फिर, उनसे उनके और रजत कौल के बीच रोमांटिक सीन के बारे में भी पूछा गया, जिन्होंने इकबालऴ (मल्लिकाजान के गाड़ीवान) का किरदार निभाया था।

चियान विक्रम के बेटे ध्रुव की नई फिल्म का ऐलान, सामने आया बायसन का धांसू पोस्टर

साउथ सुपरस्टार चियान विक्रम की मोस्ट अवेटेड फिल्म थांगलान की रिलीज से पहले एक्टर के फैंस को बड़ा तोहफ मिला है। विक्रम के बेटे ध्रुव विक्रम की नई फिल्म का एलान हुआ है। इससे पहले फिल्म से दो पोस्टर सामने आए थे, जिन्होंने विक्रम के फैंस की बैचेनी बढ़ा दी थी। अब इन पोस्टर्स पर्दा हट चुका है और फिल्म के नाम का खुलासा हो चुका है। फिल्म का नाम बायसन है और फिल्म से एक पोस्टर भी जारी हुआ है।इस पोस्टर में ध्रुव अपने घुटने को बल सिर नीचे करे बैठे हैं और उनके पीछे एक जंगली बैल का बड़ा सा स्टैच्यू है। इस फिल्म को मारी सेल्वाराज डायरेक्ट करने जा रहे हैं। ध्रुव ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर लिखा है, बायसन, उन सभी के लिए जो मेरे इंतजार में थे, इस निरंतर सपोर्ट और धैर्य के लिए

धन्यवाद, अपनी तीसरी फिल्म और विजनरी डायरेक्टर मारी सेल्वाराज के साथ नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर मैं बहुत उत्साहित हूं, बायसन की आज से शूटिंग शुरू। बता दें, ध्रुव ने साल 2019 में फिल्म आदित्य वर्मा से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। इसके बाद वह वर्मा (2020) में दिखे।

फिल्म स्टार फादर विक्रम की फिल्म महान (2022) में नजर आए। अब वह बतौर एक्टर अपनी नई फिल्म बायसन (2024) में नजर आने वाले हैं।बता दें, विक्रम अपनी तमिल फिल्म थंगलान से लंबे समय से चर्चा में हैं। इस फिल्म की शूटिंग लंबे अरसे से चल रही है और फिल्म की कई बार रिलीज डेट टल चुकी है और अभी तक फिल्म की अगली डेट का एलान नहीं किया गया है।

कांग्रेस पित्रोदा और अय्यर जैसे लोगों से अपने विभाजनकारी एजेंडे के लिए लेती है काम : तिवाड़ी

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान पर पलटवार करते हुए कहा हैं कांग्रेस सैम पित्रोदा और मणिशंकर अय्यर जैसे लोगों को अपने विभाजनकारी एजेंडे के लिए काम में लेती हैं वहीं श्री गहलोत घर के झगड़े का गुस्सा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयं सेवक (आरए-सएस) के बारे में अनर्गल बयान देकर उतार रहे हैं।

श्री तिवाड़ी शनिवार को यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए खास रणनीति के तहत श्री अय्यर और श्री पित्रोदा जैसे लोगों को अपना प्रमुख प्रवक्ता बनाया। ये प्रवक्ता भारत को तोड़ने और कमजोर करने वाले बयान देते हैं वहीं दूसरी और पाकिस्तान को मजबूत राष्ट्र बताकर भारत को ही धमकाने का काम करते हैं।

इन प्रवक्ताओं का मकसद विभाजनकारी ताकतों को प्रोत्साहित करके वोट बंटोरना है।

उन्होंने कहा कि इन नेताओं की मदद से कांग्रेस पाकिस्तान को मजबूत बताकर देश में अल्पसंख्यक वोट बैंक को मजबूत करती है। ये सब एक दिन में अचानक नहीं होता बल्कि ये एक सोची समझी

रणनीति के तहत किया जाता है। इसके बाद जैसे ही इन बयानों पर देश में विरोध होता है तो कांग्रेस खुद को इन बयानों से दूर रखकर किनारा कर लेती है। इन दोनों नेताओं का वक्तव्य कांग्रेस पार्टी की वास्तविकता का प्रदर्शन करते हैं।

उन्होंने कहा कि श्री गहलोत ने आरएसएस को लेकर जो व्यक्तव्य दिया वह उनकी हताशा और खुन्नस से ज्यादा कुछ भी नहीं है। आरएसएस देश में लोकमत परिष्कार का काम कर रही है और निः स्वार्थ भाव से किया गया यह काम अपने आप में बड़ा काम है। श्री तिवाड़ी ने कहा कि श्री गहलोत की यह खीज और हताशा साफ दर्शाती है कि उनका बेटा वैभव गहलोत चुनाव हार रहा है वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने श्री गहलोत को सम्मान नहीं दिया। जब वह रायबरेली कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नामांकन में जा रहे थे तो कांग्रेस ने उन्हें वापस बुलाकर अमेठी भेज दिया। खुद के घर के झगड़े का गुस्सा भाजपा और आरएसएस के बारे में अनर्गल बयान देकर उतार रहे हैं।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी की गारंटी केवल एक व्यक्ति की गारंटी नहीं है बल्कि भाजपा के एक सामान्य कार्यकर्ता की गारंटी है। आज बूथ मैनेजमेंट के मामले में भाजपा का कोई सानी नहीं है। कांग्रेस पार्टी के लोगों ने पहले राउंड में अपनी पराजय पहले ही मान ली थी, इसलिए कांग्रेस पार्टी के लोग मतदान करने नहीं आए। कांग्रेस के पोलिंग बूथ खाली रहे, और भाजपा के प्रत्येक बूथ पर पूरा मतदान हुआ।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि चुनाव परिणाम आने पर तस्वीर साफ होगी और यह स्पष्ट है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा प्रचंड बहुमत से सत्ता में आएगी वहीं कांग्रेस पार्टी को लोकसभा में मान्यता प्राप्त विपक्षी दल जितनी सीटें भी नहीं मिलेंगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। काम पर लोगों के साथ मेलजोल में समझ और धैर्य से सावधानी बरतें। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। हालांकि वरिष्ठों से कुछ विरोध के स्वर सुनाई देंगे– लेकिन फिर भी आपको दिमाग़ ठण्डा रखने की ज़रूरत है। यात्रा और भ्रमण वग़ैरह न सिर्फ़ आनन्ददायक सिद्ध होंगे, बल्कि काफ़ी शिक्षाप्रद भी रहेंगे। आप और आपका जीवनसाथी मिलकर वैवाहिक जीवन की बेहतरीन यादें रचेंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दूसरों के सफलता को सराहकर आप उसका लुत्फ़ ले सकते हैं। ख़ास लोग ऐसी किसी भी योजना में रुपये लगाने के लिए तैयार होंगे, जिसमें संभावना नज़र आए और विशेष हो। प्यार में अपने अशिष्ट वर्ताव के लिए माफ़ी मांगें। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। अगर आप और आपका जीवनसाथी खाने-पीने पर ज़्यादा ध्यान देंगे, तो सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट-कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आपका संगी आपसे सिर्फ कुछ समय चाहता है लेकिन आप उनको समय नहीं दे पाते जिससे वो खिन्न हो जाते हैं। आज उनकी यह खिन्नता स्पष्टता के साथ सामने आ सकती है। रोमानी नज़रिए से वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

धार्मिक भावनाओं के चलते आप किसी तीर्थस्थल की यात्रा करेंगे और किसी संत से कुछ दैवीय ज्ञान प्राप्त करेंगे। काम का तनाव आपके दिमाग़ पर छा सकता है जिसकी वजह से परिवार और मित्रों के लिए वक़्त नहीं निकाल सकेंगे। आज प्यार की कमी महसूस हो सकती है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। घर के कामों को पूरा करने के बाद इस राशि की गृहणियां आज के दिन फ़ुर्सत महसूस करेंगी । आपको एहसास होगा शाम का वक्त सुकून भरा हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप ख़ुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का ख़याल रखेगी। आज आपका मन ऑफ़िस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी-सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

खाते-पीते वक़्त सावधान रहें। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज अच्छी सेहत का मज़ा लेने से आप वंचित हो सकते हैं। आर्थिक तौर पर सिर्फ़ और सिर्फ़ एक स्रोत से ही लाभ मिलेगा। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। आज आपके पास ख़ाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

तनाव और चिंता में इज़ाफ़ा मुमकिन है। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर तरोताज़ा करने का दिन है। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। एक बढ़िया जीवनसाथी के साथ जीवन वाक़ई अद्भुत लगता है और आज आप इस बात का अनुभव कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। बहुत ख़ूबसूरत और प्यारे इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आपके मानवीय मूल्य और सकारात्मक रवैया करिअर के मोर्चे पर आपको सफलता दिलाएंगे। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। अगर आप कार्यक्षेत्र में बेहतर करना चाहते हैं तो अपने काम में आधुनिकता लाने की कोशिश करें। इसके साथ ही नई तकनीक से अपडेटेड रहें। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं । आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 12 मई 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 02:06 तक
नक्षत्र : आर्द्रा प्रातः 10:27 तक
योग : धृति प्रातः 08:33 तक
करण : बव दोपहर 02:00 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:37 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:30 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37, सूर्यास्त 06:30 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री शंकराचार्य-रामानुजाचार्य-सूरदास जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

चुनाव बाद प्रदेश कांग्रेस के कई नेताओं पर गाज गिरना तय

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस नेताओं की फील्ड से गैरमौजूदगी को लेकर पार्टी सख्त एक्शन के मूड में है। मामले में प्रदेश कांग्रेस संगठन की तरफ से जिला संगठनों से जो रिपोर्ट मांगी गई थी वो मिल चुकी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का कहना है रिपोर्ट का एनालिसिस करने के बाद कार्रवाई की बात होगी।

राजस्थान में लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद कांग्रेस के जिला संगठनों के पदाधिकारियों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। दरअसल लोकसभा चुनावों के दौरान राजस्थान में कांग्रेस प्रत्याशियों और विधायकों की तरफ से बड़ी संख्या में ऐसी शिकायतें आई थीं, जिसमें कांग्रेस की तरफ चुनावों में लगाए गए पदाधिकारियों के निष्क्रिय होने की बात कही गई थी।

चुनावों के दौरान प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने करीब 200 पदाधिकारी जिलों में तैनात किए थे, लेकिन इनमें से बहुत जगहों पर पदाधिकारी पहुंचे ही नहीं। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस की ओर से संगठन के सभी पदाधिकारियों को एक पत्र भेजा, जिसमें उनसे पूछा गया है कि लोकसभा चुनाव के दौरान आप कहां पर व्यस्त थे। लोकसभा चुनाव के दौरान पदाधिकारियों की सक्रियता की पूरी जानकारी मांगी गई है। इस पत्र में उनसे पूछा गया है कि वे चुनाव के दौरान कहां पर क्या काम कर रहे थे। अपने प्रभार वाले क्षेत्र में कितनी बार गए और कितनी मीटिंग ली गई थी। साथ ही क्षेत्र में प्रचार के दौरान किन-किन कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव के दौरान कहां सक्रिय रहे। इसके बारे में भी जानकारी मांगी गई है। जिला और प्रदेश स्तर पर आयोजित कितनी बैठकों में हिस्सा लिया गया। पत्र में यह भी पूछा गया है कि आपके अधीन कार्यरत पदाधिकारी और सदस्यों में सबसे ज्यादा एक्टिव कौन-कौन रहे। पदाधिकारियों से जानकारी कांग्रेस वॉर रूम की रिपोर्ट के बाद मांगी गई है, जो पदाधिकारी निष्क्रिय रहे।

श्रीलंका के एक हजार दिव्यांगों को लगाए जाएंगे जयपुर फुट

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)।

श्रीलंका में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में श्रीलंका के एक हजार दिव्यांगों को कृत्रिम पैर जयपुर फुट लगाए जाएंगे। जयपुर स्थित बीएमवीएसएस के अनुसार दो महीने में श्रीलंका में कोलम्बों और वाबूनिया में शिविरों के माध्यम से इन विकलांगों को लाभान्वित किया जाएगा। इस शिविरों में जयपुर फुट के तकनीशियन विशेष रूप से श्रीलंकाई दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम पैर लगाकर चलने फिरने योग्य बनाएगें। इनमें आम नागरिक एवं सेना के लोगों को जयपुर फुट लगाये जायेंगे।

इस अवसर पर हाल में कोलम्बों में आयोजित उद्घाटन समारोह में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा, श्रीलंका के रक्षा राज्य मंत्री प्रेमिथा बन्दारा थेनाकून, रक्षा सचिव जनरल कमल गुनारत्ने, श्रीलंका के सेवाध्यक्ष बाइकूल लियानागे आदि मौजूद थे। समारोह में बीएमवीएसएस के कार्यकारी अध्यक्ष और अन्तर्राष्ट्रीय मामलें के निदेशक सतीश मेहता भी मौजूद थे। श्री सतीश मेहता ने कहा कि भारत सरकार और श्रीलंका आदर्श पड़ोसी राष्ट्र हैं और दोनों देशों के बीच मित्रता और सौहार्द का यह विकलांग पुर्नवास शिविर प्रतीक हैं। उच्चायुक्त संतोष झा ने कहा कि भारत सरकार और श्रीलंका के रिश्ते बहुत पुराने और ऐतिहासिक हैं और इससे पूर्व वर्ष 2011 में और वर्ष 2022 में कोलम्बो और जाफना में आयोजित किए गए शिविरों में 3100 से अधिक विकलांगों को जयपुर फुट लगाकर लाभान्वित किया गया।

उच्चायुक्त ने कहा कि जयपुर फुट की गुणवत्ता और इसकी उपयोगिता को देखते हुए और अधिक लोगों को लाभान्वित करने के लिए कोलम्बो और बाबूनिया के शिविरों का आयोजन किया गया हैं। श्रीलंका के रक्षा राज्य मंत्री प्रेमिथा बन्दारा थेनाकून ने भारत सरकार और बीएमवीएसएस के सहयोग के लिए धन्यवाद किया।

बीएमवीएसएस के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी आर मेहता ने कहा कि वर्ष 2010 में बाबूनिया के शिविर में 1210, 2011 के जाफना शिविर में 1163, वर्ष 2022 के कोलम्बो शिविर में 509 और जाफना के शिविर में 249 लोगों को लाभान्वित किया गया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के सहयोग से श्रीलंका के तकनीशियनों को जयपुर में जयपुर फुट बनाने के लिए प्रशिक्षित किया। इस प्रशिक्षण का खर्च भारत सरकार ने उठाया। इससे अब श्रीलंका में जयपुर फुट केन्द्र की स्थापना की जा सकेगी और वहीं के तकनीशियनों द्वारा विकलांगों को लाभान्वित किया जा सकेगा।

सैनी ने पंचकूला से की हर बूथ-हर घर संपर्क अभियान की शुरुआत

पंचकूला, 11 मई (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दो दिवसीय हर बूथ- हर घर संपर्क अभियान की शुरुआत शनिवार को पंचकूला से की।

श्री सैनी ने पंचकूला में राजीव कॉलोनी के बूथ नंबर 132 से इस अभियान की शुरुआत की। इस अभियान के तहत प्रदेश भर में मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और पार्टी के पदाधिकारियों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संकल्प पत्र तथा प्रधानमंत्री मोदी के संदेश को लोगों तक पहुंचाया और तीसरी बार भी नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिये वोट देने की अपील की।

अभियान के पहले दिन पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर करनाल में घर-घर पहुंचे और लोगों से संपर्क किया। संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा रोहतक में बूथ नंबर 132-133 पर रहे। लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक एवं राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने टोहाना के बूथ नंबर 142, 143, 144 पर संपर्क अभियान चलाया। राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ बादली विधानसभा के बूथ नंबर 80, 81 पर रहे और भाजपा के संकल्प पत्र के साथ घर-घर पहुंचे।बूथ चलो अभियान के संयोजक वेदपाल एडवोकेट ने करनाल विधानसभा के रसपूलपुर गांव स्थित बूथ नंबर 46 पर जनसंपर्क अभियान किया। भाजपा के नेता दो दिवसीय बूथ चलो अभियान के तहत प्रदेश के 19 हजार 800 से भी अधिक बूथों के लाखों घरों के दरवाजों पर पहुंचेंगे और लोगों से संपर्क कर 25 मई को भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करेंगे। पहले दिन ही हजारों बूथों पर पार्टी के पदाधिकारियों ने संपर्क अभियान चलाकर पार्टी की नीतियां बताई और विकास के नाम पर मोदी जी के लिए वोट की अपील की।

पिता-पुत्र समेत तीन लोगों को लगा करंट, एक की मौत और दो झुलसे

चरखी दादरी, 11 मई (एजेंसियां)।

जिले के गांव मकड़ना में शुक्रवार रात को बाइक सवार पिता-पुत्र समेत तीन लोगों को करंट लग गया। इसमें युवक की मौत हो गई जबकि दो झुलस गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर डीएसपी व पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जानकारी के अनुसार गांव मकड़ानी निवासी 17 वर्षीय अंशु व उसका पिता रामबीर व ग्रामीण फूल कुमार बाइक लेकर रात को खेत में जा रहे थे। शुक्रवार रात को तेज आंधी आने से 11 केवी की बिजली लाइन का तार टूटकर रास्ते में गिरा हुआ था। जब वे बाइक

लेकर वहां से गुजरने लगे तो तार उनकी बाइक में उलझ गया। इसी दौरान वे नीचे गिर गए और तीनों को करंट लगा। इसमें अंशु की मौके पर ही मौत हो और रामबीर व फूल कुमार चपेट में आने झुलस गए।

बाद में राहगीरों ने इसकी जानकारी परिजनों को दी और उन्होंने मौके पर पहुंचकर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना मिलने पर शनिवार को डीएसपी व पुलिस टीम ने मौका मुआयाना किया और शव को कब्जे में लेने की कोशिश की। लेकिन अंशु की मौत से गुस्साए ग्रामीणों ने शव को उठाने से रोक दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। फिलहाल फूल कुमार व रामबीर का सिविल अस्पताल में उपचार जारी है। इस घटना से रुष्ट ग्रामीणों के समाचार लिखे जाने तक एनएच 152 पर जाम लगाने की जानकारी भी मिली है।

सिपाही हत्याकांड: शव लेकर लघु सचिवालय पहुंचे ग्रामीण, किया हंगामा

झज्जर, 11 मई (एजेंसियां)।

जिले के सुलौधा गांव में उधारी कोल्ड ड्रिंक न देने पर घर में घुसकर व रेवाड़ी सेक्टर-4 थाने में तैनात सिपाही राजपाल की हत्या मामले में शनिवार को ग्रामीण एंबुलेंस में शव को लेकर लघु सचिवालय पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के बाद ग्रामीण सीधे लघु सचिवालय आए और आरोपियों की गिरफ्तारी न होने तक शव यहीं रखने की चेतावनी दी।सूचना पाकर एसीपी शमशेर सिंह व पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और उनको समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण नहीं माने। बहुत समझाने के बाद ग्रामीणा चेतावनी देते हुए मान गए। लगभग दो घंटे लघु सचिवालय में जमकर हंगामा हुआ। कई बार पुलिस व ग्रामीणों के बीच बहस भी हुई। ग्रामीणों ने शव रखने के लिए बर्फ की सिल्ली तक मंगवा ली, लेकिन अन्य ग्रामीणों के समझाने पर परिजन मान गए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि पुलिस प्रशासन ने पांच दिन में कार्रवाई नहीं की तो वह कड़ा कदम उठाने को मजबूर होंगे।

इसके बाद ग्रामीण एंबुलेंस में रखे शव को लेकर वापस चले गए, जहां गांव में शव का अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले शुक्रवार को ग्रामीण राजपाल के हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर लघु सचिवालय आए थे। उस समय भी एसीपी शमशेर सिंह ने कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन शनिवार तक भी आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर ग्रामीण रोहतक से सीधा शव एंबुलेंस में लेकर लघु सचिवालय पहुंच गए और एंबुलेंस के आगे जमीन पर बैठ गए। ग्रामीणों ने आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि इस मामले में आरोपियों के परिवार के दो सदस्यों को हिरासत में लिया गया है जो कि नाकाफी है। मुख्य आरोपी अभी भी बाहर खुलेआम घूम रहे हैं। उनको जल्द गिरफ्तार किया जाए। ग्रामीणों ने शव को रखने के लिए बर्फ की तीन सिल्ली भी लघु सचिवालय में मंगवाई। शव को बर्फ में रखने की तैयारी भी शुरू कर दी थी।

सभी 28 निर्वाचन क्षेत्रों को जीतने को लेकर है उत्साह : सुनीलकुमार

कम समय में अधिक लोगों तक पहुंचने का प्रयास सफल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य महासचिव और चुनाव प्रबंधन समिति के राज्य समन्वयक वी. सुनील कुमार ने कहा कि हम समग्र जनमत संग्रह, लोगों की प्रतिक्रिया और 3 राउंड में घर-घर अभियान के आधार पर राज्य के सभी 28 लोकसभा क्षेत्रों को जीतने के मूड में हैं। शहर के भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कम समय में अधिक लोगों तक पहुंचने का प्रयास सफल रहा है। हमने 3 तरह के जनसंपर्क सफलतापूर्वक किये हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी-बड़ी जनसभाओं, रोड शो और डोर-टू-डोर मीटिंग के जरिए हमारी बात जनता तक पहुंचा दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत 14 राष्ट्रीय नेताओं ने कर्नाटक में 79 जनसभाओं में हिस्सा लिया। 39 जगहों पर रोड शो किये गये। येदियुरप्पा, विजयेंद्र और अशोक समेत राज्य के करीब 30 नेताओं ने 557 सभाओं में जनता को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि राज्य के नेताओं ने 139 स्थानों पर रोड शो किये हैं। कुल 650 से अधिक सार्वजनिक बैठकें, 180 से अधिक रोड शो किए गए हैं और मतदाताओं से संपर्क करने का यह एक सफल प्रयास रहा है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव की खास बात यह है कि सभी बूथों पर 50-75 लोगों की 60,000 से अधिक छोटी-छोटी बैठकें की गई हैं। बेंगलूरु में लोकसभा चुनाव के आयोजकों, प्रभारियों, हमारे सभी प्रत्याशियों, जिला अध्यक्षों, प्रमुख सचिवों और अन्य महत्वपूर्ण लोगों के साथ लोकसभा चुनाव से संबंधित समीक्षा बैठक हुई। उन्होंने बताया कि पिछले 40 दिनों के दौरान हमने चुनाव से जुड़े दसियों मुद्दों की समीक्षा की है। हम विधान परिषद चुनाव की तैयारी शुरू करने जा रहे हैं। हमें विधान परिषद के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में जीत का भरोसा है। स्नातक एवं शिक्षक क्षेत्र में मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है तथा स्थानीय स्तर पर मतदाता संपर्क का कार्य चल रहा है। वी. सुनील कुमार ने कहा कि केंद्रीय चुनाव समिति रविवार सुबह तक उम्मीदवारों की घोषणा कर देगी। भाजपा ने इस चुनाव को काफी गंभीरता से लिया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में लंबी बैठक हो रही है। जेडीएस के साथ गठबंधन में कोई कमी नहीं है। जेडीएस द्वारा लड़े गए 3 निर्वाचन क्षेत्रों में, भाजपा के कार्यकर्ता चुनाव कार्य में उतर गए हैं। उन्होंने इस सवाल के जवाब में कहा कि जेडीएस के सहयोग से हमें अन्य क्षेत्रों में मदद मिली है। कांग्रेस पार्टी में नेतृत्व के लिए 4 तरह की प्रतिस्पर्धा है। वरुणा विधानसभा क्षेत्र में सिद्धरामैया का भाषण इसका ज्वलंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजे से उनकी सीट खतरे में है। डीके शिवकुमार भी खुलकर अपनी राय रख चुके हैं कि ओक्कालिगा ही सीएम बनेंगे। जारकीहोली गुप्तगामिनी के रूप में विधायकों से संपर्क कर रहे हैं। परमेश्वर इस संबंध में अलग-अलग प्रयास भी कर रहे हैं।

चुनाव आयोग को 152 शिकायतें दी

चुनाव की घोषणा के दिन से लेकर चुनाव खत्म होने तक हमने चुनाव आयोग को 152 शिकायतें दी हैं। बेशक कांग्रेस ने कर्नाटक में शासन तंत्र का पूरा दुरुपयोग किया है। सभी जिलों और तालुकों में सत्तारूढ़ दल ने व्यापक पैमाने पर हमारे कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने और कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दायर करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इनके खिलाफ स्थानीय स्तर पर शिकायत दर्ज करायी गयी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य के मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण, विधान परिषद सदस्य चलवादी नारायणस्वामी, राज्य सचिव तमेश गौड़ा, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष हरीश और पार्टी नेता मौजूद थे।

हिंदू संगठन और अधिवक्ताओं के एक वर्ग ने किया प्रदर्शन

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

हिंदू संगठन और अधिवक्ताओं के एक वर्ग ने राज्य पुलिस द्वारा कथित उत्पीड़न के विरोध में और हनुमान ध्वज हटाने के विवाद के संबंध में हिंदू कार्यकर्ताओं को दिए गए नोटिस की निंदा करने के लिए शनिवार को कर्नाटक के मांड्या जिले के केरागोडु गांव में विरोध प्रदर्शन किया।

जनवरी में केरागोडु गांव में राम मंदिर की 'प्राण प्रतिष्ठा' के अवसर पर अधिकारियों द्वारा 108 फुट ऊंचे ध्वज स्तंभ से भगवा रंग के हनुमान ध्वज को हटाने से राज्य में भारी विवाद हुआ था। इससे विपक्षी भाजपा और राज्य कांग्रेस सरकार के बीच वाकयुद्ध भी शुरू हो गया था। बीजेपी ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार 'तुष्टिकरण की राजनीति के लिए हिंदू कार्यकर्ताओं के जश्न को रोकने के लिए इस तरह के कृत्य का सहारा ले रही है।

हिंदू संगठनों का आरोप है कि केरागोडु पुलिस की ओर से हिंदू कार्यकर्ताओं को नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब देने को कहा गया है कि क्यों न उनके खिलाफ उपद्रवी पर्चा खोला जाए। पुलिस नोटिस में आगे कहा गया है कि हिंदू कार्यकर्ता ''दूसरे धर्मों के लोगों को धमकाने, उनके साथ अभद्र भाषा में दुर्व्यवहार करने और ध्वज पोस्ट के मामले में उकसाने में लगे हुए हैं। नोटिस में यह भी कहा गया है कि हिंदू कार्यकर्ता अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए। हिंदू कार्यकर्ताओं को पुलिस स्टेशन में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता चिक्कबल्ली बालू, कार्तिक और हरीश को नोटिस जारी किया गया है। पुलिस ने उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 143, 149 (सामान्य इरादे से गैरकानूनी सभा), 341 (गलत तरीके से रोकना), 353 (लोक सेवक को कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए हमला) के तहत भी मामला दर्ज किया है।

सीटी रवि ने पेन ड्राइव मामले की जांच जज से कराने पर दिया जोर

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा नेता सीटी रवि ने कथित तौर पर हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना से संबंधित अश्लील वीडियो मामले की जांच कर रही एसआईटी की कार्यवाही पर संदेह जताते हुए राज्य सरकार से मामले की न्यायाधीश से जांच कराने का आग्रह किया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने पूछा कि इससे क्या संकेत मिलता है कि पुलिस ने पूर्व सांसद एलआर शिवरामे गौड़ा की उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ हुई बातचीत का मामला सामने आने के कुछ देर बाद ही वकील देवराज गौड़ा को गिरफ्तार कर लिया। इस डर से कि देवराज गौड़ा और अधिक ऑडियो और वीडियो जारी कर सकते हैं, पुलिस ने किसी के निर्देशानुसार देवराज गौड़ा को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने आपत्ति जताई कि चूंकि सब कुछ सरकार के निर्देश पर होता है, इसलिए एसआईटी के लिए निष्पक्ष जांच करना असंभव है। सरकार को तुरंत किसी सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट जज से जांच करानी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि अगर सीबीआई पर भरोसा नहीं है तो चिंता करने की जरूरत नहीं है, लेकिन उसे न्यायिक जांच का जिम्मा सौंपने में क्या दिक्कत है। शुरू से ही आशंका थी कि निष्पक्ष जांच नहीं हो सकेगी। उन्होंने कहा कि एलआर शिवरामे गौड़ा और डीके शिवकुमार के बीच बातचीत का ऑडियो जारी होने के आधे घंटे के भीतर देवराज गौड़ा की गिरफ्तारी ने कई संदेह पैदा कर दिए हैं।

विधान परिषद के छह निर्वाचन क्षेत्रों में भी भाजपा जेडीएस का गठबंधन रहेगा जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकसभा चुनाव की तरह विधान परिषद के छह निर्वाचन क्षेत्रों में गठबंधन जारी रहेगा और जेडीएस के दो निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ने की संभावना है। वर्तमान लोकसभा चुनाव में, भाजपा और जद (एस) ने गठबंधन बनाया।

भाजपा ने 25 निर्वाचन क्षेत्रों में और जद (एस) ने 3 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ा। विधान परिषद के तीन शिक्षक और तीन स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए तीन जून को मतदान होगा। अभी भी दोनों दलों के बीच ऊपरी निर्वाचन क्षेत्रों के आवंटन की प्रक्रिया को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। जद (एस) दो शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ेगी और शेष चार निर्वाचन क्षेत्रों को भाजपा के लिए छोड़ देगी। जेडीएस से चुने गए मरिथिब्बे गौड़ा ने विधान परिषद से इस्तीफा दे दिया और जेडीएस छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए। इस प्रकार, जेडीएस कर्नाटक दक्षिण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एक और उम्मीदवार खड़ा करेगा। विधान परिषद के पूर्व सदस्य केटी श्रीकांत गौड़ा और विवेकानंद इस निर्वाचन क्षेत्र से टिकट के इच्छुक हैं। जेडीएस सूत्रों ने बताया कि इनमें से किसी एक को मैदान में उतारने का इरादा है। एसएल भोजे गौड़ा, जो विधान परिषद के सदस्य हैं, के कर्नाटक दक्षिण पश्चिम शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से फिर से चुनाव लड़ने की संभावना है।

बीजेपी नेताओं के साथ गठबंधन की बातचीत फाइनल होने के बाद जेडीएस नेता बैठक करेंगे और उम्मीदवारों को अंतिम रूप देंगे। जेडीएस से चुनाव लड़ने के लिए बेंगलूरु स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से कई उम्मीदवार हैं। हालाँकि, यह कहा जा रहा है कि इस निर्वाचन क्षेत्र को जद (एस) को छोड़ने की कोई संभावना नहीं है क्योंकि इस निर्वाचन क्षेत्र में मौजूदा विधान परिषद सदस्य हैं।

दो बच्चों के साथ पत्नी और सास को मार डाला

आंखों के सामने हत्यारे का रूप देख दो बच्चों ने अपनी जान बचाई

मधुबनी

मधुबनी में एक निर्दयी युवक ने अपनी पत्नी, सास और दो मासूम बच्चों की पीट-पीट कर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही लोगों की उमड़ी भीड़ को संभालने के लिए कई थानों की पुलिस मौके पर कर कैंप कर रही है। हत्यारे का यह रूप देखकर दो बच्चों ने कंबल में छिपकर अपनी जान बचाई।

घटना झंझारपुर थाना क्षेत्र के सुखेत गांव की है। पुलिस हत्यारे को अबतक पकड़ नहीं सकी है। पांच साल पहले उसकी शादी हुई थी। हत्या की वजह अभी सामने नहीं आयी है। हत्या का आरोपी दरभंगा के सदतपुर थाना के अवाम गांव का निवासी बताया जाता है। उसने ससुराल में इस घटना को अंजाम दिया।

हत्या के आरोपी का नाम पवन महतो है। पवन की पत्नी पिंकी अपने पति से झंझट के बाद कुछ महीनों से अपने मायके झंझारपुर के सुखेत गांव में रह रही थी। पति से उसका विवाद खत्म नहीं हुआ। पुलिस को अबतक मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात पवन महतो किसी को साथ लेकर ससुराल पहुंचा था। यहां उसने सोयी अवस्था में अपनी सास प्रमिला देवी (59 वर्ष) और पत्नी पिंकी (26 वर्ष) के साथ चार साल की बेटी प्रिया और छह महीने की बेटी प्रीति को कुंच-कुंच कर मार डाला। पुलिस ने घटनास्थल पर लहू से सने जांता (अनाज पीसने वाले पत्थर) और लकड़ी के उसके हैंडल को बरामद किया है।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही डीएसपी पवन कुमार, इंस्पेक्टर बी के ब्रजेश, थानाध्यक्ष रंजित कुमार दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। मामले की छानबीन शुरू कर दी है। नृशंस हत्या कांड के दौरान की एक बड़ी बात सामने आ रही है। हत्याकांड के वक्त दो और मासूम घर में मौजूद थे।

इनदोनों ने अपनी सूझबूझ से जान बचा ली। वारदात के दौरान दोनों मासूम बच्चे बेड के नीचे कंबल में छिप गए। हत्यारे को यह दोनों नहीं दिखे।

इसके बाद पुलिस और परिजनों ने दोनों को बाहर निकाला। दोनों ने जो खुलासा किया वह हैरान करने वाला था। दोनों ने कहा कि उनके फफूफ्फा ने अपने एक सहयोगी के साथ मिलकर बुआ, दादी और दोनों फुफेरी बहनों को मार दिया। इसके बाद मौके से फफरार हो गया। झंझारपुर डीएसपी पवन कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। बच्चों सहित सभी लोगों का बयान दर्ज किया जा रहा है। एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी होगी।

तेजस्वी ने कमर में बेल्ट दिखाकर कहा-

मुझे नहीं, पीएम मोदी को बेड रेस्ट की जरूरत है

दरभंगा (एजेंसियां)।

बिहार के दरभंगा लोकसभा चुनाव का मतदान चौथे चरण में 13 मई को होना है। तथा चौथे चरण के चुनाव प्रचार का आज आखिरी दिन है। ऐसे में सभी राजीतिक दल अपने प्रत्याशी को जीत दिलाने को लेकर अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोनकी में जनसभा को संबोधित करते हुए आरक्षण के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर जमकर हमला करते हुए कहा कि मेरे कमर में दर्द की वजह से डॉक्टर ने मुझे ती सप्ताह आराम करने को कहा है। मेरे कमर की हड्डी में चोट है।

उन्होंने कमर पर लगाए बेल्ट को दिखाते हुए बोला की हम अभी बेल्ट और लगा के घूम रहे हैं। मैने डॉक्टर से कहा कि आप बोल रहे हैं, तीन हफ्ता आराम करने के लिए। इसमें तो चुनाव खत्म हो जाएगा। मैंने डॉक्टर को कहा कि अभी तेजस्वी बेड रेस्ट नहीं लेगा। जब तक मोदी को पीएम की कुर्सी हम हटा नहीं देते। तेजस्वी को बेड रेस्ट की जरूरत नहीं है। पीएम मोदी को बेड रेस्ट की जरूरत है।

तेजस्वी ने कहा कि ललित यादव के हाथ में जब-जब लालू यादव ने लालटेन थमाया है। तब तब आपलोगों ने इन्हें जीतकर विधायक बनाया है। हम आपलोगों से अपील करने आए हैं कि एक-एक वोट लालटेन पर बटन दबा कर के ललित यादव को आप लोग भारी बहुमत से विजई बनाएं। ललित यादव के हाथ में जब जब लालटेन थमाया गया है। तब तब ये विजयी रहे हैं। इन्होंने विधायकी में छक्का मारा है। इस बार दरभंगा सीट जीता कर परिवर्तन लाने का काम करेंगे।

बता दें कि 13 मई को चौथे चरण के मतदान को लेकर आज शाम पांच बजे चुनावी प्रचार थम जाएगा। वहीं दरभंगा लोकसभा के प्रचार में आखिर दिन मतदाता मालिक को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा की ओर से बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी रोड शो करेंगे। वही इंडिया गठबंधन की ओर से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दरभंगा जिला में तीन जगह चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे।

तेजस्वी ने कहा कि ललित यादव के हाथ में जब-जब लालू यादव ने लालटेन थमाया है। तब तब आपलोगों ने इन्हें जीतकर विधायक बनाया है। हम आपलोगों से अपील करने आए हैं कि एक-एक वोट लालटेन पर बटन दबा कर के ललित यादव को आप लोग भारी बहुमत से विजई बनाएं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com